



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 284]
No. 284]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 27, 1995/आषाढ़ 6, 1917
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 27, 1995/ASADHA 6, 1917

जल भूतल परिवहन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जून, 1995

नियम

अध्याय—1

साधारण

सा.का.नि. 523(अ).—कलकत्ता पत्तन नियमों के कतिपय प्राख्य नियम भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 की धारा 6 की उपधारा (2) की अधेक्षानुसार, भारत सरकार के जल भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 306(अ) तारीख 9-3-94 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) में प्रकाशित किए गए थे जिनमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिनको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां, जिनमें अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, पेंतालीस दिन की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

2. और उक्त राजपत्र जनता को 28 जुलाई, 1994 को उपलब्ध करा दिया गया था।

3. और उपयुक्त अधि की समाप्ति के पूर्व जनता से प्राप्त सुझावों, मंशोधनों पर मम्पक् रूप से विचार कर लिया गया है।

4. अतः अत्र केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कलकत्ता पत्तन नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रारम्भ :

ये राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को होंगे।

3. परिभाषाएं :

इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(1) कलकत्ता पटसन के संबंध में "बोर्ड" से महः पटसन न्यास अधिनियम, 1963 के अधीन यथागठित कलकत्ता पटसन का न्यासी बोर्ड अभिप्रेत है।

(2) "मोका" से हर प्रकार का छोटा यान अभिप्रेत है चाहे वह किसी भी नाम से वर्णित हो, जो यंत्र चालित नहीं है और जिसका उपयोग यात्रियों और स्थोरा के परिवहन के सिर किया जाता है तथा इसके अन्तर्गत इसके साथ खींची जा रही पालटन भी है।

(3) “नोका सर्वेक्षक” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसे अधीक्षक, नोका रजिस्ट्रीकरण के पर्यवेक्षण के अधीन ऐसी नोकाओं के सर्वेक्षण का भारसाधन ग्रहण करने के लिए न्यासियों द्वारा नियुक्त किया गया है जिसके रजिस्ट्रीकरण और अनुशासन की अपेक्षा है।

(4) “स्थोरा नोका” से ऐसी नोका अभिप्रेत है जो सामान्य तथा सभी प्रकार की सगन या स्वविसमक्ष संपत्ति का, जिनके अन्तर्गत पशु भी है, वहन करती है।

(5) “अध्यक्ष” से बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत महापटसन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 14 के अधीन उसके स्थान पर कार्य करने के लिए नियुक्त व्यक्ति भी है।

(6) “मुख्य यांत्रिक इंजीनियर” से अन्य बातों के साथ साथ डाकों का भारसाधन ग्रहण करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी अभिप्रेत है।

(7) “अधोरा” से सूर्यस्मि के आधा घंटा पश्चात् अभिप्रेत है।

(8) “फोटमा” से सूर्योदय के आधा घंटा पूर्व अभिप्रेत है।

(9) “उपाध्यक्ष कलकत्ता” से बोर्ड का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है जिसके पास अध्यक्ष कलकत्ता पटसन न्यास के नियंत्रणाधीन कलकत्ता डाँक प्रणाली का भारसाधन है और इसके अन्तर्गत महा पटसन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 14 के अधीन उसके स्थान पर कार्य करने के लिए नियुक्त व्यक्ति भी है।

(10) “उपाध्यक्ष हल्दिया” से बोर्ड का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है जिसके पास अध्यक्ष कलकत्ता पटसन न्यास के नियंत्रणाधीन हल्दिया डाक काम्प्लेक्स का भारसाधन है और इसके अन्तर्गत महा पटसन न्यास अधिनियम 1963 की धारा 14 के अधीन उसके स्थान पर कार्य करने के लिए नियुक्त व्यक्ति भी है।

(11) “निदेशक नौ विभाग” से कलकत्ता पटसन और पटसन पहुंचाने वाले ऐसे नामों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त नौ विभागाध्यक्ष अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 के अधीन कृत्यों का प्रयोग का निर्वाहन करने के लिए उसके प्राधिकार के अधीन कार्य करने वाला कोई अन्य अधिकारी भी है।

(12) “डाक” से खिदरपुर डाक, नेताजी सुभाष डाक, मार्टनरीच जेटी, हल्दिया आयल जेटी, हल्दिया डाक और उससे अनुलग्न सभी भूमि, मार्ग, पाट बर्थ शीड, भण्डाकार, रेल संकर्म और अन्य चीजें अभिप्रेत हैं।

(13) “डाक मास्टर” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसे बन्दरगाह मास्टर (पत्तन के पर्यवेक्षक के अधीन हल्दिया डाक तथा हल्दिया आंचल जेटीज को छोड़कर डाकों के अन्दर आने या जाने वाले सभी जलयानों के घाट पर लगाने वाले और लंगर डालने का भारसाधन ग्रहण करने के लिए न्यासियों द्वारा नियुक्त किया गया है।

(14) “सूखा डाक” से नेताजी सुभाष डाक में दो सूखे डाक और खिदरपुर डाक में तीन सूखे डाँक अभिप्रेत हैं।

(15) “पेरी स्टीमर” से हर अर्थ का अन्तरदेशीय जलयान अभिप्रेत है जो पत्तन के भीतर या नामतः भीतर निर्धारित मार्ग पर नियमित रूप से चलता है।

(16) “फ्लैट” से डेकयुक्त नोका अभिप्रेत है जो केवल अन्तर्देशीय जलयान द्वारा खींचा जा सकता है।

(17) “प्ररूप” से इन नियमों में उपाबद्ध प्ररूप अदि प्रेन है।

(18) “महा प्रबन्धक (प्रचालन)” से उपाध्यक्ष हल्दिया के नियंत्रणाधीन हल्दिया डाँक काम्प्लेक्स का ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसके पास अन्य बातों के साथ-साथ हल्दिया में नौ प्रचालन खण्ड के प्रचालन का समय भारसाधन है।

(19) कलकत्ता आने वाले जलयानों की बाबत “बन्दरगाह” से पॉपशाड़ा बन्दरगाह से आगे का क्षेत्र अभिप्रेत है जिसके अन्तर्गत नेताजी सुभाष डाक खिदरपुर डाक नदी के सभी नारंग और लंगर डालना है। बज-बज गारिंग जाने वाले जलयानों/वहाँ से निकलने वाले जलयानों के लिए बज-बज रींग तथा बज बजमें गुरिंग भी बन्दरगाह क्षेत्र के अन्तर्गत आएंगे।

हल्दिया आने वाले जलयानों की बाबत “बन्दरगाह” से हल्दी नदी और हुगली नदी के संगम से लेकर बलारी मीनार तक नदी के फैलाव का भाग अभिप्रेत है जिसमें हल्दिया किनारा तथा तथापरा किनारा और हल्दिया डाक भी है।

(20) “बन्दरगाह मास्टर (पत्तन)” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो पॉपशाड़ा बन्दरगाह से आगे के सभी जलयानों/यानों के ब्रॉचम, मरिंग और संचयन का भारसाधक है और इसके अन्तर्गत हल्दिया बर्थ और जेटी को छोड़कर कलकत्ता पत्तन के भीतर नेता जी सुभाष डाँक खिदरपुर डाक और सभी मुरिंग हैं।

(21) “बन्दरगाह मास्टर (नदी)” से वह अधिकारी अभिप्रेत है जो लोअर कालेज मैसज बोया और सैण्ड हैडस के बीच सभी पायलटेंज संचयन का भारसाधक है।

(22) “होवर क्रॉस/हायड्रोफायस/सी-लेन” से विशेष रूप से निर्मित विद्युत चालित यान अभिप्रेत है जो पानी की सतह पर से उठ कर चलता है अथवा पानी पर पिम्पलता हुआ आगे बढ़ता है।

(23) “अन्तर्देशीय जलयान” से ऐसा कोई अन्तर्देशीय जलयान अभिप्रेत है जो अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 के उपबंधों के अधीन है।

(24) “प्रबंधक (नौ प्रचालन)” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो हल्दिया में तैनात महा प्रबंधक (प्रचालन) के नियंत्रणाधीन है और जो हल्दिया डाक के भीतर पोतों के संचालन, हल्दिया डाँक के भीतर आने/बाहर जाने के लिए पोतों की आवाजाही तथा अन्य समुद्री कार्यों का भारसाधक है।

(25) "मात्री" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी नौका/फ्लैट का भारसाधक है।

(26) जब "मास्टर" शब्द का प्रयोग किसी जलयान के संबंध में किया जाता है तब उससे पायलट से भिन्न ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो उस जलयान का भारसाधक है या उस पर नियंत्रण रखता है।

(27) "बाध्य जलसरणी" से हुगली नदी का वह हिस्सा अभिप्रेत है जो समुद्रगामी जलयानों/सी-प्लेनों/हाइड्रोफायल द्वारा समय-समय पर प्रयोग किया जाता है तथा बाध्य हिंडूनों और बोया द्वारा परिभाषित है।

(28) "यात्री नौका" से ऐसी नौका अभिप्रेत है जो सामान्यतया मात्री या भारसाधक नामित तथा कर्मचाल के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों का वहन करती है।

(29) "पाइलट" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो जलयान को चलाने के लिए तत्समय प्राधिकृत किया गया है।

(30) "पत्तन" से कलकत्ता पत्तन तथा उस तक पहुंचती माध्य नादिया और जलसरणियां अभिप्रेत हैं, यहां भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 तत्समय प्रवृत्त है।

(31) "समुद्रगामी जलयान" से ऐसे हर वर्णन का जलयान अभिप्रेत है जिसका प्रयोग समुद्र नौवहन में किया जाता है या जिसे मक्षम प्राधिकारी द्वारा समुद्रगामी अधिसूचित किया गया है।

(32) "छोटा यान" से ऐसे हर वर्णन का जलयान अभिप्रेत है जो समुद्रगामी जलयान या अन्तर्देशीय जलयान नहीं है, जिसका प्रयोग जलमार्ग द्वारा मानव या संपत्ति के परिवहन के लिए किया जाता है।

(33) "अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसे निदेशक नौ विभाग पर्यवेक्षण के अधीन ऐसी सभी नौकाओं/फ्लैटों के जो पत्तन के भीतर या भागतः भीतर चलने वाले अन्तर्देशीय जलयान नहीं हैं, रजिस्ट्रीकरण, अनुज्ञापन, सर्वेक्षण तथा सभी अन्य संबंधित क्रियाकलापों का भारसाधक ग्रहण करने के लिए नियुक्त किया गया है।

(34) "अधीक्षक, सूखा डाक" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसे सूखे डाकों का भार ग्रहण करने के लिए नियुक्त किया गया है।

(35) "टन" से फ्लैट या नौकाओं के अनुज्ञापन और विनियमन के नियमों के सिवाय वहां टन से नियमन 71 के उपबंधों द्वारा यथा आधारित टन अभिप्रेत है, भारतीय पोतों के टनभार के माप को विनियमित करने के लिए तत्समय प्रवृत्त नियमों द्वारा अवधारित या अवधारा या अभिप्रेत है।

(36) "यातायात प्रबंधक" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसे यातायात विभाग का भारसाधक ग्रहण करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया गया है।

(37) "न्यासियों" से कलकत्ता पत्तन बोर्ड के सदस्य अभिप्रेत हैं।

(38) "जलयान" के अन्तर्गत सी-प्लान/हाइड्रोफायल/हायरक्लाफ्ट से भिन्न प्रत्येक वर्धन का वाटर क्राफ्ट भी है जिसका उपयोग जल परिवहन के लिए किया जाता है या जो उस काम में उपयोग किए जाने के लिए उपयुक्त है।

(39) "कार्यरत जलयान" से ऐसा जलयान अभिप्रेत है जो लेंगर पर या समुद्र तट या एम्पाउंड से बंधा हुआ नहीं है।

लागू होना :

3. ये नियम, जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हो कलकत्ता पत्तन के भीतर लागू होंगे।

समुद्रगामी जलयानों से संबंधित इन नियमों के उपबंध सी-प्लेन/हाइड्रोफायल पर भी लागू होंगे किन्तु जहां उनके विशेष सनिर्माण के कारण सी-प्लेन/हाइड्रोफायल के लिए प्रकाश तथा आकार से संबंधित शर्तों का पूर्ण रूप से पालन करना संभव नहीं है वहां जहां तक परिस्थितियां अनुज्ञात करें इनका पालन किया जाएगा। इन नियमों की किसी बात से निम्नलिखित उपबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा :

(1) पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) के अधीन नियम।

(2) बाध्य जल पथ बाधा अधिनियम, 1881 (1881 का 18) के अधीन बनाए गए नियम।

(3) अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए कोई नियम।

(4) हावड़ा सेतु अधिनियम, 1926 (1926 का बंगाल अधिनियम, 4) के अधीन बनाई गई कोई विधियां/विनियम/नियम।

(5) महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) के अधीन बनाई गई कोई उपविधियां/विनियम।

(6) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के अधीन बनाए गए नियम/विधियां।

अध्याय 2

समुद्रगामी जलयानों के लिए नियम

4. संवलन पर निर्वचन 1 समुद्र में टकराव से बचाव:—

(1) निदेशक, नौ विभाग या यातायात प्रबंधक या बन्दरगाह (पत्तन) या महा प्रबंधक (प्रचालन) या प्रबंधक नौ (प्रचालन) द्वारा आदेश किए जाने पर सभी जलयान पत्तन के किसी दर्थ, मूरिंग या एंकरेज से या की ओर हट जाएंगे। परन्तु यह तब जब कि माइनर हाउस बिन्दु में नौके सभी

समुद्रगामी जलयान निदेशक, नौ विभाग या यातायात प्रबंधक या बन्दरगाह मास्टर (नदी) के आदेश पर ही नदी पर आगे या पीछे की ओर जाएंगे।

(2) हुगली नदी नौ यात्रा करने वाले सभी जलयान समुद्र में टकराव से बचने के लिए ऐसे अंतराष्ट्रीय नियमों द्वारा जो हुगली नदी में नौ यात्रा करने के लिए न्यासियों द्वारा विहित स्थानीय नियमों के अनुसार उपांतरित या जोड़े गए हों, नामित होंगे।

(3) उप नियम (2) में वर्णित नियमों की प्रतिलिपि के लिए कोई भी पोत स्वामी बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या बन्दरगाह मास्टर (नदी) को आवेदन कर सकेगा।

5. बर्थ और मूरिंग की विनियमन पाइलट अथवा अन्य प्राधिकृत अधिकारी के बिना संकलन पर निर्बन्धन :—(1) सभी समुद्रगामी जलयान यातायात प्रबंधक निदेशक नौ विभाग, बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) द्वारा निर्धारित बर्थ या मूरिंग अथवा निर्धारित स्थान ग्रहण निर्धारित करेंगे तथा किसी बर्थ, मूरिंग या स्थान से किसी अन्य बर्थ, मूरिंग या स्थान पर पत्तन के सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी के निर्देश तथा भारसाधन में ही आएंगे।

(2) कोई भी समुद्रगामी जलयान पाइलट या बर्चिंग मास्टर या सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी को फलक पर लिए बिना तब तक डॉक के अंदर या बाहर या उसके भीतर अथवा एक से दूसरे जेट्टी/बर्थ/मूरिंग/एंकारज पर नहीं जाएगा जब तक भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 की धारा 31 के उपबंधों के अधीन अभिमुक्ति नहीं दे दी जाती है।

(3) मूरिंग करने या मूरिंग खोलने, उसे खलाने या हटाने के प्रयोजन के लिए या उसकी स्थिति को विनियमित करने या उसके उपस्कर या गियर को समायोजित करने, उसके स्थोरा के लदान या उतारने के लिए उसकी सुरक्षा तथा ऐसे ही अन्य प्रयोजनों के लिए जलयान का मास्टर अथवा स्वामी पत्तन के सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी के सभी विधि पूर्ण निदेशों का पालन करेगा तथा उनके साथ पूर्ण सहयोग से कार्य करेगा।

6. सहायता के लिए आवेदन। जलयान की विशिष्टियां देना :—(1) डॉक या मूरिंग से समुद्रगामी जलयानों को खींचने या अन्य किसी प्रकार की सहायता के लिए सभी आवेदन व्यक्तिगत रूप से या विहित प्ररूप से बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) को किए जाएंगे। नदी मार्ग के लिए बन्दरगाह मास्टर (नदी) को अलग से आवेदन/बुकिंग की जाएगी।

(2) समुद्र-गामी जलयानों को डॉक में लाने या जेट्टी के साथ लगाने से पूर्ण, मास्टर या स्वामी या अभिकर्ता जलयान के विस्तार, डाफ्ट टन भार और उपकरण के विशेष लक्षण या संनिर्माण संबंधी पूर्ण विशिष्टियां विहित प्ररूप में यातायात प्रबंधक या बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) या पत्तन के किसी अन्य सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी को देना।

7. अंगों का प्रयोग। लंगरों का प्रयोग :—(1) प्रत्येक समुद्रगामी जलयान जो पत्तन के अंदर या नदी की बाध्य जलसरणियों में संचालित होना चाहता है उस प्रयोजनार्थ के ऐसे टंग का प्रयोग करेगा जो बन्दरगाह मास्टर (पत्तन), बन्दरगाह मास्टर (नदी) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) या भारसाधक पाइलट की राय में उसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक हों।

(2) गाइडरीच विन्दु पर किसी जलयान का भार ग्रहण करने से पूर्व पाइलट अपना यह समाधान कर लेगा कि प्रयोग में लाने वाले दो बायर लंगर उपयोग के लिए तैयार हैं तथा तीसरा लंगर डेक पर इस स्थिति में है कि आवश्यकता पड़ने पर उसे प्रयोग में लाया जा सकता है। पाइलट अपना यह भी समाधान कर लेगा कि प्रत्येक बायर लंगर में पर्याप्त केनल लगा हुआ है।

8. जलयानों की शक्ति :—किसी मूरिंग या डॉक या जेट्टी बर्थ में अपनी शक्ति से प्रयोग करने या उसे छोड़ने वाले प्रत्येक समुद्रगामी जलयान का मास्टर, आवश्यकतानुसार आगे जोन के लिए इंजनों को पूर्ण गति से कार्य करने के लिए पर्याप्त शक्ति के रख्खाव के लिए जिम्मेदार होगा।

9. मूरिंग का प्रयोग :—निदेशक, नौ विभाग या बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) का अनुज्ञा के बिना कोई भी समुद्रगामी जलयान स्थिर या चलते किसी मूरिंग का प्रयोग नहीं करेगा।

10. झूलते मूरिंग पर जतमान :—झूलते मूरिंग पर प्रत्येक समुद्रगामी जलयान को 15 जून से लेकर 31 अक्तूबर तक अपने बोझर चेन के अतिरिक्त मूरिंग के रिंग के साथ एक अच्छे हाजर के कितारे से भी बांधना होगा।

11. बो पर लंगर :—रास्ते में या धारा में रहने समय या मूरिंग से लगा हुआ प्रत्येक समुद्रगामी जलयान कम से कम बो पर एक लंगर डाले रहेगा जिस पर एक केवल मुड़ा हुआ होगा जिसे अलग सूचना पर भी छोड़ा जा सके।

12. जलयानों का मूरिंग करना :—कोई व्यक्ति किसी भी समुद्रगामी जलयान का मूरिंग निदेशक नौ विभाग या बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) द्वारा विहित रीति में ही करेगा अन्यथा बर्ही या अत्यधिक खिचाव करने या अपनी मूरिंग पर अत्यधिक ढीला होने के बचाव के प्रयोजन के सिवाय या ऐसे अधिकारियों की अनुज्ञा के बिना किसी भी समुद्रगामी जलयान की मूरिंग को परिवर्तन नहीं करेगा।

13. लंगर डालने पर प्रतिबंध :—जब तक कोई पाइलट या बन्दरगाह पाइलट जलयान के फलक पर न हो तब तक कोई भी समुद्रगामी जलयान, निदेशक, नौ-विभाग या बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या बन्दरगाह मास्टर (नदी) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) के प्राधिकार के बिना पत्तन में लंगर नहीं डालेगा।

14. बोर टाइड के लिए सावधानियाँ :—जब बोर टाइड आने की संभावना हो तब धारा के मूरिंग में लगा प्रत्येक समुद्र-गामी जलयान :—

- (क) वह अपने श्रेष्ठ हाजिर को फूलड मूरिंग या मूरिंग के निकट अपनी जंजीर से बांध देना और पर्याप्त खिचाव सहित उसे कस देना जिससे बोर आने पर जंजीर तथा बिट्स को झटका न लगे।
- (ख) निदेशक, नौ विभाग या बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) की आवश्यकतानुसार और ऐंकर मूरिंग का कार्य ले लेगा।
- (ग) आपातकाल में तत्काल प्रयोग के लिए उसके मुख्य इंजन अभिचालन गीयर, बेलज-चरखा तथा विन्ध में हमेशा विद्युत प्रवाह तैयार रखेगा।
- (घ) बोर टाइड के बढ़ने की संभावना पर कोई भी व्यक्ति पानटन पर आएगा और न ही वहाँ ठहरेगा।

15. पानटन को बगल में जलयानों का न रहना :—माल को चढ़ाने और उतारने या यात्रियों के अरोहण या अबरोहण के प्रयोजन के सिवाय कोई भी जलयान पानटन के बगल में नहीं रहेगा।

16. डेलत की जांच :—कोई भी समुद्रगामी जलयान जो डाक के मूरिंग में है या धारा में या डॉक बर्थ में रुका है वह अपने नजदीकी सभ्य नौकाओं को पर्याप्त चेतावनी दिए बिना बोदक नहीं घुमाएगा और जब तक कि पाइलट या बरिंग मास्टर इंजन की जांच के दौरान फलक पर न हो मोदक को प्रत्येक दिशा में अति धीमी गति पर थोड़े समय के लिए चलाया जा सकता है। पाइलट या बरिंग मास्टर के निर्देशों के अधीन के सिवाय बहुत अल्प अवधि के लिए की गई बेड़े की जांच अति धीमी गति से अधिक पर नहीं की जाएगी।

17. इंजन को बिखंडित करना :—निदेशक, नौ विभाग या बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या यातायात प्रबंधक या प्रबंधक (नौ प्रचालन) की अनुज्ञा के बिना कोई भी समुद्रगामी जलयान अपने इंजन को बिखंडित नहीं करेगा और न ही स्वयं को संचालन के अयोग्य करेगा।

18. तूफान संकेत :—जब 15, स्ट्रैण्ड रोड स्थित न्यासी कार्यालय के ध्वजदण्ड पर, खिचिरपुर डॉक के प्रवेश में लास टावर के ध्वजदण्ड पर तथा बन्दरगाह पायलट के घर के ध्वजदण्ड पर अथवा बज बज के पायलट या पत्तन के किसी प्राधिकृत स्थान पर 111. अथवा सं. का तूफान संकेत लगाया जाएगा, सभी समुद्रगामी जलयानों के मास्टर तुरंत अपने जलयानों की सुरक्षित तथा कसकर बांधने के लिए सभी सावधानियाँ को अपनाएँ तथा विशेष रूप से आने के लिए एक दूसरे नगर तैयार रखेंगे।

19. जलयानों के लिए :—नियम 21, 22, 23, 24 और उपबंधों के अधीन रहते हुए पत्तन के सभी समुद्रगामी जलयानों के फलक पर अपनी सुरक्षा या सामान्य संचालन और किसी आघात स्थिति के लिए किसी आवश्यक कार्य को करने के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मीदल होंगे।

20. दोहरी बैकिंग :—सभी समुद्रगामी जलयान जो डाक में बर्थ किए हुए हैं चाहे वह क्यों बर्थ के बगल में हो अथवा धारा में, अला सूचना पर भी अपने बगल में दूसरे जलयानों को ग्रहण करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जलयानों की सुरक्षा के लिए बर्थ में पहले से स्थिर जलयान आते हुए जलयान के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगी।

21. न्यूनतम कर्मीदल के लिए अनुज्ञाति :—अब भी कोई समुद्रगामी जलयान किसी बर्थ या मूरिंग पर ठहरा हो जो उसे विशेष रूप से उसी प्रयोजन के लिए आबंटित किया गया हो, तब न्यासियों के लिए अनुसूची साक्षर से के प्ररूप "क" में निर्धारित अवधि के लिए अनुज्ञाति प्रदान करना विधिपूर्ण होगा जिससे जलयानों को अनुज्ञाति में विनिर्दिष्ट न्यूनतम कर्मीदल सहित बर्थ या मूरिंग में जलयानों को ठहरने के लिए प्राधिकृत किया जा सके।

22. अनुज्ञाति का प्रतिसंहरण :—अनुसूची के प्ररूप "ख" में, प्ररूप "क" की उपरोक्त अनुज्ञाति की प्रतिसंहृत करना भी अध्यक्ष के लिए विधिपूर्ण होगा और ऐसे प्रतिसंहरण के पश्चात् जो ऐसे जलयान के किसी सहज दृश्य मार्ग पर उसकी प्रति चिन्ता कर किया जाएगा, नियम 19 के उपबंध ऐसे ही लागू होंगे मानों ऐसी कोई अनुज्ञाति कभी प्रदान ही न की गई हो।

23. कर्मीदल के बिना ठहरने की अनुज्ञाति :—जब भी अध्यक्ष को यह प्रतिज्ञा हो कि कोई संकरी खाड़ी, नदी या डॉक इस प्रकार स्थित है कि कर्मीदल के बिना समुद्रगामी जलयान पत्तन के किसी भाग में किसी जलयान को अति पहुँचाए बिना उस संकरी खाड़ी, नदी या डॉक में तेरता हुआ रह सकता है तो अध्यक्ष के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह अनुसूची के प्ररूप "ख" में नियम 19 के उपबंधों से ऐसे किसी जलयान को छूट देते हुए अनुज्ञाति जारी कर सकता है और यदि वह ठीक समझे तो पूर्वोक्त अनुज्ञाति की प्रतिसंहृत कर सकता है या समय-समय पर उसका संशोधन कर सकता है।

24. धूम्रपान :—कोई भी व्यक्ति समुद्रगामी जलयान के डक के बीच या किसी बन्द जगह पर जहाँ भंडार, स्थोरा या ज्वलनशील पदार्थ रखा हो, धूम्रपान नहीं करता और न ही किसी भी प्रकार खुली आग का प्रयोग करेगा।

25. प्रकाश :—निदेशक, नौ विभाग या महाप्रबंधक (प्रचालन) की अनुज्ञा के बिना कोई भी समुद्रगामी जलयान विद्युत प्रकाश से भिन्न अन्य किसी दस्तावेज का प्रयोग नहीं करेगा परन्तु यह कि आपात नौ संचालन या राक्षस रोशनी के लिए यह नियम लागू नहीं होगा।

26. आग :—समुद्रगामी जलयान पर रसोई घर का ठीक से निर्मित अंगीठी में ही आग जलाने की अनुमति होगी।

27. आतिशबाजी :—सभी समुद्रगामी जलयानों पर अतिशबाजी प्रतिषिद्ध है।

28. अग्निशमन के उपाय :—किसी जलयान पर आग लग जाने से, आसपास के बर्थ या मरिंग के समुद्रगामी जलयान के मास्टर अपने सायबान खोल देंगे, अपने पम्प और हीज को प्रयोग के लिए तैयार रखेंगे तथा अपने केबल या हाजर को सरकाने के लिए तैयार रखेंगे।

29. जलयान से बहिर्वेशन :—सभी समुद्रगामी जलयान डॉक या जेट्टी में या उससे आते हुए अपनी नौकाओं को अंदर की तरफ रखेंगे और दीवार, पातघाट या जेट्टी या घाट उपस्कर से टकरा सकने वाले बहिर्वेशन को हटा लेंगे।

30. उपस्कर का बहिर्वेशन गाइड :—हाउस बिन्दु के आगे कोई भी समुद्रगामी जलयान अपने बगल से लंगर, मस्तूल, या अन्य उपस्कर का बहिर्वेशन नहीं रखेंगे जो दूसरे जलयान को अति कारिन्त कर सकते हैं।

31. हानिकारक अपविष्ट/गंधगी/कूड़ाकरकट का विसर्जन :—कोई भी व्यक्ति (क) - नदी या डाँक में जानबूझकर पेट्रोलियम या अन्य ज्वलनशील द्रव को विसर्जित नहीं करेगा।

(ख) हानिकारक प्रकृति का कोई द्रव या कोई गन्धगी या कूड़ा करकट जानबूझकर नदी के पानी या किसी डाँक में नहीं फेंकेगा।

32. पर्यावरण की सुरक्षा :—(1) कोई भी व्यक्ति (क) जो कंकड़/कूड़ा-करकट/स्थोरा/पदार्थ/द्रव जो पर्यावरण के लिए हानिकारक हो या नदी में गिरने के बाद नौवहन को क्षति पहुंचा सकता है, किसी भी दवे/पोतघाट/जेट्टी/-जलयान पर ऐसा कंकड़/कूड़ा-करकट/स्थोरा/माल/पदार्थ/वस्तु/द्रव इस प्रकार नहीं रखेगा। जो पानी में गिर सकता है।

(ख) इस नियम के उपनियम (i) में निर्दिष्ट कंकड़/कूड़ा-करकट/स्थोरा/माल/पदार्थ वस्तुओं को पोतघाट, घाट, जेट्टी या जलयान से डाँक या नदी में गिराने/फेंकने की अनुमति नहीं देगा।

(2) किसी ऐसे जलयान का मास्टर जिससे यथापूर्वोक्त कोई स्थोरा/माल/वस्तु/पदार्थ/चीज डाँक या नदी में डाल दी या फेंकने की गई है या गिर/गई है तो वह इस घटना की विशिष्टियों को पूर्ण रिपोर्ट, यथास्थिति, डाँक मास्टर या बन्दरगाह मास्टर/(पत्त) या प्रबंधक (नौ प्रचालन) को प्रस्तुत करेगा।

33. सीटी बजाना :—कोई भी समुद्रगामी जलयान, हुगली नदी के लिए यथा उपांतरित समुद्र में टकराव से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार ही सीटी या सायरन बजाएगा अर्थात् नहीं परन्तु कोई भी समुद्रगामी जलयान निर्गम सीटी या सायरन नहीं बजाएगा।

34. ब्लू पीटर :—ऐसा प्रत्येक समुद्रगामी जलयान जो पत्तन छोड़ने वाला है, मूरिंग छोड़ने के पहले दिन प्रातः छह बजे जलयान के सामने वाले भाग में ब्लू पीटर फहराएगा, और जब तक पाइलट जलयान को समुद्र में ले जाने का कार्यभार नहीं ले लेता तब तक वह फहराएगा जाता रहेगा। परन्तु यह नियम युद्ध की स्थिति में लागू नहीं होगा।

35. अंतर्राष्ट्रीय कोड अर्थात् "ए" :—प्रत्येक समुद्रगामी जलयान मूरिंग में प्रवेश करते समय या जेट्टी आते समय अपने टाएटिक ठहराव पर अंतर्राष्ट्रीय कोड अर्थात् "ए" फहराएगा और इसे तब तक फहराता रहेगा जब तक बन्दरगाह पाइलट या भार साधक पाइलट को यह लगे कि अंतर्देशीय जलयान या छोटे क्राफ्ट सुरक्षा पूर्वक बगल में आ सकते हैं, और झंडा उतारने का आदेश न दे दे।

36. निजी संकेतों का निषेध :—निदेशक नौ विभाग या बन्दरगाह पाइलट या महाप्रबंधक (प्रचालन) या भारसाधक पाइलट के प्राधिकार के बिना किसी समुद्रगामी जलयान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संकेत संहिता द्वारा प्राधिकृत संकेतों के अलावा कोई संकेत नहीं फहराए जायेंगे।

37. सांकेतिक प्रकाश :—प्रत्येक समुद्रगामी जलयान समुद्र में टकराव से बचने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नियमों की अपेक्षाानुसार अंधेरे और सूर्योदय के मध्य प्रकाश प्रदर्शित करेगा। भारसाधक पाइलट के निदेशों के बिना अन्य कोई भी सांकेतिक प्रकाश प्रदर्शित नहीं किया जायेगा।

38. सर्व लाइट का प्रयोग :—निदेशक नौ विभाग बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) या बन्दरगाह पाइलट या भारसाधक पाइलट या प्रबंधक (नौ प्रचालन) के निदेशों के बिना पत्तन के अन्दर किसी समुद्रगामी जलयान द्वारा सर्व लाइट का प्रयोग प्रतिषिद्ध है।

39. खिंचते/धक्का देते समय प्रकाश का प्रदर्शन :—समुद्रगामी जलयानों को खिंचते/धक्का देते समय समुद्र में टकराव से बचने के लिये अंतर्राष्ट्रीय नियमों द्वारा जो प्रवृत्त है। समय-समय पर संशोधित किए गए हैं; ऐसे जलयानों के लिए विहित प्रकाश/आकृति प्रदर्शित करेगा।

40. समुद्रगामी जलयान के प्रकाश से टगों के प्रकाश में हस्तक्षेप न होना :—प्रत्येक समुद्रगामी जलयान पत्तन में बगल के टग को खिलते समय अपने प्रकाश बुझा देगे जिनसे अंगों द्वारा प्रदर्शित प्रकाश को दृश्यता में हस्तक्षेप न करें।

41. खिंचाव के समय प्रकाश :—पत्तन में समुद्रगामी जलयान अन्य समुद्रगामी जलयान द्वारा खिंचे जाते समय :—

(क) सामने से खिंचते समय समुद्र में टकराव से बचाव के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अंतर्गत विहित प्रकाश प्रदर्शित करेगे।

(ख) अपने बगल में खिंचते समय खिंचाव के दूसरे वाले तरफ के प्रकाश प्रदर्शित करेगे।

42. टनों के लिए खिंचान के समय प्रकाश :—पत्तन में टंग/टनों के नहित खिंचे जाते समय समुद्रगामी जलयान नियम 41 के खंड (घ) में वर्णित अतिस्थित संकेद बहून नहीं करेंगे।

43. भूगर्भ जलयान और लंगर में जलयान के लिए प्रकाश :—(1) पत्तन में भूगर्भ वा नदी की बाध्य जल-सरणी में प्रत्येक समुद्रगामी जलयान समुद्र में टकराव से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार जो प्रवृत्त हैं, समय-समय पर संशोधित किये गये हैं, प्रकाश/आकृति प्रदर्शित करेगा।

(2) एन्कर पर लगे जलयान द्वारा समुद्र में टकराव से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार जिस काले बाल/काले बाल को प्रदर्शित करना आवश्यक है, किसी भी जलयान द्वारा सागर रोड्स या रवीन्द्र सेतु के बीच नहीं होया जायेगा।

(3) नीचे गति से जाते हुए भार लिये हुए प्रत्येक जलयान द्वारा अग्रिमस्तल पर काला बाल या संकेत यार्डमैन का सिरा दिखाया जायेगा। जलयान का इंजन जब कम गति में चल रहा है या जलयान जब व्यक्तिपालन कर रहा हो तब काला आधी ऊंचाई तक प्रदर्शित किया जायेगा। सागर रोड्स तथा रवीन्द्र सेतु के बीच भार लिए हुए जलयानों के लिए बाल का प्रयोग अनिवार्य है और सागर रोड्स के बाद यह फ्लेक्सिबल है।

44. दुर्घटना के लिए पूर्वावधानी :—प्रत्येक समुद्रगामी जलयान का मास्टर गाई लगाकर या अन्यथा सभी आवश्यक पूर्वावधानियां बरतेगा जिससे जलयान के किसी भी भाग में भाव, तेल या पानी निकलने से न किसी व्यक्ति को ओट या संपत्ति को क्षति न पहुंचे।

45. फलक मुख तथा कड़ी को कमना :—किसी समुद्रगामी जलयान के डेक पर या नीचे अपने फलका मुख उसमें स्थोरा लावते या उतारते समय देशांतरीय आगे तथा पीछे और बाहे कड़ी और फलका मुख के टुकड़ों को कमकर बांधना चाहिये जिससे यह बाध या जलयान पर न गिरे।

46. कर्मचारियों की सुरक्षा :—समुद्रगामी जलयान का मास्टर जिसे नितल, वायसर या दोहरे पेटे में कार्य करवाने की आवश्यकता हो तो वह कल कर्मकार भेजने से पूर्व वह बर्षों की कार्य परिस्थिति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये सभी पूर्वावधानियां बरतेगा।

अध्याय-3

अन्तरदेशीय जलयानों के नियम

47. व्याप्त नियम :—नियम 9, 10, 11, 2, 25, 26, 27, 23, 31, 32, 33, 41 और 13 के उपबंध अन्तरदेशीय जलयानों पर उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे समुद्रगामी जलयानों से संबंध में लागू होते हैं।

48. नाथ्य जलगरणा :—प्रत्येक अन्तरदेशी जलयान का नौ-परिवहन इस प्रकार किया जाएगा जिससे कि नाथ्य जलगरणों समुद्रगामी जलयानों के लिख खली रहे।

49. बर्थ और मूरिंग का विनियमन :—प्रत्येक अन्तरदेशी जलयान, पत्तन के सम्भवतः प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ऐसा निदेश दिए जाने पर, किसी बर्थ, मूरिंग या स्थान पर रुकेगा या एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाएगा।

50. लंगर डालना :—कोई भी अन्तरदेशी जलयान ऐसी स्थिति में या ऐसी रीति में लंगर नहीं डालेगा जिससे कि नाथ्य जलगरणी में किसी समुद्रगामी जलयान को बाधा उत्पन्न हो।

51. मंचलन पर निर्बंधन :—जब अन्तरराष्ट्रीय छोड़ प्लाग "ए" किसी समुद्रगामी जलयान के ट्राएटिक स्टे पर फहरा रहा हो तक कोई अन्तरदेशीय जलयान किसी प्रयोजन के लिए किसी समुद्रगामी जलयान के साथ-साथ अग्रसर नहीं होगा।

52. यानों का विनियमन :—बालों पर विवेकानंद पुल के नीचे से गुजरने वाली प्रत्येक अन्तरदेशीय जलयान, उत्तर से दक्षिण की ओर जाते समय, स्तम्भ सं. 2 तथा 3 के बीच में जाएगा और दक्षिण से उत्तर की ओर जाने समय स्तम्भ गरथा 2, 3 और 4 के बीच में जाएगा।

53. प्रतिषिद्ध लंगर डालना :—कोई भी अन्तरदेशी जलयान निम्नलिखित में लंगर नहीं डालेगा—

(क) लोवर कालेज मेड बोया तथा ऊपर मेन पारा फ्लैट बोया के बीच गार्डन रीच में, या

(ख) फोर्ड स्लोस्टर बोया और कलकत्ता पत्तन के दक्षिणी सीमा स्तम्भों के बीच बज बज रीच में,

(ग) हल्लिया नदी और बलारी टानर के बीच हल्लिया रीच में,

(घ) प्राण नाथ राय चौधरी घाट के ऊपर में रांची रेखा के बाएं किनारे के 250 फुट ऊपर में खुशी भद सेदी घाट और बाएं तट पर काशीपुर गन एंड फैक्ट्री के ऊपरी सार में खींची गई रेखा के दाएं तट पर 100 फीट दक्षिण में गार्डन हाउस, के बीच काशीपुर में बाकी तेड क्षेत्र में,

(ङ) जगन्नाथ घाट के उत्तर में 950 फीट में बोया गया पर टोटागढ़ जूट मिल के घाट से 125 फीट उत्तर तट खींची गई रेखा और बाएं तट के जगन्नाथ घाट के दक्षिण में 700 फीट में बाएं तट पर खड्ग जूट मिल की उत्तरी जेटी के उत्तर में 300 फीट त्रिदु तक खींची गई रेखा के बीच खड्ग से बैरक-पुर क्षेत्र में,

(च) बाएं घाट पर दूरगामी घाट के 350 फीट दक्षिण में बाएं तट पर लंबवत टोला घाट के 1200 फीट उत्तर तक खींची गई रेखा और बाएं तट पर बैरविंदो घाट में 350 फीट उत्तर में बाएं तट पर करीण बम् घाट व्याप्त नगर क्षेत्र में।

54. अबाध मार्ग छोड़ना :—लंगर में या मार्ग में प्रत्येक अन्तरदेशीय जलयान पर समय प्रस्तियों, जेटियों,

माल उतराई धानों, घाटों, बोया, डाका, और मूरिंगों के लिए पर्याप्त खुला अबाध मार्ग छोड़ना।

55. नौ परिवहन नियम :—दुगली नदी में नौपरिवहन करने वाले अन्तरदेशी जलयान सभी समय पर निम्नलिखित रूप में नौ परिवहन करेंगे :—

- (क) कालेज गेट के छोर पर खिदिरपुर डाक नेता जी सुभाष डाक के बीच, परन्तु ऐसा कोई अन्तरदेशी जलयान जो किसी फ्लेट या फ्लेटों को खींच रहा हो, जब सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच किसी चढ़ती ज्वार पर आ रहा हो नेता जी सुभाष डाक के ऊपर तब तक अग्रसर नहीं होगा तब तक ज्वार उतर न जाए।
- (ख) नेताजी सुभाष डाक और राजा बागान फेरज स्टेशन के बीच या बजे तो दाएं तट के निकट या नदी के बाएं तट में निकट मूरिंग की बाह्य रेखा तट, परन्तु रटन ब्लौवर, लांच, टंग या फेरी स्टीमर से भिन्न प्रत्येक अन्तरदेशीय जलयान जो किसी अन्य क्राफ्ट को नहीं खींच रहा हो, जब समुद्रगामी जलयान मार्ग में यो और कालेज डेपर पर या तो चढ़ता ज्वार पर या उत्तरी ज्वार पर मुड़ने वाला हो, यदि वह समुद्रगामी जलयान से ऊपर में और यूनिशन साउथ जूट मिल से दूर के, यदि वह उनके नीचे है तब उस समय तक जब तक समुद्रगामी जलयानों ने घूमने का याया पूरा न कर लिया हो।
- (ग) संकाल गेड के छोर पर राजा बागान फेरी स्टेशन और अकरा ऐगाफोर के बीच,
- (घ) मुनोताली सेह के छोर पर अतरा सेमाफोर और पीर गेरॉंग मरुबरे के बीच,
- (ङ) कोफा गेड के छोर पर घोर गेरॉंग मरुबरे और बज बज के उत्तरी सिरे के बीच,
- (च) बज बज गेड के छोर पर नदी के दाएं किनारे के निकट बज बज के उत्तरी सिरे और प्रेमचंद जूट मिल के बीच, परन्तु फोर्ड ग्लोस्टर फ्लैट चौथा और लोघियान जूट मिल के बीच, गटन स्कीलर, लांच, टंग या फेरी, स्टीमर से भिन्न कोई अन्तरदेशीय जलयान जो किसी अन्य क्राफ्ट को नहीं खींच रहा हो, जल गरणी में उस समय नौपरिवहन नहीं करेगा जब समुद्रगामी जलयान या तो बढ़ते ज्वार या उतरते ज्वार पर मुड़ रहा हो या मुड़ने वाले हो,
- (छ) अलीपुर ड' के छोर पर, प्रेमचन्द जूट मिल और मोयापुर द्वार के ऊपरी सिरे के बीच,
- (ज) मोया पुर द्वार पर उछला मार्ग,
- (झ) मोया पुर गेड के छोर पर मोया पुर रीच में
- (ञ) मोयापुर द्वार पर, उछला मार्ग,

- (ट) वन बजेड गेड के छोर पर बुल रीच में,
- (ठ) फुल्टा गेड के छोर पर फिशरमेन और फुल्टा रीचों में,
- (ड) सिप गंगे गेड के छोर पर नानान रीच में,
- (ढ) नूरपुर रीच और जेम्स रोड मेरी, पश्चिमी तट के परिसर में परन्तु 15 अगस्त और 1 सितम्बर के बीच में उतरते ज्वार के दौरान पूर्वी तट में नौपरिवहन कर सकेंगे।
- (ण) दुगली बिंदु से अस्ताल बिंदु तट, दुगली गेड के ऊपर नदी का बोया तट,
- (त) अस्ताल बिंदु से सिल्वर टी बिंदु तट नदी का बोया तट।

56. अन्तरदेशी जलयानों के संचालन के लिए मार्ग दर्शन अर्थात :— रवींद्र गेड के नीचे “फ” बिंदु तक और उसे सम्मिलित करते हुए अन्तरदेशी जलयान, जो नाव्य जलगरणी के एक ओर से दूसरी ओर पार करने में या पार करने का आशय रखते हैं, किसी ऐसे समुद्रगामी जलयान के मार्ग में बाधा नहीं डालेंगे या दुर्घटना का जोखिम पैदा नहीं करेंगे जो उस समय पार पा का प्रयोग कर रहे हों, अपितु वह अपनी गति कम करेंगे, रुकेंगे या पीछे की ओर जाएंगे और यदि आवश्यक हुआ तो मुड़ जाएंगे।

57. गति निर्बंधन :—(1) बाहर जाने वाले जलयान बज बज और कोफी रीच में मधुचक्र मार्क के निकट जाने पर अपनी गति को पीनी में छ—नाट तक घटा लेंगे और यह गति जलयान के बज बज पर लोअर फिशिंग मार्क से गुजरने तक बढ़ाई नहीं जाएगी।

अन्तर जाने वाले जलयान बज बज रीच में ऊपर बज बजेड बोया के निकट आने पर पानी में अपनी गति छ नाट तक घटा लेंगे और अपनी गति तब तक नहीं बढ़ाएंगे जब तक वे फोर्ट ग्लास्टर कालम से गुजर न जाएं:

परन्तु तथापि, यदि छह नाट पर वह जलयान प्रसाल करता है जिसमें कि बज बज मूरिंग में अन्य जलयानों को अपने मूरिंग केबलों पर रुकवा पड़ता है तो गति को और कम किया जाएगा।

- (2) कोई भी जलयान बज बज तेल मूरिंग के बाहर किसी अन्य जलयान के आगे नहीं निकलेगा।
- (3) कोई जलयान हल्लिया ते जेट्टी से छह नाट से अधिक गति पर या ऐसी गति पर जिससे कि हल्लिया तेल जेट्टी के साथ जलयान को रकना पड़े नहीं गुजरेगा।

58. नदीपुर के दौरान मूरिंग खोलना :—रवींद्र सेतु के ऊपर अन्तरदेशी जलयान 15 जून से 31 अक्टूबर तक ज्वार उतराई के अंतिम चौथाई के दौरान मूरिंग से बाहर नहीं आएंगे।

59. तूफान संकेत : जग न्यासी कार्यालय, 15 स्टैंड रोड पर ध्वज दंड पर खिदिरपुर डाक के प्रवेश में क्लक टावर के ध्वज दंड पर और बज बज के हारबर पाइलट हाउस के ध्वज दंड पर या पत्तन के अन्य प्राधिकृत स्थानों पर तूफान संकेत दिया जाता है तब सभी अन्तरदेशी जलयानों के मास्टर अपने जलयानों के सुरक्षित और कमकर बांधने के लिए अपनी शक्ति के भीतर तुरन्त सभी पूर्वावधानियों अपनाएंगे।

60. अन्तरदेशी जलयान और ज्वार मिति : जब कोई ज्वार मिति धन रही हो तब कोई अन्तरदेशीय जलयान किसी प्रवाहम पट्टन के साथ-साथ नहीं रहेगा जब ज्वार मिति आने वाली हो तब प्रवाहम पट्टन के साथ के किसी अन्तरदेशीय जलयान को हटा लिया जाएगा और वह जब तक खलधारा में पड़ा रहेगा जब तक ज्वार मिति गुजर न जाए और तब तक, यदि ऐसा अपेक्षित हो, साथ-साथ पुनः अग्रसर हो सकता है।

61. जलयानों के लिए रजिस्ट्रीकरण कर्मीवल : प्रत्येक अन्तरदेशीय जलयान के बोर्ड पर पर्याप्त संख्या में रजिस्ट्री-संख्या में कर्मीवल ऐसे कर्तव्यों का पालन करने के लिए होगा जो आपात काल में उसकी सुरक्षा या संचालन के लिए आवश्यक हो जाएं।

62. आवेदन विहित प्रकाश : प्रत्येक अन्तरदेशीय जलयान अन्तरदेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए नियमों में विहित प्रकाश दर्शित करेगा।

63. सर्वेलाइट : अन्तरदेशीय जलयान नौ परिवहन प्रयोजनों के लिए सर्वेलाइटों का उपयोग करने के लिए अनुज्ञात है परन्तु कोई सर्वेलाइट किसी भी परिस्थिति में उस दिशा में नहीं होगी जिसे कि मार्ग में आते हुए किसी जलयान के नौ परिवहन में हस्तक्षेप हो।

64. अग्नि शमन उपकरण : प्रत्येक अन्तरदेशीय जलयान, अन्तरदेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए नियमों में विहित अग्नि शमन उपकरणों को साथ रखेगा।

अध्याय-4

फ्लैटों और नौकाओं के लिए नियम

65. व्यापक निष्पत्ति : नियम 9, 10, 11, 27, 31, 32 और 43 के उपबंध फ्लैटों और नौकाओं के संबंध में उसी प्रकार लागू होंगे जिस प्रकार वे समुद्रगामी जलयानों के संबंध में लागू होते हैं और नियम 48, 49, 50, 51, नियम 53 के उपनियम खंड (ग), (घ) और (ङ), नियम 54, 59, और 60 के उपबंध फ्लैटों और नौकाओं के संबंध में उसी प्रकार लागू होंगे जिस प्रकार वे अन्तरदेशीय जलयानों के संबंध में लागू होते हैं।

66. नौका रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन : कोई भी फ्लैट या नौका पत्तन के भीतर या पत्तन के मानतः भीतर नियमित रूप से या कभी कम भी चलाई नहीं जाएगी जब तक कि वह विहित फीस का संदाय करने पर रजिस्ट्रीकृत और अनुज्ञापित 1543 GI/95--2

नहीं की गई है नौका सर्वेक्षक रजिस्ट्रीकरण के समय उम फ्लैट या नौका पर अपना रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और टन भार अंकित करेगा परन्तु बजरा रजिस्ट्रीकरण नियम, 1952 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए अपेक्षित कोई फ्लैट या नौका न्यासी द्वारा तब तक रजिस्ट्रीकृत और अनुज्ञापित नहीं की जाएगी जब तक ऐसे फ्लैट या नौका को रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा रजिस्ट्रीकृत न किया गया हो और उसपर उक्त बजरा रजिस्ट्रीकरण नियम, 1952 के उपबंधों के अनुसार रजिस्ट्रीकरण संख्यांक अंकित न कर दिया या हो और ऐसे फ्लैट या नौका पर न्यासी नौका सर्वेक्षक द्वारा कोई संस्थांक अंकित नहीं की जाएगी।

67. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन : फ्लैट/नौका के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन लिखित रूप में न्यासी नौका सर्वेक्षक को अनुसूची के प्रत्येक "ख" में किया जाएगा जिसके साथ मपत्र पत्र और फोटो प्रमाणपत्र होगा और उसमें निम्नलिखित विनिष्टियां होंगी :—

- (क) स्वामी का नाम और पता, या फलरूपा में उसके सम्यक्तः प्राधिकृत अधिकर्ता का नाम और पता,
- (ख) फ्लैट या नौका का वर्णन और
- (ग) धारित या अपेक्षित अनुज्ञापन, स्थोरा या यात्री की प्रकृति।

68. रजिस्ट्रीकरण की रीति : रजिस्ट्रीकरण के लिए अपेक्षित प्रत्येक फ्लैट या नौका, यदि वर्ष फ्लैट है तो सुविधाजनक मूरिंग पर रखा जाएगा अर्थात् यदि वह नौका के तो आउटम घाट में विशेष अनुज्ञापन बोया को भेजा जाएगा जो अपने द्वारा रखे जाने वाले रजिस्टर में नियम 67 में वर्णित विनिष्टियों को, नियम 70 के अधीन किए गए सभी सुसंगत मापों के साथ प्रविष्टि करेगा।

रजिस्ट्रीकरण के लिए अपेक्षित प्रत्येक फ्लैट/नौका को अनुज्ञापन बोया पर या किसी सुविधाजनक स्थान स्टेज निरीक्षण के लिए रखा जाएगा जो कि न्यासी सर्वेक्षक द्वारा निमित्त फीस का संदाय करने पर किया जाएगा। परन्तु किसी फ्लैट/नौका का सर्वेक्षण विनित फीस का संदाय करने पर स्वामी को कर्मशाला में किया जा सकेगा।

69. रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण : फ्लैट/नौका का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक उस फ्लैट/नौका के संपूर्ण कार्यकारी जीवन के दौरान अपने संख्यांक के रूप में प्रवृत्त रहेगा, जब तक कि

- (क) वह फ्लैट/नौका तीन वर्ष की अवधि के लिए अनुज्ञापित न रहे,
- (ख) फ्लैट/नौका न्यासी नौका सर्वेक्षक द्वारा आने किसी "मवा" के अयोग्य न द्वारा दी जाए,
- (ग) फ्लैट/नौका पर अंकित संख्यांक मिट बही जाता है और अन्य राजा नहीं आ सकता, और
- (घ) फ्लैट/नौका के अपराग में परिवर्तन नहीं किया जाता है।

70. मापने की विधि:—ऐसे नियमों के प्रयोजनों के लिए प्रत्येक फ्लैट/नौका :

- (1) धन क्षमता के लिए एल × पी × डी × दो = क्षमता के फार्मूले में मापे जाएंगे जहां एल. स्टेप पोस्ट के अक्षर रा स्टर्न पोस्ट के अन्दर तक मापी गई मीटरों में लम्बाई "ए" पी. रोलिंग पट्टे के भीतर की ओर एक तरफ से दूसरी तरफ तक अथवा 'फ्रेम के अन्दर के हिस्से का माप करने पर मीटरों में सर्वाधिक चौड़ाई है ;

डी यह एक रेखा है जो समय ऊपर के चालू स्टोक के दोनों ओर एक तरफ से दूसरी तरफ होकर फर्श शीलिंग फलक के ऊपरी भाग तक या फर्श के ऊपरी मान तक जो भी रूप हुए है मीटर में मापी जाने वाली अधिकतम गहराई है ।

क फ्लैट/नौका के टाइम के आधार पर अधिरत अवलम्बित है तथा निम्नलिखित सारणी में लिया जाता है ।

वर्ग 1:—

- (क) फ्लश छह वाला वर्गाकार निमित्त तथा खुली हुई नौका फ्लैट के = 0.9
(ख) बाजार नौका वहां माप तथा पीछे से 32 से. मी. से ज्यादा न हो के = 0.8
(ग) बाजार नौकाएं वहां सामने तथा पीछे ब्रेक 23 से. मी. से अधिक हो के = 0.7

वर्ग-II खुली देशी नौकाएं जो निम्नलिखित रूप में ज्ञात हैं:—

- (क) जाली नौकाएं अथवा पीवारा क 0.9
(ख) होलाहिस क 0. = 83
(ग) मूरी तथा पीन्सवरा क = 0.8
(घ) डिग्घी योलीह तथा ग्रीन नौकाएं क = 0.64
(ङ) चेटोज क = 0.63

परन्तु स्ट्रा नौकाओं के लिए धन क्षमता इसी फार्मूले से मापी जाएगी जहां एल तथा फ को उपरोक्तानुसार लिया जाना और बी मीटरों में मापी जाने वाली वह चौड़ाई है जिसे शीलिंग फलक या फ्रेम के भीतर से जो भी माप कम हो फीता के मध्य डेक बीम के नीचे से मापा जाए ।

डी. मीटर में मापे जाने वाली वह गहराई है जिसे पोतों के मध्य डेक-बीम के नीचे से फर्श शीलिंग फलक के ऊपरी हिस्से तक या कीलसम के ऊपरी हिस्से तक, पी भी कम हो मापा जाए ;

- (ii) फ्री बोर्ड के लिए

(क) यदि वह लौह या स्पात का डेक वाला या खुला फ्लैट नौका है तो यथा स्थिति निम्नलिखित

सारणी के अनुसार जलयान को गहराई (डी) के मापी "एफ" या "एफ 2" शीर्ष स्तम्भ में अंको के लेकर सुधार (सी) का प्रयोग वही है जब लम्बाई (एल) गहराई उसके समान्य नहीं है ।

डी	एल	एफ	एफ	सी
(1)	(3)	(3)	(4)	(5)
मी	मी	सेमी	सेमी	से. मी.
1.68	16.76	22	30	1.105
1.83	18.29	24	32	1.905
1.98	19.81	27	36	1.905
2.13	21.34	29	39	1.905
2.29	22.86	32	43	1.905
2.44	24.36	35	46	1.905
2.59	25.91	37	49	2.223
2.74	27.43	40	53	2.223
2.90	28.96	42	56	2.223
3.05	30.42	45	59	2.223
3.20	32.00	47	63	2.223
3.35	33.53	50	66	2.223
3.51	35.05	53	71	2.540
3.66	36.52	57	76	2.540
3.81	38.10	80	80	2.540
3.96	39.62	64	84	2.540
4.11	41.15	68	90	2.540
4.27	42.67	70	93	2.540

ही—गहराई

एल—लम्बाई

एफ—ला लौह या इस्पात की डेकवाली फ्लैट या नौकाओं के लिए फ्री बोर्ड एफ-1 लौह या इस्पात की खुली फ्लैट या नौका आक के लिए फ्री बोर्ड सी-2 लम्बाई में प्रत्येक 3.05 मीटर के अन्तर के लिए

फ्री बोर्ड पर प्रयोज्य सुधार

(ख) यदि वह लकड़ी की बनाकर या देशी निर्मित नौका हो या मित प्रकार की नौका हो, होल्ड की गहराई के प्रत्येक 30 से.मी. के लिए 8 से.मी. लेते हुए जैसा कि ऊपर खंड (1) के अधीन मापा गया है ।

(iii) यात्रियों के लिए, उक्त स्थान के वर्ग मीटर में उस ऊपरी क्षेत्र की जो यात्रियों के लिए उपलब्ध है, 0.5574 से मान करने हुए तथा नदी बहान कर रहा हो तो 12 वर्ष से नीचे के दो बच्चों को या 74.64 कि. गा. भार के सामान को एफ या फ्री के समसुल्य माना जाएगा ।

परन्तु उन नौकाओं के लिए भी प्राइवेट या कम्पनियों की है तथा केवल अपने कर्मचारियों के वहन के लिए समापन में लाई जाती है मापक 0.5574 के स्थान पर 0.3710 होगा।

(iv) ऊपर खण्ड (i) तथा खण्ड (ii) के अधीन यात्रियों और स्थायी के लिए।

71. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन : फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति के लिए प्रत्येक आवेदन लिखित रूप में न्यासी नौका सर्वेक्षण को अनुसूची के प्ररूप "इ" में किया जाएगा और उसमें निम्नलिखित विनिर्दिष्टियाँ होंगी:—

- (क) स्वामी का नाम और पता; या
- (ख) कलकत्ता में उसके सम्यक्तः प्राधिकृत अधिकृत का नाम और पता;
- (ग) फ्लैट या नौका का वर्णन;
- (घ) न्यासी नौका सर्वेक्षक द्वारा फ्लैट/नौका पर अंकित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक अथवा बजरा रजिस्ट्रीकरण नियम, 1952 के उपबंधों के अनुसार चिह्नित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक, और
- (ङ) फ्लैट/नौका के भारसाधक मापी का नाम।

72. अनुज्ञापन रीति : प्रत्येक फ्लैट या नौका, जिसे अनुज्ञप्ति दी जाती है यदि वह फ्लैट है तो सुविधाजनक मूरिंग पर रखा जाएगा अथवा यदि वह नौका है तो आउटम घाट में विशेष अनुज्ञापन बोर्डा को न्यासी नौका संरक्षक द्वारा सर्वेक्षण के लिए भेजा जाएगा जो विहित फीस का संदाय होने पर:—

- (क) अनुज्ञप्ति जारी करेगा, यदि फ्लैट/नौका अच्छी स्थिति में पाया जाता है और उस प्रयोजन के लिए जिसके लिए वह आशयित में उपयुक्त पाई जाती है, या
- (ख) यदि फ्लैट/नौका अच्छी स्थिति में नहीं है तो उन मरम्मतों या परिवर्तनों को उपवर्णित करेगा जो अनुज्ञप्ति देने के पूर्व आवश्यक हैं:

परन्तु किसी फ्लैट/नौका का, विहित फीस का संदाय करने पर, स्वामी की कर्मशालाओं में सर्वेक्षण किया जा सकेगा।

बजरा रजिस्ट्रीकरण नियम, 1952 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए अपेक्षित फ्लैट/नौका से भिन्न इस प्रकार अनुज्ञप्ति प्रत्येक फ्लैट/नौका का शर्कों में अपना रजिस्ट्रीकरण संख्यांक होगा जो न्यासी नौका सर्वेक्षक द्वारा दोनों "बाइ" पर

कम से कम 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर रंग से लिखा गोलाई किया उत्कीर्ण किया जाएगा।

73. नौका की अनुज्ञप्ति : कोई भी फ्लैट/नौका पत्तन में चलाने के लिए तब तक अनुज्ञात नहीं होगी जब तक वह न्यासियों द्वारा अनुज्ञप्ति प्राप्त मांझी के भागाधन में न हो। मांझी अनुज्ञप्ति पुस्तिका जो अन्तरणीय नहीं है, में मांझी को दी गई सभी अनुज्ञप्तियाँ मांझी और ऐसी अनुज्ञप्तियाँ मामूली तौर पर उसी समय दी जाएगी जिस समय फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति दी गई हो। नए नियुक्त मांझी को, जिसके पास अपने नाम में इससे पूर्व की कोई मांझी अनुज्ञप्ति नहीं है, "बोन मा" कार्य करने के पश्चात् जिसके लिए अनुज्ञप्ति दी गई हो, परीक्षण के लिए नौका सर्वेक्षक के समक्ष उपस्थित होना होगा। किसी फ्लैट/नौका के भारसाधक के रूप में लगाया गया नया मांझी न्यासी नौका सर्वेक्षक को स्वयं अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करेगा। उस फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति प्राप्त करेगा। जिसमें उसका नाम उक्त सर्वेक्षक द्वारा प्रविष्ट किया जाएगा।

मांझी की अनुज्ञप्ति को संबंधित मांझी द्वारा अनुज्ञप्ति की किसी शर्त अथवा इन नियमों को भंग करने की दशा में प्रतिसंकृत किया जा सकेगा।

मांझी उसे दी गई अनुज्ञप्ति के अवसान पर परीक्षा के लिए न्यासी नौका सर्वेक्षक के समक्ष उपस्थित न होने पर तत्कालिक पश्चातवर्ती अनुज्ञापन के लिए प्रत्येक ऐसे अवसर पर दुबारा मांझी अनुज्ञप्ति फीस का प्रभार देने के दायित्वाधीन होगा।

74. मांझी अनुज्ञप्ति पुस्तिका : मांझी अनुज्ञप्ति पुस्तिका नौका रजिस्ट्रीकरण कार्यालय के विहित फीस का संदाय करने पर उपलब्ध है।

75. स्थोरा नौका कर्मी बल : (1) प्रत्येक फ्लैट का या स्थोरा नौका, जो पत्तन में चलती है, के साथ निम्नलिखित होगा:—

- (क) एक अनुमोदित लाइफ ब्वाय अथवा कोई अनुमोदित उपयुक्त प्रतिस्थानी जिसके साथ उपयुक्त लाइफ लाइन लगा हो जो कम से कम एक इंच परिधि का तथा 10 कदम लम्बा हो।
- (ख) रास्ते में, खींचते समय अथवा किविरपुर या नेताजी सुभाष डोंक के प्रवेश के बाहर प्रतीक्षा करते समय, उपनियम (2) के अधिकाधिक कर्मीदल,
- (ग) उपनियम (2) से अधिकाधिक कर्मीदल का 50 प्रतिशत, जो खड़े होने पर कम से कम दो हो। इस प्रयोजन के लिए आंशिक शर्कों को विशेष मामले में, निकटतम निम्न पूर्ण संख्यांक तक पूर्णकृत किया जाएगा। तथापि जब कोई फ्लैट या स्थोरा नौका विवेकानन्द पुल के आगे स्थलों पर रुकी हो तो कम से कम एक कर्मीदल औकीदार आवश्यक होगा।

(2) किसी फ्लैट या स्थोरा नौका का कर्मिंदल निम्न-लिखित रूप में होगा :—

फ्लैट या नौका का प्रवर्ग	संचालन मापमान
(i) 60 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन तक	1 मांझी
(ii) 60 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अधिक किन्तु 90 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अनधिक	1 मांझी 3 मांझी
(iii) 90 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अधिक किन्तु 15 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अनधिक	1 मांझी 4 बांडी
(iv) 115 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अधिक किन्तु 160 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अनधिक	1 मांझी 5 बांडी
(v) 160 रजिस्ट्रीकृत मीट्रिक टन से अधिक	1 मांझी 6 बांडी

76. यात्री नौका कमींदल : पत्तन में चलने वाली प्रत्येक यात्री नौका के साथ निम्नलिखित होगा :—

(क) कम से कम दो अनुमोदित लाइफ बूय या उपयुक्त अनुमोदित प्रतिस्थानी जिसके साथ कम से कम एक हुंच परिधि का तथा 10 कदम लम्बाई का उपयुक्त लाइफलाइन लगा हो और यदि वह 40 यात्रियों से अधिक यात्रियों को ले जाने के लिए अनुज्ञप्ति है तो प्रत्येक 20 अतिरिक्त यात्री अथवा उनके भाग के लिए एक अतिरिक्त अनुमोदित लाइफ बूय या उपयुक्त अनुमोदित प्रतिस्थानी जिसके साथ उपयुक्त लाइफ लाइन लगा हो,

(ख) जब रास्ते में हो या भाड़े पर चल रही हो तब यदि

10 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो	2 बांडी 1 मांझी
15 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो	3 बांडी 1 मांझी
20 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो	4 बांडी 1 मांझी
25 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो	25 बांडी 1 मांझी
30 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो	6 बांडी 1 मांझी
35 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो	7 बांडी 1 मांझी

(ग) जब वह रात के लिए रुका हो अथवा लंगर पर ठहरा हो तब यदि वह—

15 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो कर्मिंदल	1 पुरुष
---	---------

20 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो कर्मिंदल

30 यात्रियों से अनधिक के लिए अनुज्ञापित हैं तो कर्मिंदल

30 से अधिक यात्रियों के लिए कर्मिंदल 4 पुरुष

77. भार रेखा : 28 घन मीटर के रजिस्ट्रीकृत माप से अधिक के प्रत्येक फ्लैट/नौका में उसकी भार रेखा होगी जो किसी समय पानी में डूबी नहीं रहेगी, यह पेंटा सहजदृश्य कटे हुए चिह्न से उपदर्शित होगी और गहरे रंग पर सफेदी से पेंट की जाएगी। यह चिह्न न्यासी नौका सर्वेक्षक द्वारा रजिस्ट्रीकरण के समय बताया जाएगा।

78. यात्री प्लेट का प्रदर्शन :—यात्रियों को ले जाने के लिए अनुज्ञापित प्रत्येक नौका एक यात्री प्लेट प्रदर्शित करेगी जिस पर अंग्रेजी और बंगला में नौका का रजिस्ट्रीकरण सर्वाधिक अनुज्ञप्ति संख्यांक, उन यात्रियों की संख्या जिन्हें ले जाने के लिए वह प्राधिकृत है उसके कर्मिंदल की संख्या और उसकी अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख, दर्शित होगी।

79. अनुज्ञप्ति का निरीक्षण :—पत्तन में चल रहे प्लेट या नौका का भारसाधक प्रत्येक मांझी स्वयं अपनी अनुज्ञप्ति तथा अपने फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति साथ रखेगा जिसे प्रत्येक को उस समय प्रस्तुत किया जाएगा जब पत्तन पुलिस द्वारा या न्यासियों द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत अधिकारी/कर्मचारिवृन्द द्वारा उसकी अपेक्षा की जाए।

यात्री नौका की अनुज्ञप्ति भी किसी यात्री की प्रार्थना पर निरीक्षण के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

80. अनुज्ञप्ति का अभिग्रहण :—स्वामी या अधिकर्ता अथवा मांझी द्वारा इन नियमों का या अनुज्ञप्ति को किन्हीं शर्तों का भंग किए जाने की दशा में फ्लैट/नौका पत्तन पुलिस द्वारा या न्यासियों द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी/कर्मचारिवृन्द द्वारा अभिगृहीत की जा सकेगी और विवाद के तय होने तक पुलिस अभिरक्षा में रखी जा सकेगी।

ऐसी नौकाएं/फ्लैट, जो अनुज्ञप्ति के बिना या समाप्त अनुज्ञापित पर या अनुज्ञापित मांझी के बिना ऐसे मांझी द्वारा जिसके पास समाप्त मांझी अनुज्ञप्ति है लड़ाई जा रही है, नवी मातामात पुलिस द्वारा अभिगृहीत की जा सकेगी और अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण द्वारा यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण के लिए और अनुज्ञापन के लिए अनुज्ञापन बोया में रखी जा सकेगी। ऐसी अभिगृहीत नौकाओं/फ्लैटों की अनुज्ञापितयां विहित प्रभारों की बसूली के लिए अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण को निविष्ट की जाएगी।

81. अनुज्ञप्ति की अस्तित्वावधि :—इन नियमों के अधीन दी गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति प्रायः उस तारीख से, जिसको वह दी जाती है, जब तक कि उसका प्रतिसंकरण न किया जाए, एक वर्ष प्रवृत्त बनी रहेगी। यह अनुज्ञप्ति किसी नौका/फ्लैट को एक वर्ष से कम की निर्दिष्ट अवधि के लिए भी, यदि वह

आवश्यक भगसी आए तो दी जा सकेगी। खोई हुई या आस्थायित अनुज्ञप्ति के लिए, अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति जारी की जा सकती है।

प्रत्येक समाप्ति या प्रतिसंहृत न्यासी नौका सर्वेक्षक को अभिलिखित अभ्यगित की जाएगी।

82. अनुज्ञप्ति की अवधि का विस्तार:—अनुज्ञप्ति की अवधि का विस्तार कलकत्ता पत्तन न्यास भाषमान दरों में विहित दर पर तीन मास से अनधिक अवधि के लिए किया जा सकेगा।

परन्तु ऐसा कोई विस्तार तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक उस फ्लैट/नौका का सर्वेक्षण न कर लिया गया हो और वह अच्छी स्थिति में तथा उस प्रयोजन के लिए, जिसके लिए वह आशयित है, उपयुक्त न पाई जाए।

इस नियम में किसी बात के होते हुए भी, तीन मास से अनधिक अवधि के लिए अनुज्ञप्ति का विस्तार सर्वेक्षण के बिना उस दशा में किया जा सकेगा जब कोई नौका के कर्ता पत्तन और उसकी नाव्य नदी तथा जल सरणी के बाहर रुकी पड़ी हो।

83. कतिपय परिस्थितियों में अनुज्ञप्ति का नवीकरण या विस्तार:—(1) पत्तन के भीतर चल रही नौकाओं और फ्लैटों के स्वामी ऐसे जल यानों के लिए दी गई अनुज्ञप्तियां हैं नवीकरण या विस्तारण के लिए, ऐसी अनुज्ञप्तियों की अवधि की समाप्ति पर तुरंत उत्तरदायी होंगे जब तक कि वे जलयान मरम्मत के लिए पूरी तरह बैठा न दिया गया हो और उस समय पत्तन में चल न रहा हो। जब अनुज्ञप्ति के नवीकरण या विस्तारण के समय नौकाएं या फ्लैट वस्तुतः खलाए नहीं जा रहें हों तब उसके स्वामी उसके एक सप्ताह के भीतर विहित प्रारूप में न्यायी अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण को सूचित करेंगे।

(2) इस उपबन्ध का अनुपालन न करने पर, न्यायियों के अन्य अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना स्वामी अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख में (समाप्त अवधि के लिए) दुगुनी दर पर या ऐसी बड़ी हुई दरों पर, जो कि न्यायियों द्वारा समय-समय पर अधिकथित की जाएं अनुज्ञप्ति फीस प्रभारित किए जाने के शायित्वाधीन होंगे।

84. अनुज्ञप्ति की निरन्तरता:—(1) अनुज्ञप्ति की निरन्तरता कायम रखी जाएगी यदि नौका/फ्लैट की समाप्त अनुज्ञप्ति के नवीकरण/विस्तारण के लिए आवेदन कर दिया जाए और ऐसी नौका/फ्लैट को अनुज्ञप्ति की समाप्ति के सात दिन के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाए।

(2) अनुज्ञप्तियों का निरन्तरता में व्यवधान की मंजूरी ऐसी नौकाओं के बारे में अनुज्ञात की जाएगी जो केवल मरम्मत के लिए रुकी हों। स्वामियों को ऐसी मरम्मत का स्थान, कार्य की प्रकृति और समायावधि कथित करनी चाहिए और नौका/फ्लैट के रोकने के लिए आवेदन करना चाहिए। अनुज्ञप्ति की निरन्तरता न रहना केवल तभी अनुज्ञात किया

जाएगा यदि रोकने का अवधि छह सप्ताह से अधिक है और न्यायी अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण को नौका के स्वामी द्वारा अनुज्ञप्ति की समाप्ति के पूर्व लिखित रूप में पूर्व सूचना दे दी गई हो।

(3) यदि किसी नौका/फ्लैट को अनुज्ञप्ति की विधि मान्यता की समाप्ति उस समय होती है जब वह नौका/फ्लैट डाक के भीतर है और उस पर स्थिरा लदा हुआ है तथा वह निकलने का इंतजार कर रही है तब स्वामी को ऐसी अनुज्ञप्ति की समाप्ति के कम से कम एक सप्ताह अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण को सूचित करना चाहिए और ऊपर कथित कारणों के आधार पर सर्वेक्षण के पश्चात् विस्तारण प्रमाण पत्र या अस्थायी अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करनी चाहिए और अस्थायी विहित फीस जमा करनी चाहिए। अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण का समाधान हो जाने पर उसकी अनुज्ञप्तियों पर मुद्रा लगाएगा और यह कथन करेगा कि ऐसी नौकाओं/फ्लैटों पर पुनः माल न लाया जाए और उन्हें स्थिरा के उतारने का कार्य पूरा होने पर डाक के बाहर सर्वेक्षण के लिए रखा जाए। उपरोक्त उपबन्धों का अनुपालन न करने की दशा में सामान्य वाणिज्यिक प्रभार उद्गृहीत किए जाएंगे।

85. अनुज्ञप्ति की नामजूरी:—न्यायियों को उपकरणों से, जो लेखबद्ध किए जाएं और अनुत्तरित के लिए आवेदन को संसूचित किए जाएं, अनुज्ञप्ति जारी करने या उसका विस्तारण करने के किसी आवेदन को नामजूर करने का अधिकार है।

86. पुनः मापना:—किसी ऐसे फ्लैट या नौका का स्वामी या अधिकर्ता, जिसका अनुज्ञप्ति के चालू रहने के दौरान आकार में परिवर्तन किया गया है, उसे तुरंत पुनः मापन के लिए न्यायी नौका सर्वेक्षक को भेजेगा।

87. पुनः सर्वेक्षण:—न्यायी किसी अनुज्ञप्ति फ्लैट या नौका के किसी फीस के संदाय के बिना पुनः सर्वेक्षण के लिए किसी भी समय निदेश दे सकेंगे।

88. स्वामित्व का अंतरण:—फ्लैट/नौकाओं के स्वामित्व का अंतरण विहित प्रारूप को सम्मिलित भरकर तथा स्टैम्प लगाकर धन रसीद प्रस्तुत करके और फ्लैट/नौका के कब्जे का परिदान करके किया जा सकेगा। अन्तरक को अभिलेख के लिए अन्तरिती से जो कि उस फ्लैट/नौका का विधिपूर्ण स्वामी है, न्यायी बांड को सम्बोधित एक पत्र ले लेना चाहिए कि उस फ्लैट/नौका का अन्तरण किया गया है जिसमें अन्तरण का ढंग उपवर्णित हो तथा यह कथन हो कि अन्तरक का उसमें अब कोई अन्य हित नहीं है।

नेता के खर्च पर एक गणमान्य समाचारपत्र में एक विज्ञापन फ्लैट/नौका का विक्रय अधिसूचित करते हुए तथा फ्लैट/नौका के व्योरे घेते हुए जैसे कि शोध, रजिस्ट्रीकृत टन भार, विक्रय की तारीख, नेता और विक्रेता का नाम आदि, जारी किया जाएगा। ऐसा विज्ञापन अधीक्षक, नौका रजिस्ट्रीकरण कलकत्ता पत्तन न्यास द्वारा जारी किया जाएगा जिसमें माधारण जनता का पन्द्रह दिन की समयसीमा दी जाएगी कि वे लिखित रूप में अपने आक्षेप दस्तावेजों मध्य के साथ

यदि कोई हो, संबंधित प्राधिकारियों को अधिवृत्त करें प्रो। यदि अनुबद्ध समय सीमा के भीतर कोई आक्षेप प्राप्त न हो तो उस संव्यवहार को अन्तिम माना जाएगा और वह फ्लैट/नौका क्षेत्र के नाम में अन्तरित हो जाएगी।

89. नौका की हानि:—यदि कोई फ्लैट/नौका टूट जाती है या खो जाती है तो स्वामी या अधिकर्ता रजिस्ट्री प्रमाण पत्र और अनुज्ञप्ति को रद्द किए जाने के लिए सर्वेक्षक को अविलंब लौटाएगा।

90. स्थोरा सहित अनुज्ञप्ति नौका:—(1) ऐसा प्रत्येक फ्लैट या नौका, जो अनुज्ञप्ति के बिना या ऐसी अनुज्ञप्ति के साथ जो समाप्त हो गई है पतन में आती है और स्थोरा उतारना चाहती है, निकटतम अन्तरबीपीय घाट मद्रास कार्यालय में माल उतारने के अनुज्ञा पत्र के लिए तुरंत आवेदन करेगी और खंजांची के पास, एक वर्ष में फ्लैट/नौका के लिए देय अधिकतम अनुज्ञप्ति फीस की दर से दुगुना प्रभार जमा करेगी।

(2) इस नियम के अधीन स्थोरा उतारने वाला कोई फ्लैट/नौका पतन में प्रवेश की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर अथवा यदि वह स्ट्रा नौका है तो तीस दिन के भीतर आउट्रिफ घाट के अनुज्ञापन बोया पर सर्वेक्षण और अनुज्ञप्ति के लिए अग्रसर होगी। अनुज्ञप्ति के लिए विहित फीस के संदाय के पश्चात् बचे निक्षेप का कोई अतिशेष संबंधित पक्ष को लौटा दिया जाएगा।

(3) इस नियम के अधीन निम्नलिखित कोई एकम उस दशा में प्रतिदेय नहीं है यदि मरम्मत के लिए भेजी गई या निर्बंधित प्रवधि के लिए अनुज्ञप्ति नौका/फ्लैट का समय के भीतर सर्वेक्षण नहीं किया जाता या पतन नियमों के अधीन औपचारिकताओं का पालन नहीं किया जाता।

91. यात्रियों का वहन:—ऐसी अनुज्ञप्ति यात्री नौका का भारसाधक कोई व्यक्ति जो पतन में भाड़े पर चलती है किसी और कारण के बिना ऐसे नौका में किसी ऐसी यात्री को ले जाने से इंकार नहीं करेगी जो उचित भाड़ा दे रहा हो।

92. नौकाओं को नियंत्रणाधीन रखना:—पतन के भीतर मार्ग में सभी नौकाएं स्वयं पर्याप्त नियंत्रण रखेंगी अथवा पर्याप्त शक्ति के जलयान द्वारा खींची जाएगी जिससे कि वे समुद्र गामी जलयानों के लिए अपेक्षित नाव्य जलसरणी को खुली रख सकें।

93. समुद्रगामी जलयानों के लिए रिक्त क्षेत्र:—समुद्रगामी जलयानों के अध्ययन के लिए लोअर कालेज सेड बोया और अपर पांच पाड़ा फ्लैट बोया के बीच तथा फोर्ड ब्लास्टर फ्लैट बोया और कलकत्ता पतन के दक्षिणी सीमा स्तंभों के बीच की नाव्य जलसरणी सभी समय पर खुली रखी जाएगी।

नौकाएं मार्टेनरीच के दाएं तट पर किनारे की ओर ठहर सकती हैं किन्तु वे नहर में कोई भी लैंगर या मूरिंग नहीं बांधेंगी।

94. नौ परिवहन नियम:—(क) 1. पतन के भीतर फ्लैट या नौकाएं सभी समय पर निम्नलिखित रूप में नौ परिवर्तन करेंगे:—

- (क) बिद्वरपुर डाक तथा नेताजी सुभाष डाक के बीच नदी के दाएं तट और कालेज सेड का किनारा चिह्नित करती हुई बोयाओं की रेखा के बीच;
- (ख) नेताजी सुभाष डाक तथा राजा बागान फेरी स्टेशन के बीच, नदी के दाएं तट के निकट सं अथवा बाएं तट पर मूरिंग बोया के बाहरी रेखा से।
- (ग) राजाबागान फेरी स्टेशन और सांकराल सेड के किनारे पर आकरा सेमाफोर के बीच,
- (घ) आकरा सेमाफोर और मुनीखाली गेड के किनारे पर पीर सेरांग मकबरा के बीच;
- (ङ) पीर सेरांग मकबरा और कोफरी सेड के किनारे पर बज-बज के उत्तरी किनारे के बीच,
- (च) बज-बज के उत्तरी किनारे और नदी के दाएं तट पर पतन की दक्षिणी सीमा के बीच।

(2) रवीन्द्र सेतू से लफ बिंदु तक और उसको सम्मिलित करते हुए, के निकट नौ परिवहन करता हुआ प्रत्येक फ्लैट या नौका सावधानी अग्रसर होगा और यदि आवश्यक हुआ तो नाव्य जल सरणी के बाहर लंगर धालेगा जिससे कि समुद्रगामी जलयान अबाध रूप से निकल सकें।

94. संचालन पर निबंधन:—(ख) कोई नौका मूरिंग में प्रवेश करने वाले या जेरी बर्थ की ओर जाने वाले किसी समुद्रगामी जलयान के साथ उस समय अग्रसर नहीं होगी जब दिन के समय अन्तराष्ट्रीय कोड फ्लैग 'ए' जलयान के लिए टिक स्टे पर फहरा रहा हो अथवा रात के समय दो बर्तियाँ लम्बाकार प्रकाशित की जाएं अर्थात् क्षितिज में चारों ओर छह फुट की दूरी पर एक सफेद बत्ती के ऊपर एक लाल बत्ती दृश्य हो।

95. मूरिंग में समुद्रगामी जलयानों के साथ स्थोरा नौकाएं:—निम्नलिखित मूरिंग के बाह्य बर्थ पर जलयानों के बाहर पंक्तिबद्ध रूप से खड़ी स्थोरा नौकाओं का अधिकतम अनुज्ञात संस्था इस प्रकार होंगी:—

सं० 1 कलकत्ता मूरिंगों में	1 फ्लैट या 2 नौकाएं
सं० 4 एस्पलानेड मूरिंगों में	1 फ्लैट या 4 नौकाएं
सं० 3 एस्पलानेड मूरिंगों में	1 फ्लैट या 4 नौकाएं
सं० 2 एस्पलानेड मूरिंगों में	1 फ्लैट या 5 नौकाएं
सं० 1 एस्पलानेड मूरिंगों में	1 फ्लैट या 5 नौकाएं
सं० 1 प्रिसेस मूरिंगों में	1 फ्लैट या 4 नौकाएं
सं० 3 हेस्टिंग्स मूरिंगों में	1 फ्लैट या 5 नौकाएं
सं० 2 हेस्टिंग्स मूरिंगों में	1 फ्लैट या 5 नौकाएं

96. अन्तर्देशीय जलयान :—कोई फ्लैट/नौका किसी ऐसे जलयान से, जो समुद्रगामी जलयान नहीं है, माल प्राप्त करने, उसमें से माल उतारने या उसमें माल लादने के लिए किसी अन्तर्देशीय जलयान तट पर या उसके साथ-साथ उस वशा के सिवाए खड़ा नहीं किया जाएगा जब ऐसा फ्लैट/नौका माल को उतार या लाद रही हो।

97. मछली पकड़ने की नौकाएं :—मछली पकड़ने की नौकाओं की रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन से छूट प्राप्त है। तथापि ये नौकाएं अन्य सभी नियमों का पालन करेंगी जो नौकाओं को लागू होते हैं; परन्तु दिन निकलने और अंधेरा होने के बीच कोई भी मछली पकड़ने की नौका कुलुबेरिया रीच के दक्षिणी किनारे और फुल्टा प्वाइंट के बीच नाव्य जलसरणी में लंगर नहीं डालेगी।

98. लकड़ी की ढिगी :—यात्रियों और सामग्रियों को जलयान तथा डॉक के तट के बीच पार उतारने के लिए किसी लकड़ी की ढिगी को डॉक मास्टर से विहित फीस का संदाय करने पर चलान अनुज्ञापत्र प्राप्त करना चाहिए। ऐसे चालन अनुज्ञापत्र पर विधिमाम्यता अधीक्षक नौका रजिस्ट्रीकरण द्वारा जारी यात्री अनुज्ञप्ति/प्रमाणपत्र के अनुरूप होनी चाहिए।

99. प्रकाश का प्रदर्शन :—प्रत्येक नौका चाहे वह लंगर में हो या मार्ग में हो, अंधेरा होने और दिन निकलने के बीच डॉक के ऊपर कम से कम 1.83 मीटर की ऊंचाई पर मौसम सह्य लालटेन में सफेद प्रकाश प्रदर्शित करेगी। लालटेन इस प्रकार सन्निहित होगी जिससे पर्याप्त क्षमता में एकरूप और निरंतर प्रकाश कम से कम 1.61 किलोमीटर की दूरी पर संपूर्ण क्षितिज में दृष्टिगोचर हो।

100. डम्ब बजरा :—पत्तन में समुद्रगामी जलयान द्वारा खींचे जाने वाला प्रत्येक डम्ब बजरा लाइटर फ्लैट :—

(क) यदि बगल में खींचा जा रहा हो तो रात्रि में जलयान के बाह्य छोर पर उचित रूप से निमित्त लालटेन में और डॉक पर किसी प्रकार की बाधा के कम से कम 91 सेंटीमीटर ऊपर की ऊंचाई पर एक सफेद प्रकाश प्रदर्शित करेगा जो स्पष्ट एकरूप और निरंतर होगा तथा वह कम से कम 3.23 किलोमीटर की दूरी पर संपूर्ण क्षितिज में दृष्टिगोचर होगा।

(ख) यदि पिछले भाग में खींचा जा रहा हो तो समरूप सफेद प्रकाश डॉक के ऊपर कम से कम 1.83 मीटर की ऊंचाई पर पीछे की ओर प्रदर्शित करेगा।

101. अग्नि स्थान :—किसी फ्लैट/नौका में अग्नि सही प्रकार से निमित्त ऐसी मोटे की अंगोठी या अग्नि स्थान के सिवाए जो डॉक पर या फ्लैट/नौका के ऐसे अन्य भाग पर रखी जाएगी जिसे न्यायी नौका सर्वोत्तम निर्दिष्ट करे सही मगाई जाएगी।

102. खोई संपत्ति :—जब किसी यात्री की कोई सम्पत्ति नौका में छूट जाती है तो वह तुरन्त नौका के भारसाधक व्यक्ति द्वारा निकटतम पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को भेजी जाएगी।

103. दुर्घटना की रिपोर्ट :—जब कभी किसी फ्लैट/नौका की कोई दुर्घटना होती है तब ऐसी फ्लैट/नौका का स्वामी, अधिकर्ता या भारसाधक व्यक्ति तुरन्त निकटतम पत्तन पुलिस थाने में जाएगा और भारसाधक अधिकारी को दुर्घटना से संबंधित परिस्थितियों के बारे में रिपोर्ट करेगा।

104. दुर्घटना के पश्चात् प्रमाणपत्र का जारी किया जाना :—(1) फ्लैट या नौका का स्वामी अधिकर्ता या भारसाधक व्यक्ति नियम 103 के उपबंधों का अनुपालन करने के पश्चात् न्यायी अधीक्षक की दुर्घटना की प्रकृति और उन मरम्मतों के, जिनका किया जाना आशित व्यौरों को कथित करते हुए फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति सहित नौका रजिस्ट्रीकरण के संबंध में लिखित रूप में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(2) रिपोर्ट के प्राप्त होने पर अधीक्षक फ्लैट/नौका की जांच कराएगा और की जाने वाली मरम्मतों को लिखित रूप में विनिर्दिष्ट करेगा।

(3) उप नियम (2) के अधीन इस प्रकार विनिर्दिष्ट मरम्मतों को सम्यक् रूप में किए जाने के पश्चात् फ्लैट/नौका को अधीक्षक के समक्ष पुनः पेश किया जाएगा।

(4) मरम्मतों के बारे में समाधान हो जाने पर अधीक्षक उपनियम (1) में निर्दिष्ट फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति संलग्न करने हुए उस आशय का लिखित रूप में प्रमाणपत्र जारी करेगा जिसके आधार पर की फ्लैट/नौका को नदी में चलाने के लिए अनुज्ञापत्र दिया जा सकेगा।

105. किसी नौका का स्वामी या भारसाधक व्यक्ति इन नियमों के अधीन उसके अन्य उत्तरदायित्वों को प्रमाणित किए बिना विशिष्टतया निम्नलिखित के लिए उत्तरदायी होगा :—

(क) नौका में तमिदा की संख्या और इन नियमों द्वारा अपेक्षित प्राणरक्षक साधनों की व्यवस्था की गई है ;

(ख) नौका को पूर्णतः साफ रखा जाता है ;

(ग) रजिस्ट्रीकृत संख्यांक इन नियमों द्वारा निहित रीति में दोनों ओर स्पष्ट रूप से लिखा गया है ;

(घ) विधिमाम्य अनुज्ञप्तियों, नौका और माफी दोनों के लिए ले जाई जाती है ;

(ङ) अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट गियर, नौकोपरण और प्राणरक्षक साधनों की व्यवस्था की गई है और उन्हें अच्छी चालू हाथम में बनाए रखा जाता है ;

- (च) भार रेखा को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाता है और यह किसी भी समय जलमग्न नहीं होती है;
- (छ) यदि यात्री ले जाने वाली नौका है तो उसमें उस संख्या से अधिक व्यक्ति ही हैं जिसके लिए अनुज्ञप्ति दी गई है;
- (ज) नौका सब समय चलती रहती है जिससे कि समुद्रगामी जलयानों के लिए नाट्य जलसारणी को अबाध रखा जा सके;
- (झ) नौका या पटेला को किन्हीं भी परिस्थितियों में नदी या डोंकों में पोत के संचलन में बिघ्न या पोत के कार्य में बाधा नहीं डालना चाहिए;
- (ञ) नौका या पटेला को डोंकों या नदी में कर्मचाल सहित नहीं रखा जाना चाहिए।
- (ट) नौका या पटेला को किसी प्रकार से चोरी, तस्करी, भूषण, आदि जैसे क्रियाकलापों में अंतर-लित नहीं होना चाहिए; ।

106. अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण :—किसी फ्लैट/नौका को अनुवृत्त अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहरित किया जा सकेगा :—

- (क) यदि फ्लैट/नौका की बाबत या उससे किसी भी प्रकार से संबंधित किसी लेखे में न्यासियों को संदिय शोध्य या प्रभार, जो कुछ हो, उसकी मांग की तारीख से तीन सप्ताह की अवधि तक असंवत्त रह जाते हैं;
- (ख) जब कभी न्यासियों की राय में फ्लैट/नौका उस प्रयोजन के लिए, जिसके लिए उसे अनुज्ञप्ति दी गई है, अयोग्य है;
- (ग) जब कभी अनुज्ञप्ति की वाहन नियमों की शर्तों का कोई मग स्वामी या उसके अधिकर्ता या पटेला/नौका के मारसाधक मांझी द्वारा किया गया है;

परन्तु यह और कि खंड (क), खंड (ख) और खंड (ग) के अधीन किसी अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण से उद्भूत किसी विवाद की दशा में, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष अंतिम प्राधिकारी होगा।

अध्याय-5

सूखे डोंकों के विनियमन के लिए नियम

107. सूखे डोंक में ले जाने के लिए आवेदन :—किसी सूखे डोंक में कोई जलयान रखने के लिए आवेदन किसी भी समय मुख्य यांत्रिक इंजीनियर को किया जा सकेगा। किन्तु विनियमन की कोई निश्चित तारीख जलयान को तब तक आर्बिट्ररी नहीं की जाएगी जब तक कि आवेदन इससे उपबद्ध अनुसूची के विहित प्रारूप "ख" में जो मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकेगा, किया गया है।

108. सूखे डोंकों का विनियमन :—विहित प्रारूप में किबदपुर या नेताजी सुभाष सूखे डोंकों के लिए उसमें अधिमान उल्लिखित करते हुए किसी आवेदन प्राप्त होने पर जलयान को प्रवेश सूखी में रखा जाएगा और उसके विनियमन की विशिष्टियां देते हुए सूचना इससे उपबद्ध अनुसूची के विहित प्रारूप "छ" में आवेदक को भेजी जाएगी।

कोई भी जलयान पूर्व विनियमन के बिना किसी सूखे डोंक में प्रवेश करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा और कोई भी आवेदन तब तक स्वीकार किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि विहित प्रारूप "छ" में विनियमन की सूचना नहीं भेजी गई है।

109. डोंक में ले जाने का आदेश :—नियम 110 के अधीन उपबंधित सूखे डोंकों से भिन्न सूखे डोंक में स्वीकृत जलयानों को उसी क्रम में डोंक में लाया जाएगा जिसमें वे प्रवेश सूची में हैं, परन्तु :—

- (क) यदि वह जलयान, जो अपनी बुक की गई तारीख को या उस तारीख को जिसको सूखा डोंक खाली है, तैयार नहीं है, दोनों में से जो भी पश्चात्तर्वर्ती हो, तो वह सूची में का एक स्थान छो देगा।
- (ख) किसी ऐसे जलयान को, जिसकी विमा या बनावट में विहित प्रारूप "च" में दी गई वर्णनात्मक विशिष्टियों से उस विस्तार तक अंतर पाया जाता है जो अधीक्षक, सूखे डोंक, की राय में जलयान के सुरक्षित डोंक में लाने में बाधा उत्पन्न करे, डोंक में प्रवेश करने से इंकार कर दिया जाएगा।
- (ग) सूखे डोंक बुकिंग की प्रारूप "च" के अनुसार डोंक में लाने की नियत तारीख से 48 घंटे पूर्व लिखित रूप में पुष्टि कर देनी चाहिये।
- (घ) यदि बुकिंग का रद्दकरण नहीं किया गया है तो नियत दर के अनुसार रद्दकरण प्रभार इस तथ्य को विचार में लाए बिना उद्गृहीत किया जावेगा कि संबंधित सूखा डोंक खाली है या नहीं।

110. सूखे डोंक में लाने में अभियान :—किसी सूखे डोंक में प्रवेश को विनियमित करने में निम्नलिखित को अधिमान किया जावेगा :

- (क) सभी छोटे-छोटे जलयानों की बजाए कोई ऐसा जलयान जिसका सकल टनमार 3 000 टन से कम नहीं है ;
- (ख) किसी लम्बी अवधि के लिए विनियमित सभी समरूप जलयानों और सभी छोटे-छोटे जलयानों की बजाए कोई ऐसा जलयान जिसका सकल टनमार 3 000 टन से कम नहीं है जिसके लिये 24 घंटे से अधिक अवधि के लिए डोंक की अपेक्षा है

(ग) किसी लंबी अवधि के लिए विनियमित सभी समरूप जलयानों और छोटे-छोटे जलयानों के बजाए कोई ऐसा जलयान जिसका सकल टनभार 3 000 टन से कम नहीं है जिसके लिये 72 घंटे से अनधिक अवधि के लिए डाक की अवेक्षा है।

111. अनिश्चित जलयान को अधिमान—अध्यक्ष अपने विवेकानुसार किसी जलयान को किसी सूखे डाक में प्रवेश करने के लिए प्रवेश सूची में के सभी अन्य जलयानों के ऊपर अध्यागोही अधिमान देते हुए अनुज्ञात कर सकेगा यदि उसके द्वारा किसी सूखे डाक में ऐसे तुरंत प्रवेश करना आवश्यक समझा जाता है।

सूखे डाक में लाने से पूर्व व्यवस्था—किसी जलयान का मास्टर किसी सूखे डाक में उसके प्रवेश के समय से पूर्व निम्नलिखित व्यवस्था करेगा—

(क) जलयान सीधा हो और उसका झालर या पिछल लम्बों के बीच उसकी लम्बाई के प्रत्येक 100 फीट के लिए एक फुट से अधिक न हो परन्तु मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अपने विवेक पर किसी ऐसे जलयान को जो इस सीमा के भीतर परिक्रान्त नहीं किया जा सकता ऐसी शर्तों के अधीन रहने हुए जो वह ठीक समझे सूखे डाक में लाने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(ख) स्थिरक टंकिया पूर्ण रूप से दबाई गई हों या पूर्ण रूप से पंप द्वारा सुखा दी गई हों और दरवाजे लगे हुए हों तथा उचित रूप से बंद हों।

(ग) प्रत्येक ओर अग्र और पश्च उपयुक्त लोहे की मोटे तार और उच्चोत्त लोहों तैयार हों तथा परतल जीप लटकने अधीक्षक सूखा डाक के निर्देशों के अनुसार चालित हो।

(घ) सभी निच्छल पूर्णतः सूखे हों।

(ङ) जब जलयान सूखे डाक में जलधर हो और जलयान के दवाकों पर आगे और पीछे होने के तुरंत पञ्चात स्थिरक टंकी के गंभीरता माप का पाठ्यांक लिया गया हो।

(च) ऊपर खंड ४ के अधीन लिये गए पाठ्यक्रमों की प्रतियां तुरंत अधीक्षक सूखे डाक को परिदत्त की जाती हैं।

113. फलक पर स्थिर सहित डाक में लाया जाना—किसी जलयान को फलक पर स्थिर या अनिश्चित बंकरों सहित सूखे डाक में लाने का उच्छुक स्वामी या मास्टर मुख्य यांत्रिक इंजीनियर को एक विशेष आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा जिसमें वह परिस्थितियों की स्पष्ट करेगा और प्ररूप "च" के अनुसार अपेक्षित जानकारी देने के अनिश्चित स्थान की प्रकृति और भरण की पूर्ण विनिर्देशों देगा।

114. प्रवेश से इंकार किया जाता—किसी ऐसे जलयान को जिसके लिए उसके मास्टर ने नियम 109 के अधीन

अपेक्षित इंजाम नहीं किया है मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के विवेकानुसार सूखे डाक में प्रवेश करने की अनुज्ञा देने से इंकार किया जा सकेगा।

115. सहायता और अनिश्चित कर्मचारी—किसी जलयान का मास्टर ऐसा इंजाम करेगा कि कर्मिंदल उस समय प्रत्येक सहायता कर सके जब जलयान को डाक में लाया या उसे ले जाया जाता हो और अनिश्चित कर्मचारी भी प्रदाय करेगा जो अधीक्षक सूखे डाक की राय में इन गतिविधियों के दौरान फलक पर अपेक्षित हो।

116. टेकबंदी के दौरान सहयोग—उस समय से जब डाक रज्जु जलयान में बांधे जाते हैं उस समय तक जब उसे दवाकों पर जांचा जाता है, मास्टर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रयास करेगा कि उसके कर्मिंदल और सूखे डाक कर्मचारिवृन्द के बीच जलयान को टेकबंदी करने में पूर्णतः सहयोग प्राप्त हो और यह सुनिश्चित करेगा कि फलक पर सभी अन्य कार्य समाप्त हो जाएं जिससे कि उसके कर्मिंदल अधीक्षक, सूखे डाक, द्वारा अपेक्षित किसी कार्य के लिये उपलब्ध हो सके।

117. स्थिरक टंकियों में परिवर्तन—जब कोई जलयान किसी सूखे डाक में हो तब उसकी स्थिरक टंकियों की स्थिति में अधीक्षक, सूखे डाक, की अनुज्ञा के बिना कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा। अधीक्षक, सूखे डाक, सूखे डाक को तब तक जलप्लावित नहीं करेगा जब तक कि उसका समाधान नहीं हो जाता है कि परिवर्तन के पहले विद्यमान मूल स्थिति मास्टर द्वारा बहाल नहीं कर दी गई है। किसी ऐसे जलयान के मास्टर को, जो स्थिरक टंकियों की मूल स्थिति असम्यक् बिलंब के बिना बहाल नहीं कर सकता है, सभी आवश्यक व्योमों सहित एक आवेदन तुरन्त अधीक्षक, सूखे डाक, को अग्रप्रेषित करना चाहिये।

118. भार का स्थानांतरण—जब कोई जलयान किसी सूखे डाक में न हो, तब कोई बंकर स्थिर या भारी बजन अधीक्षक, सूखे डाक, की लिखित अनुज्ञा के बिना फलक पर न तो स्थानांतरित करेगा न जायेगा और न ही उतारेगा।

119. फलक के बाहर कोई कार्य न किया जाना—किसी जलयान को डाक में लाने या उसे ले जाने के दौरान फलक के बाहर कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा।

120. टहराव का बढ़ाया जाना—कोई भी जलयान किसी सूखे डाक में उस समय से अधिक समय तक नहीं रहेगा जिस तक उसे विनियमित किया गया है, परन्तु मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, अपने विवेक पर, विनियमन के समय की समाप्ति के पूर्व आवेदन की प्राप्ति पर और अपने समाधान के अधीन रहते हुए कि ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके बारे में उस समय जानकारी नहीं थी जब जलयान को विनियमित किया गया या जो कार्य के लिये लगे हुए दलों के नियंत्रण के बाहर है और जो ऐसे कार्य के जो केवल सूखे डाक में किया जा सकता है विनियमन की मूल अवधि के भीतर पूरा करने की निवारित करेगी। और विनियमन अनुरीति कर सकेगा।

121. जलयान का हटाया जाना :—जब तक कि विनियमन की अवधि को बढ़ाया नहीं जाता है, मास्टर या स्वामी उस अवधि के, जिसके लिये जलयान को विनियमित किया गया था, समाप्त होने पर जलयान की सूखे डॉक से बाहर ले जाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करेगा, परंतु यदि मास्टर या स्वामी ऐसे इंतजाम करने में असफल हो जाता है तो मुख्य यांत्रिक इंजीनियर जलयान को हटाने के लिये सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

122. डॉक से बाहर ले जाने के पूर्व पूर्वावधानियां :—मास्टर स्वयं का यह समाधान करेगा कि डॉक के बाहर ले जाने के समय सूखे डॉक में कोई जल जाने देने से पूर्व सभी नलियां, निचलछिद्र और जलयान के तल में अन्य भुगुणों को कस कर बंद कर दिया गया है।

123. व्यवस्था किया गया उपस्कर :—पोत जलयान के डॉक में सुरक्षा पूर्वक लाने के लिये आवश्यक सभी ब्लाकों, पट्टी और निचल टफो, जलयानों को धोने, खुरचने तथा पेंट करने के लिए पर्याप्त मूलवमान मंचों और चलती-फिरती मंचिकाओं तथा साधारण प्रणोदक कार्य तथा छोटी-मोटी मरम्मतों के लिए पर्याप्त मंचिकाओं पर मंचों की व्यवस्था करेगा।

व्यापक मरम्मतों के लिये सभी मंचों और धाधारों की मरम्मत करने वाले मास्टर या स्वामी या ठेकेदार द्वारा व्यवस्था की जानी चाहिए।

124. ठेकेदारों की नियुक्ति :—न्यासी, सूखे डॉकों में जलयानों के संबंध में कार्य करने के लिये वर्षानुवर्ष कतिपय अनुमोदित फार्मों या व्यक्तियों को प्राधिकृत करेंगे। किसी भी व्यक्ति/फार्म को कोई ऐसा कार्य तब तक नहीं करने दिया जायेगा जब तक कि उसे अध्यक्ष द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत न किया गया हो।

125. पत्तन संपत्ति का संरक्षण :—पत्तन के किसी भी ब्लाक, टेक, मंच, खंभा, रज्जू या अन्य वस्तु को अधीक्षक, सूखा डॉक, की लिखित अनुज्ञा के बिना सूखे डॉक परिसर से नहीं हटाया जायेगा।

126. सूखे डॉकों को क्षति :—सूखे डॉकों की किसी वस्तु को न तो नष्ट किया जाएगा न काटा जाएगा न ही अन्यथा क्षति पहुंचाया जाएगा या इधर-उधर बहने दिया जाएगा और न ही काष्ठ या अन्य आरी सामग्री सीढ़ियों और प्रस्तर निर्माण पर फैकी जानी चाहिए या सूखे डॉकों में उन साधनों से अन्यथा लाने या ले जाने दिया जाएगा जिनकी इस प्रयोजन के लिए व्यवस्था की गई है और जिन्हें तैयार किया गया है।

127. क्रेनों का प्रयोग :—सूखे डॉकों में क्रेनों को बूक करने के लिए, आवेदन, अधीक्षक सूखे डॉक को, किया जाना है जो उपलब्धता, जरूरत और मूर्ध्वता के अधीन रहने हुए, जैसा वह ठीक समझे, इंतजाम करेगा।

128. नित्यन्दित जल और विद्युत :—सूखे डॉकों में लाने के पूर्व नित्यन्दित जल और विद्युत के लिए अलग से मांग की जानी चाहिए।

129. ब्लाकों का विशेष विन्यास :—ब्लाकों का विशेष विन्यास तैयार करने के लिए, अभिकर्ता/मास्टर/स्वामी को कम से कम तीन दिन पहले डॉकिंग योजना प्रस्तुत कर देनी चाहिए।

130. टंकी गंभीरता-माप प्ररूप में गलत घोषणा :—यदि जलयान डॉक में लाने के समय मास्टर द्वारा टंकी गंभीरता-माप के बारे में की गई घोषणा के प्रतिकूल व्यवहार करता है, तो अधीक्षक, सूखे डॉक, द्वारा डॉकिंग रद्द किया जा सकेगा या यदि उस स्थिति में समायोजित करने के लिए जलयान को ब्लाकों को पुनः तैयार करने के लिए बाहर ले जाना आवश्यक है तो, दैनिक सूखे डॉक भाड़े के आधार पर ऐसे सभी प्रभार उद्गृहीत किए जा सकेंगे। यदि जलयान डॉक ने ले जाने समय टंकी गंभीरता-माप प्ररूप में मास्टर की घोषणा के प्रतिकूल ब्लाक व्यवस्थाओं को भंग करना है तो, ब्लाकों को पुनः तैयार करने का कुल खर्च पोतस्वामी/अभिकर्ता द्वारा वहन किया जाना चाहिए।

131. अवशिष्ट का निस्कारण :—यदि कोई जलयान सूखे डॉक में तेल या कोई अवशिष्ट सामग्री, कूड़ा-करकट, आदि निस्कारित करता है तो, स्वामी/मास्टर से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह डॉक में ले जाने के पहले उन्हें माफ करे और उसके कारण सूखे डॉक को मगो-मगे हो हुई किसी क्षति के लिए मरम्मत का खर्चा स्वामी/अभिकर्ता द्वारा वहन किया जाना चाहिए।

132. जलयानों को पुनः ले जाता :—स्वामी द्वारा अधिभूत किसी भी कारण से किसी जलयान को पुनः ले जाने के लिए सूखे डॉक भाड़े से अन्यथा अतिरिक्त प्रभार दर-सूची के अनुसार उद्गृहीत किए जा सकेंगे।

133. कैप्टन का उपयोग :—विश्व-जलय/जलय कैप्टन के उपयोग के लिए, पारी अनुगार प्रत्येक कैप्टन के लिए वैयक्तिक बुकिंग अधीक्षक, सूखे डॉक, को करना चाहिए जो उसकी उपलब्धता, जरूरत और पूर्विधता, जो वह टीक समझे, के अधीन रहने हुए व्यवस्था करेगा।

134. पेटा या फिटिंग से संबंधित कार्य :—जल के नीचे पेटा या किन्हीं फिटिंगों के रूप में व्यापक कार्य की दशा में ऐसे कार्य के लिए ब्लाकों का खाली कराए जाने वाला अवस्थान डॉक में लाने के पूर्व तदनुसार ब्लाकों को तैयार करने के लिए उपदेशित किया जाना चाहिए।

अध्याय—6

पोत विघटन के लिए नियम

135. पोत विघटन के लिए आवेदन :—स्कूप के लिए किसी जलयान को खोलने या किसी जलयान को विघटित करने की अपेक्षा करने वाला स्वामी, निदेशक, समुद्री विभाग को लिखित रूप में आवेदन करेगा और उसके निरीक्षण

के लिए पोत परिवहन महांनिदेशक, भारतीय सीमाशुल्क और यथा लागू विषय कर प्राधिकारियों द्वारा दिया गया अनापत्ति और ऐसे अन्य दस्तावेज भी, जो निदेशक, समुद्री विभाग द्वारा अपेक्षित हो, रेंज करेगा। यथा लागू अपेक्षित दस्तावेजों के पेश किए जाने में समाधान होने पर निदेशक, समुद्री विभाग, कलकत्ता डाँक प्रणाली के भीतर जलयान को खोलने के लिए कोई उपयुक्त लंगरगाह आबंटित कर सकेगा।

136. पोत विघटन से संबंधित करार :—मामले की परिस्थितियों का और संबंधित जलयान के खोलने, विघटित करने या नष्ट करने में अंतर्लित जोखिम की मात्रा को ध्यान में रखते हुए जब ऐसा अपेक्षित हो, स्वामी ऐसे निबंधनों और शर्तों पर, जो निदेशक, समुद्री विभाग, द्वारा अधिकांशित की जाएं, आप्रचारिक करार करेगा।

137. प्रभारों का संदाय :—स्वामी, न्यासियों द्वारा विहित सभी प्रभार निदेशक, समुद्री विभाग द्वारा जब भी घाट-भाड़े, भूरिंग, लंगरगाह भाड़े सूखे, डाँक, समुद्र नट प्रभारों, भूमि भाटक प्रभारों, क्रेल भाड़ा प्रभारों और यथा लागू किन्हीं अन्य प्रभारों के रूप में ऐसी सेवाओं को किए जाने के पहले मांग की जाए, मांग की जाने पर तुरन्त संदस्त करेगा।

138. पोत विघटन के लिए किसी अनुमूचित बैंक से बैंक गारंटी :—यदि ऐसा करने के लिए कहा जाए तो, स्वामी किसी ऐसे अनुमूचित बैंक से, जिसका प्रधान कार्यालय या शाखा कार्यालय कलकत्ता में हो और जो न्यासी वित्तसलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा अनुमोदित हो, निदेशक, नौ विभाग द्वारा विहित प्ररूप में एक बैंक गारंटी भी देगा जिसमें वह जलयान के पूर्णतः या भागवतः डूब जाने या उसके ध्वंस हो जाने की दशा में निवेगह, नौ-विभाग द्वारा की जाने वाली उद्धरण संक्रियाओं के खर्च का संदाय करने, पतन की सुरक्षा, अन्य जलयानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नौव्यसारणियों को खाली रखने के लिए जिम्मा लेगा। रकम और ऐसी बैंक गारंटी के अन्य निबंधनों का विनिश्चय करने में निदेशक, नौ विभाग, का विनिश्चय अंतिम होगा।

139. सम्यक तत्परता के बिना पोत-विघटन :—यदि स्वामी, निदेशक, नौ विभाग द्वारा यथा अपेक्षित सम्यकतत्परता से विघटन या तोलने का काम करने में असफल हो जाता है, तो न्यासी अपने अन्य किन्हीं अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना स्वयं या अन्य अभिकरणों की मार्फत स्वामी के खर्च और व्यय पर जलयान को विघटित कर सकेगा या खोज सकेगा और या इस प्रकार खोजे गए या विघटित किए गए जलयानों के मांगों का विक्रय कर सकेगा और या उन्हें हटा सकेगा।

140. "स्वामी" पद के अंतर्गत उसके अभिकर्ता, प्रतिनिधि या जलयानों के समनुदेशिनी है।

141. नियमों का निर्वहन :—पोत-विघटन संबंधी इन नियमों के निर्वाचन या कार्यक्रम के बारे में किसी विवाद की दशा में अध्यक्ष का विनिश्चय अंतिम और बाधक होना।

141 (क). कलकत्ता पत्तन की उप-विधियों के कुछ खंडों का निरसन :—कलकत्ता पत्तन नियम 1994 के प्रवृत्त होने से कलकत्ता पत्तन उप विधि 1949 के खंड संख्यक 28 (ख) (क) संख्यक तक का कोई प्रभाव और उसकी निधि मान्यता नहीं रहेगी और वे निरसित हो गए समझे जाएंगे।

अध्याय—7

पोत संपत्ति को हुई क्षति के लिए नियम

142. जलयानों के मास्टर और स्वामी किसी भी प्रकार की किसी क्षति के लिए दायी होंगे जो उनके जलयानों या सेवकों द्वारा न्यासियों के किन्हीं निर्माणों या संपत्ति को होगी और न्यासी उनके जलयानों को डाँक में विरुद्ध करने का अधिकार सब तक आरक्षित रखते हैं जब तक कि हुई क्षति की रकम के लिए प्रतिभूति नहीं दे दी गई।

परन्तु बोर्ड के किन्हीं अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, जलयान या जलयानों को स्वामी/मास्टर द्वारा क्षति/हानि की प्रकृतित लागू को पूरा करने के लिए पर्याप्त प्रतिभूति दे दी जाने पर पत्तन छोड़ने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा।

अध्याय—8

पेट्रोलियम वहन करने वाले जलयानों के लिए नियम

143. परिभाषाएं :—इस अध्याय में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (1) "प्रपुंज तेल जलयान" से प्रपुंज में पेट्रोलियम सहित कोई पेट्रोलियम जलयान अभिप्रेत है;
- (2) "पेट्री तेल जलयान" से पेट्रियों, पोपाओं, ड्रमों या अन्य पात्रों में पेट्रोलियम सहित कोई पेट्रोलियम जलयान अभिप्रेत है;
- (3) "खाली किया गया जलयान" से कोई ऐसा जलयान अभिप्रेत है जिसने अपने पेट्रोलियम की उतराई का काम पूरा कर लिया है;
- (4) "अवजित पेट्रोलियम" से ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलन तापंक 93° से 200° फा. से कम नहीं है जिसका ये नियम लागू नहीं होते हैं;
- (5) किसी पेट्रोलियम के संबंध में "प्रज्वलन तापंक" से वह निम्नतर तापमान अभिप्रेत है जिस पर वह वाष्प उत्पन्न करता है जो प्रज्वलित किए जाने पर क्षणिक चमक पैदा करेगा और जो पेट्रोलियम अधिनियम 1934 (1934 का 30) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अवधारित है;
- (6) "गैस मुक्त प्रमाणपत्र" से केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त नियुक्त किसी अधिकारी द्वारा अनुदत्त इस आशय का प्रमाणपत्र अभिप्रेत है कि जलयान को पूर्णतः साफ कर दिया गया है और पेट्रोलियम

तथा ज्वलनशील वाष्प से मुक्त कर दिया गया है।

- (7) "पेट्रोलियम" से अभिप्रेत है कोई द्रव हाइड्रोकार्बन या हाइड्रोकार्बन और किसी ज्वलनशील मिश्रण (द्रव विस्काय या ठोस) का मिश्रण, जिसमें कोई द्रव हाइड्रोकार्बन अंतर्विष्ट है;
 - (8) "पेट्रोलियम वर्ग 'क'" से ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलन तापान्क 23° से. (या 73° फा.) से कम है;
 - (9) "पेट्रोलियम वर्ग 'ख'" से ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलन तापान्क 65.5° से. (या 150° फा.) से कम है किन्तु 23° से. (या 73° फा.) से कम नहीं है;
 - (10) "पेट्रोलियम वर्ग 'ग'" से ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलन तापान्क 65.5° से. (या 150° फा.) से कम नहीं है;
 - (11) "प्रमुञ्ज में पेट्रोलियम" से क्षमता में 1000 लीटर से अधिक किसी मात्रा में रखा गया पेट्रोलियम अभिप्रेत है;
 - (12) "पेट्रोलियम जलयान" से अभिप्रेत है कोई ऐसा जलयान जो पेट्रोलियम वर्ग "क" का 5000 लीटर या मोटरी टन से या पेट्रोलियम वर्ग "ख" (या किसी अन्य पदार्थ, जिसका वही प्रज्वलन तापान्क है जो पेट्रोलियम वर्ग "ग" या पेट्रोलियम वर्ग "ख" का है के 50000 लीटर या 50 मोटरी टन से अधिक का वहन कर रहा है;
- "परिवहन करना" से पेट्रोलियम को पत्तन के भीतर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना अभिप्रेत है।

144. पेट्रोलियम जलयानों का कोई भी पेट्रोलियम जलयान बालूसिरो के ऊपर तब तक अग्रसर नहीं होगा जब तक कि उसे कलकत्ता पत्तन में कोई लंगरगाह आबंटित न किया गया हो।

145. मंचलन पर निर्बन्धन :—कोई भी पेट्रोलियम जलयान निम्नलिखित के साथ बज-बज के ऊपर नहीं जाएगा—

- (क) पेट्रोलियम वर्ग "क",
- (ख) पेट्रोलियम वर्ग "ख" जो नेताजी गुभाय डाक में पेट्रोलियम लंगरगाह पर उतारे जाने के लिए आशायित नहीं है;

परन्तु यह नियम निम्नलिखित को लागू नहीं होगा—

- (1) कोई मान्यताप्राप्त वैगनफेरी;
- (2) नियम 160 के अधीन अनुज्ञप्त कोई जलयान जो निदेशक, नौ-विभाग द्वारा अनुमोदित किसी मार्ग का अनुसरण करता है,

(3) नियम 165 के अनुसार सूखे डाँक में जाने वाला कोई जलयान।

146. पेट्रोलियम वहन करने वाले पोतों के मास्टर द्वारा या पोत के अधिकर्ता द्वारा घोषणा और पेट्रोलियम या ज्वलनशील पदार्थों जिसके अन्तर्गत पेन्टा और बनिश जैसे पदार्थ हैं, उतारई या लदवाई:—(1) पेट्रोलियम या कोई अन्य ऐसा पदार्थ जिसका प्रज्वलन तापान्क 65.5° से. (या 150° फा.) से कम है, वहन करने वाले प्रत्येक पोत का मास्टर कलकत्ता के पत्तन में प्रवेश करने से पूर्व पाटलट को इन नियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूप 2 में अपने हस्ताक्षर सहित एक लिखित घोषणा परिदत्त करेगा :

परन्तु यदि पोत के पहुंचने की संभावना में ऐसे पोत का अधिकर्ता निदेशक, पत्तन कानो विभाग, को अपने हस्ताक्षर सहित यथापूर्वोक्त लिखित घोषणा परिदत्त कर देता है तो पोत के मास्टर द्वारा ऐसी घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है।

(2) अधिकर्तापूर्ण विनिर्दिष्टों सहित सभी परिसंकटग्रस्त स्थोरा की सूची निदेशक, नौ विभाग और पत्तन के यानायान प्रबन्धक को देगा।

(3) पोत का मास्टर सभी सुसंगत नियमों, विनियमों और समय समय पर जारी किए गए अनदेशों का पालन करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(4) उप नियम (3) में किसी बात के होते हुए भी, जब परिस्थितियों से ऐसा समर्थित हो, निदेशक, नौ विभाग पेट्रोलियम या किसी अन्य ऐसे पदार्थ की जिसका प्रज्वलन, तापान्क 65.5° से. (या 150° फा.) से कम है, मात्रा के संबंध में कलकत्ता के पत्तन पर डाकों और जेटियों पर उतारने या लदने के लिए लाई जाएं, निम्नलिखित शर्तों के अनुपालन करने के अधीन रहते हुए छूट प्रदान कर सकेगा—

(i) जलयान को ऊँचे जारों की अग्रधि तक मूरिंग में नहीं ले जाया जा सकता;

(ii) स्थोरा को जलयान से सीधे समनुदेशिती को प्रदान करना है या जलयान के पहुंचने पर न्यासी परिसंकटग्रस्त गोबाम में तुरंत हटाया जाता है या लदवाई की दशा में, स्थोरा को जलयान के ले जाने के केवल एक दिन या दो दिन पहले लादा जाना चाहिए;

(iii) उपर्युक्त संक्रिया केवल दिन के समय की जाएगी;

(iv) "घृन्नपान निषेध" का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए और लदवाई/उतारई के समय अग्नि के प्रारंभ के विरुद्ध सख्त पूर्वावधानियां बरती जानी चाहिए।

(v) 23° से. (73° फा.) से कम प्रज्वलन तापान्क वाले ज्वलनशील द्रव की दशा में घाट सीमा में एक समय में ऐसे स्थोरा में पांच टन से अधिक हटाया जाना चाहिए और उसे पत्तन परिमर से तुरंत हटा लेना चाहिए।

(vi) स्थापना की उत्तराई के समय पतन आदि सेवा कार्मिक को उपस्थित रहना चाहिए और पतन के अग्निनाशक साधन भी स्थापना के भंडारकरण क्षेत्र के निकट तैयार रखे जाने चाहिए;

(vii) उत्तराई और लदार्ह संक्रियाएं, स्टोमर अभिकर्ताओं और समनुदेशनी से तामानिर्देशित उत्तरदायी व्यक्तियों के सीधे पर्यवेक्षण में की जानी है और वे किसी दुर्घटना के लिए ज़वाबदार होंगे;

परन्तु कोई ऐसी मूट निम्नलिखित से अधिक मात्राओं के लिए नहीं दी जाएगी—

(क) पेट्रोलियम वर्ग क या अन्य पदार्थ जिसका प्रज्वलन-तापंक 23°से. (या 73°फा.) से कम है, के संबंध में 20 टन है;

(ख) 23°से. (या 73°फा.) से कम प्रज्वलनशील तापंक बोलपेंटों और मनिशों जैसे विनिर्मित उत्पादों की दशा में 20 टन।

(ग) “पेट्रोलियम वर्ग ‘ख’” जिसका प्रज्वलन तापंक 65.5°से. (या 150°फा.) है, के संबंध में 100 टन;

(घ) 23°से. (या 73°फा.) से अधिक प्रज्वलन तापंक किंतु 65.5°से. (या 150°फा.) से कम वाले पेंटों और बनिशों जैसे विनिर्मित उत्पादों की दशा में 150 टन।

147. कर्ष नौका का होना:—पेट्रोलियम वर्ग “क” या “ख” सहित कोई भी पेट्रोलियम जलयान और सभी टंकियों के लिए गैस भुगत प्रमाणपत्र के बिना कोई भी खाली जलयान गार्डनरिज और नेताजी सुभाष डाँक के बीच तब तक परिवहन नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके पास कर्ष नौका न हो।

148. प्रपुंज में पेट्रोलियम की उत्तराई और प्रपुंज में पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव की लदार्ह:—पेट्रोलियम जलयान निम्नलिखित उतारेगे/लादेंगे:—

(क) प्रपुंज में पेट्रोलियम वर्ग “क” या ज्वलनशील द्रव, जिनका प्रज्वलन तापंक 23°से. (73°फा.) से कम है, हल्दिया बजबज में आयातकर्ताओं/निर्यातकर्ताओं की भंडारकरण टंकियों में से सीधे उतारे जा सकेंगे/लादे जा सकेंगे;

(ख) पेट्रोलियम वर्ग “ख” वर्ग “ग” या ज्वलनशील द्रव, जिनका प्रज्वलन तापंक 23°से. से अधिक है, हल्दिया/बजबज/नेताजी सुभाष डाँकों में आयातकर्ताओं/निर्यातकर्ताओं की भंडारकरण टंकियों में, से सीधे उतारे जा सकेंगे/लादे जा सकेंगे।

149. पेटी तैल जलयानों की उत्तराई या लदार्ह:—प्रत्येक पेटी तैल जलयान अपने पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव, पेट्रोलियम डिपो, बजबज में उतारेगा या लादेगा, किन्तु ऐसा जलयान

तब तक उतारना या लादना प्रारंभ नहीं करेगा जब तक कि निदेशक, नौ विभाग, को यह समाधान नहीं हो जाता है कि—

(क) सीमाशुल्क कलक्टर ने, यथास्थिति, उसका पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव उतारने या लादने के लिए अनुज्ञात किया है;

(ख) इसमें वाले पीपों, ड्रमों या अन्य पात्रों के व्ययन के लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं;

(ग) मासिक पेट्रोलियम नियम 1976 की अपेक्षाओं को पूरा करने हैं।

150. लाइटों में उतारना:—(1) कोई भी पेटी तैल जलयान पूर्णगामी नियमों के अधीन कोई पेट्रोलियम किसी लाइट में तब तक नहीं उतारेगा जब तक कि ऐसा लाइट सुर्योदय और सूर्यास्त के बीच बज-बज में किसी भंडारकरण शौड में खाली करने और उतारने से सशम न हो।

परन्तु ऐसा प्रत्येक लाइट इस प्रयोजन के लिए स्थायी नौका मरक्षक द्वारा गम्माक रूप से अनुमत्त होगा।

परन्तु यह और कि पेट्रोलियम से लदा कोई भी लाइट बजबज में रात पर रखा नहीं रहेगा जब तक कि उस आशय की लिखित रूप में विनिर्दिष्ट अनुज्ञा पहले ही निदेशक, नौ विभाग से अभिप्राय नहीं कर ली जाती है।

(2) इन नियम के उपबंध द्रव मइड्रोकार्बन सहित या रहित सभी ज्वलनशील स्थापना के संबंध में भी लागू होंगे।

151. आगिन:—पेट्रियों, ड्रमों या अन्य पात्रों में पेट्रोलियम बहन करने वाली किसी नौका पर आगिन या अनावृत्त बनी और धूम्रपान अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

152. उत्तराई के लिए अपर्याप्त:—यदि सीमाशुल्क कलक्टर किसी भी समय यह घोषणा करता है कि किसी पेट्रोलियम जलयान द्वारा पेट्रोलियम की उत्तराई के लिए स्थान सुविधा अनुपयुक्त है तो निदेशक, नौ विभाग, यह निदेश दे सकेगा कि जलयान को डायमंड चन्द्रनाह में या पतन के भीतर अन्यत्र हटा लिया जाए।

153. स्वयं के विद्युत से उत्तराई या लदार्ह:—कोई भी जलयान निदेशक, नौ विभाग, को लिखित अनुज्ञा के बिना प्रपुंज में पेट्रोलियम वर्ग “क” या पेट्रोलियम वर्ग “ख” स्वयं उत्पादित विद्युत द्वारा न तो उतारेगा न लादेगा।

154. कम मात्रा में पेट्रोलियम:—पांच टन (पांच हजार लीटर) से अधिक पेट्रोलियम वर्ग “क” या ज्वलनशील द्रव अथवा पचास टन (पचास हजार लीटर) से अधिक पेट्रोलियम वर्ग “ख” या ज्वलनशील द्रव की प्रपुंज से मात्रा से अन्यथा मावा जहन करने वाला कोई जलयान निम्नलिखित शर्तों में अर्पण रहता हुए डाँकों या जेटियों में उसे उतार सकेगा:

(i) पेट्रोलियम वर्ग “क” पेट्रोलियम नियम, 1976 के अधीन अनुमत आयात अनुज्ञा के अंतर्गत आता है;

(ii) प्रत्येक ऐसा परेपिती, जो 3000 लीटर में अधिक मात्रा में पेट्रोलियम वर्ग "क" का आयात करता है, पेट्रोलियम नियम 1976 के प्ररूप 2 में बढाकर स्थात सुविधा का अपने या अपने अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र पेश करता है :

परन्तु 5 टन (5000 लीटर) पेट्रोलियम वर्ग "क" में अनधिक मात्रा या 50 टन (50,000 लीटर) पेट्रोलियम वर्ग "ख" में अनधिक मात्रा निदेशक, नौ-विभाग के पूर्व अनुमोदन से, खंड (i) और खंड (ii) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन के अधीन रहते हुए लाइटरो में या नौकाओं में उतारी जा सकेगी और पेट्रोलियम को निम्नलिखित घाटों में नौकाओं या लाइटरो में उतारा नहीं जाता हो, अर्थात्—

- (क) हावड़ा की तरफ काबी बाट स्वर के उत्तर में निचली घाट, या
- (ख) कलकत्ता की तरफ—जगरनाथ घाट, साहिब बाजार घाट, रथटोला घाट या बागबाजार घाट:

परन्तु यह और कि प्रपुंज में अन्वधा पेट्रोलियम वर्ग "ग" को किसी भी मात्रा में डाँकों और जेटियों में उतारा जा सकेगा या नौकाओं या लाइटरो में एक और उतारा जा सकेगा ।

155. सफाई:—प्रत्येक खाली किया गया जलयान, जब तक कि वह सीधे समुद्र में न जा रहा हो, अजिलस्व नियत मूरिंग पर जाएगा जिन पर वह बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) के किसी भी देश के अधीन रहते हुए, तब तक रहेगा जब तक कि उसकी सफाई नहीं कर ली जाती और उसे पेट्रोलियम और जगरनाथील थाण में रहित नहीं कर दिया जाता; परन्तु बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) का यह समाधान हो जाता है कि किसी घाट या किसी डाँक या सरिता में तेल, तेलीय जल या कचरा के निस्सारण को रोकने के लिए सस्यक् पूर्वावधानियाँ बरती गई हैं तो वह उसे उम लंगरगाह के समीप, जहाँ वह खाली किया गया है, अपनी सफाई सक्रियाएँ करने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा ।

156. डाँकों के भीतर पूर्वावधानी:—(1) पेट्रोलियम वर्ग "ख" उतारते वाले प्रत्येक जलयान में छिद्र सहित दोतों और फिट किया गया 10 से. मी. तार लटकन प्रत्येक छोर में लगा होगा और तार का भीतरी छोर निकटतम उपलब्ध पोत के डेक के खम्बों में लगाया जाएगा तथा बाहरी छोर जल की पुंख के भीतर लटका रहेगा ।

(2) प्रत्येक ऐसे लटकन को लस्वार्ड 15 फीट्स होगी और उसे शलाकाओं में हल्के से फंसा दिया जाएगा ।

157. पेट्रोलियम भरना:—कोई भी जलयान सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच किसी नौका या बजरा से पेट्रोलियम नहीं

भरेगा । सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच किसी नौका या बजरा से पेट्रोलियम को जलयान में भरना:—

- (क) सरिता में मूरिंगो पर;
- (ख) जेटियों में, और
- (ग) डाँकों से, यदि डाँक मास्टर का समाधान हो जाता है कि पेट्रोलियम का प्रज्वलन तापक 60.5° से या 150° फा. में कम है अनुज्ञात किया जाएगा ।

158. भरार्ड के दौरान पूर्वावधानियाँ:—बंकरों के लिए पेट्रोलियम की लम्बाई करने वाला प्रत्येक जलयान, निम्न-लिखित शर्तों का पालन करेगा:—

- (क) जलयान का मास्टर या प्रथम पेट फलक पर रहेगा और यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होगा कि भराई नियमों का पालन किया जाता है और सुरक्षा के लिए सभी उचित पूर्वावधानियाँ ली जाती हैं ।
- (ख) जलयान का कोई अधिकारी निगरानी करेगा और एक परिचर नमनीय संयोजक पाईप पर तैनात किया जाएगा ।
- (ग) युग्मवान, खाना बनाना, अनावृथित वस्तियाँ या भट्टियाँ चिमनीय और प्रवेशिका पाईपों के 30.48 मीटर के भीतर अनुज्ञात नहीं की जाएंगी ।
- (घ) नदी या डाँक में पेट्रोलियम टपकने से रोकने के लिए संयोजक पाइप के नीचे एक उपयुक्त परनाला या अन्य प्रयुक्ति की व्यवस्था की जाएगी ।
- (ङ) एक परिचर ईंधन प्रदाय करने वाले जलयान के पम्प पर सदैव ड्यूटी पर रहेगा ।

159. यान का बगल में अनुज्ञात न किया जाना:—कोई भी अन्तरदेशीय जलयान या छोटा यान:—

- (1) प्रपुंज में भराई करने या उतराई करने वाले किसी पेट्रोलियम जलयान;
- (2) किसी खाली किए गए जलयान, जब तक कि सभी उसके मुख बन्द नहीं कर दिए जाते के 30.48 मीटर के भीतर नहीं आया ।

160. नौकाओं या बजराओं का प्रमाणन:—कोई भी नौका या बजरा पत्तन के भीतर प्रपुंज में पेट्रोलियम का परिवहन नहीं करेगी जब तक कि उसे न्यासी नौका सर्वेक्षक द्वारा और पेट्रोलियम नियम, 1976 के अनुसार समुचित प्राधिकारी द्वारा भी अनुज्ञात नहीं दे दी गई है :

परन्तु यह नियम किसी मान्यताप्राप्त वैगन फेरी को लागू नहीं होगा ।

161. रात्रि-कार्य पर निर्बन्ध :—कोई भी जलयान सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच कलकत्ता के पत्तन के भीतर पेट्रोलियम बर्ग "क" को न तो लादेगा न उतारेगा न ही परिवहन करेगा :

परन्तु यह नियम, पेट्रोलियम नियम, 1976 के उपबंधों के अनुसार पेट्रोलियम डिपो, बजबज और हल्दिया स्थित तेल जेटियों में उतारने वाले प्रपुंज तेल जलयानों को लागू नहीं होगा।

162. भारी पेट्रोलियम का पोतांतरण :—कोई जलयान लंगरगाह मास्टर (पत्तन) की लिखित रूप में सहमति से प्रपुंज में पेट्रोलियम बर्ग "स" का किसी अन्य जलयान में पोतांतरित कर सकेगा।

163. नौकाओं या बजराओं की सफाई :—पेट्रोलियम का वहन करने के लिए प्रयुक्त कोई नौका या बजरा—

(क) डॉकों में,

(ख) किसी कर्ष नौका या प्रपुंज तेल जलयान के समीप गंदा पानी नहीं निकालेगी।

164. पुआल ले जाने वाली नौकाओं पर निर्बन्धन :—बजबज पेट्रोलियम डिपो के उच्च उबार सीमा के 155 मीटर के भीतर पुआल ले जाने वाले किसी जलयान पर अग्नि या धूम्रपान अनावृत्त वस्तिया अतुल्य नहीं की जाएगी।

165. प्रपुंज तेल जलयान के लिए गैस मुक्त प्रमाणपत्र :—(1) कोई भी प्रपुंज तेल जलयान अन्य पोतों के बीच तब तक नहीं ले जाया जाएगा जब तक कि जलान किसी तेल लंगरगाह को (या केवल ईंधन तेल ले जाने वाले किसी जलयान की दशा में डॉक में) न जा रहा हो या विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी सफिल, कलकत्ता से इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया जाता कि उसने टैंकियों, काफर डैम्पों, पंपकक्षों और ऐसे अन्य भागों की, जिन्हें आवश्यक समझा गया, बाष्प परीक्षण यंत्र को सहायता से जांच की है और उसके द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाणित न किया गया हो कि जलयान की ऐसा टैंकियां कॉफरडैम्प, पंपकक्ष और अन्य भाग पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम के वाष्प से मुक्त है और जलयान डॉक में प्रवेश करने के लिए दी गई अवस्था में है।

(2) सूखे डॉक में जाने वाले सभी प्रपुंज तेल जलयानों का मास्टर उप नियम (1) में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा।

(3) किसी पेट्रोलियम टैंकर के किसी भाग या फिटिंग पर कोई भी मरम्मत कार्य सूखे डॉक में या गोले डॉक में तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे भाग या फिटिंग की विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी सफिल, कलकत्ता द्वारा जांच न की गई हो और पेट्रोलियम वाष्प या पेट्रोलियम से मुक्त होने के बारे में लिखित रूप में उसके द्वारा प्रमाणित न किया गया हो।

(4) इस नियम में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र अनुदत्त करने के दौरान विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी सफिल, कलकत्ता, अथवा जिस तक और वे शर्तें जिनके अधीन ऐसा प्रमाणपत्र विधि मान्य रहेगा, उस पर निर्दिष्ट करेगा।

परन्तु कोई ऐसा प्रपुंज तेल जलयान जिस पर गत गैसमुक्त प्रमाणपत्र अनुदत्त किए जाने से 150° फा से कम पञ्चलन तापंक का पेट्रोलियम नहीं किया गया और जो केवल पेटा पेंटिंग और जांच के प्रयोजन के लिए किसी सूखे डॉक में प्रवेश कर रहा है, जलयान के मास्टर द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र पर, जिसमें यह कथित हो कि टैंकियों की उचित रूप से सफाई की गई है, सूखे डॉक में आने दिया जाएगा। यदि सूखे डॉक में प्रवेश के पश्चात् यह प्रकट हो कि जलयान में अधिक व्यापक मरम्मतों की आवश्यकता है तो ऐसी मरम्मत करने के पूर्व एक गैस मुक्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा।

166. किसी कक्ष को मरम्मत के लिए पृथक् प्रमाणपत्र :—गैस मुक्त प्रमाणपत्र सहित पत्तन में प्रवेश करने वाला प्रत्येक प्रपुंज तेल जलयान, ऐसी मरम्मत, जिनमें किसी कक्ष में अनावृत्त वस्तियों का उपयोग अंतर्बलित करने से पहले उस कक्ष के लिए एक और प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा।

167. कनिष्ठ मामले में गैस मुक्त प्रमाणपत्र आवश्यक :—पत्तन में प्रत्येक ऐसा जलयान को ईंधन के रूप में तेल का प्रयोग करता है, बंकरों में कोई मरम्मत करने के पूर्व विस्फोटक निरीक्षक या विस्फोटक सहायक निरीक्षक, पूर्वी सफिल, कलकत्ता से एक गैस मुक्त प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा।

168. फलक पर अधिकारी :—उस समय जब कोई पेट्रोलियम जलयान पत्तन में है एक जिम्मेदार डॉक अधिकारी और इंजीनियर अधिकारी इन नियमों के उपबंधों को क्रियान्वित और प्रभावी करने के लिए फलक पर रहेगा।

उस समय जब कोई पेट्रोलियम जलयान, पेट्रोलियम की लदाई या उतराई कर रहा हो या उसकी लदाई या उतराई की तैयारी कर रहा हो, मास्टर या प्रथम मेंट और मुख्य या द्वितीय इंजीनियर फलक पर रहेंगे और यह देखेगा कि जलयान या उसके स्थोर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पूर्वावधानी ली जाती है और विनिश्चितया यह कि बायलरों और मशीनरी को चालू हालत में बनाए रखा जाता है जिससे कि जलयान अविलम्ब आगे बढ़ सके और यदि ब्रदरगाह मास्टर (पत्तन) द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए।

169. निरसन और ब्यावृत्ति :—कलकत्ता पत्तन नियम, 1944 निरमित किए जाते हैं, ऐसे निरसन के होते हुए भी कलकत्ता पत्तन नियम, 1944 के अधीन की गई कोई बात या कार्यवाही इन नियमों के लक्ष्यानी उपबंधों के अधीन की गई समझी जाएगी।

[फा. सं. पी-आर-16012/4/93-पीजी]

सी.एस. खैरवाल, संयुक्त सचिव

अनुसूची
प्रारूप "क"
(नियम 21 देखिए)
कलकत्ता पत्तन न्यास

में अध्यक्ष, कलकत्ता पत्तन न्यास, कलकत्ता पत्तन न्यास नियम, 1993 के नियम 21 के अधीन एस.एस./एम.बी. की जिसका मास्टर है, उक्त पत्तन में, जिसके फलक पर नीचे विनिर्दिष्ट कर्मिदल होगा, उसके वर्तमान मूरिंगों में, रखने के लिए अनुज्ञप्ति देता हूँ : परन्तु यह सदैव कि उक्त नियम के नियम 22 के अधीन उसके प्रतिसंहरण पर या इसके नीचे लिखित शर्तों में से किसी के भंग पर यह अनुज्ञप्ति पूर्ण रूप से समाप्त और पर्यवसित हो जाएगी।

अनुज्ञप्ति की शर्तें

जलयान को उक्त पत्तन के भीतर में या उन अन्य मूरिंगों में अवश्य रहना चाहिए जो उस निमित्त न्यामियों द्वारा सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा से तक की अवधि

प्रारूप "ग" .

(नियम 23 देखिए)

कलकत्ता पत्तन न्यास

में , अध्यक्ष, कलकत्ता पत्तन न्यास, कलकत्ता पत्तन (नौ प्रचालन) नियम के नियम 23 के अधीन अनुज्ञप्ति अनुदत्त करता हूँ कि एस.एस./एम.बी. को, जिसका मास्टर है और जो निम्नलिखित ग्रीक, नदी या डॉक में बंधा है, , से तक की अवधि के लिए उक्त नियम के नियम 19 के उपबंधों से छूट प्राप्त होगी : परन्तु यह तब तक कि वह इस अवधि के दौरान उक्त ग्रीक, नदी या डॉक में रहे।

तारीख :

अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम अध्यक्ष
स्थान कलकत्ता

प्रारूप "घ"

(नियम 67 देखिए)

स्वामी का नाम और पता
अधिकर्ता का नाम और पता
फ्लैट/नौका का वर्णन
अनुज्ञप्ति की प्रकृति, स्थान
या यात्री धारित या अपेक्षित

ऊपर वर्णित फ्लैट/नौका का अधोहस्ताक्षरित स्वामी/अधिकर्ता यह निवेदन करता है कि इसे कलकत्ता पत्तन नियम के नियम 68 के अनुसार रजिस्ट्रीकृत किया जाए।

तारीख :

स्वामी/अधिकर्ता के हस्ताक्षर
नियम

के लिए आवंटित किए गए हैं। कर्मिदल में कम की गई संख्या अवश्य हो।
तारीख :

अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम अध्यक्ष
स्थान कलकत्ता

प्रारूप "ख"

(नियम 22 देखिए)

कलकत्ता पत्तन न्यास

में , अध्यक्ष, कलकत्ता पत्तन न्यास, एस.एस./एम.बी. को अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट कर्मिदल, में कम की गई संख्या सहित उक्त पत्तन में रहने के लिए अनुदत्त प्रारूप "क" में अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहृत करता हूँ।

तारीख :

अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम अध्यक्ष
स्थान कलकत्ता

प्रारूप "ड"

(नियम 71 देखिए)

प्रत्येक फ्लैट/नौका की अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन

फ्लैट संख्या	नौका और वर्ग का वर्णन	टन भार	निम्नलिखित की संख्या		मांजी		
			घरपू	कर्मचिल	नाम	आयु	सं.बाई
1	2	3	4	5	6	7	8

यात्रियों की संख्या

ऊपर वर्णित फ्लैट/नौका का अधोहस्ताक्षरित स्वामी/अधिकर्ता यह निवेदन करता है कि फ्लैट/नौका के रूप में चलाने के लिए कलकत्ता पत्तन नियम, 1994 के अनुसार अनुज्ञप्ति दी जाए।

तारीख :

स्वामी/अधिकर्ता के हस्ताक्षर
निवास :

प्रारूप "च"

नियम 107 देखिए

सूखे डाँकों के विनियमन के लिए आवेदन

मुख्य यात्रिक इंजीनियर,
8, गार्डनरीच रोड,
कलकत्ता-700043
महोदय,

हमने यह निवेदन किया है कि कृपया एम.बी. को
जिम्मेदारों में हम निम्नलिखित वर्णनात्मक विविधियाँ प्रमाणित करने हैं, सूखे डाँक में ले जाने की व्यवस्था करें।

लम्बाई

चौड़ाई

गहरी हुई गहराई

कुल टन भार

ड्राफ्ट अगला

ड्राफ्ट पिछला

कथित ड्राफ्ट में जलयान का विस्थापन भार

जलयान के तल की वक्रावत का स्टाइल

उपका नौतल निम्नलिखित है--

(ख) एक ड्रडनौतल

(ग) एक स्त्रैहाब-नौतल

(घ) एक तलिका-नौतल

उसमें :

- (ड) एक निकास है
- (ख) उसके नीतल में एक उभार है
- (छ) अन्य विशेष विशेषताएँ, अर्थात् :

बनावट का विशेष स्टाइल दर्शित करते हुए संलग्न रेखांक संख्यांकित और दिनांकित है । तारीख और समय जब जलयान डॉक में जाने के लिए तैयार होगा
 ड्रेकेदार का नाम और पता
 दिनों की संख्या जिसके लिए डॉक का उपयोग अपेक्षित होगा

भवदीय.

हस्ताक्षर

बन्दरगाह मास्टर (पत्तन) सीपीटी के द्वारा कार्बन प्रति—
 बंदरगाह मास्टर (पत्तन) सीपीटी कार्बन प्रति—
 अधीक्षक, सूखा डॉक, एन. एस. डी.

तारीख :

एम. बी. का स्वामी/मास्टर

प्ररूप "छ"

नियम 108 देखिए
 कलकरता पत्तन न्यास
 विनियमन की सूचना

सेवा में,

स्वामी/मास्टर

एस. एस. /एम. बी.

महोदय,

एस. एस. /एम. बी. के खिदीरपुर/निताजी सुभाष सूखे डॉकों में तारीख को बर्ज प्रवेश के लिए आपके विनियमन संबंधित आदेशन, तारीख के अनुसरण में इंतजाम कर दिए गए हैं ।

विनियमन की अवधि तारीख को बर्ज समाप्त होगी ।

तथापि, आपसे बंदरगाह मास्टर (पत्तन) को उस ठीक समय की सूचना देना अपेक्षित है जिस समय आपका जलयान डॉक से जाने के लिए तैयार होगा जिससे कि वह अपने इंतजाम कर सके ।

भवदीय

मुख्य यांत्रिक इंजीनियर

कलकत्ता

प्ररूप "ज"

नियम 146 देखिए

पेट्रोलियम ले जाने वाले पोत के मास्टर द्वारा या पोत के अधिकारियों द्वारा पत्तन में प्रवेश करने से पूर्व की जाने वाली घोषणा

पेट्रोलियम की प्रकृति	पोत में की गई कुल मात्रा	पोत का नाम, भारत में (पत्तन का नाम) उतारी जाने वाली पेट्रोलियम की मात्रा	टिप्पणियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)
(क) पेट्रोलियम वर्ग "क" जिसका उपयोग अंतर्देशीय इंजन में किया जा सकता है।			
(ख) अन्य पदार्थ जिनका प्रज्वलन तापान्त 23°से. (73°फा.) से कम है।			
(ग) 23°से. (73°फा.) और 65.5°से. (150°फा.) से कम के बीच प्रज्वलन तापान्त वाला पदार्थ।			
योग			

एम. बी. का
स्वामी और मास्टर

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June, 1995

G.S.R. 523(E).—Whereas certain draft rules of Calcutta Port Rules were published, as required by sub-section 2 of Section 6 of India Ports Act, 1908 in the Gazette of India Part II Section 3 sub-section (i) under the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing), No. G.S.R. 306(E), dated 9-3-94 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days from the date on which copies of the Gazette of India in which the notification was published are made available to the public.

2. And whereas the said Gazette were made available to the public on 28th July, 1994.

3. And the suggestions/amendments received from the public etc. before the expiry of the aforesaid period have been duly considered.

4. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section (6) of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules namely :—

RULES

CHAPTER-I

GENERAL

1. Short Title and commencement :

(1) These rules may be called the "Calcutta Port Rules, 1994."

(2) They shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—

In these Rules unless the context otherwise requires,

(1) "Board" in relation to Calcutta Port means the Board of Trustees for the Port of Calcutta as constituted under the Major Port Trusts Act, 1963.

(2) "boat" means every kind of small craft by whatever name described, not mechanically propelled, used for conveyance of passengers and or cargo and also includes pontoons in tow.

(3) "Boat Surveyor" means the officer appointed by the Trustees to have charge under the supervision of the Superintendent, Boat Registration, of survey of boats requiring registration and licensing.

- (4) "Cargo boat" means boat which ordinarily carries all kinds of movable or personal property, including animals.
- (5) "Chairman" means the Chairman of the Board and includes the person appointed to act in his place under section 14 of the Major Port Trusts Act, 1963.
- (6) "Chief Mechanical Engineer" means the officer appointed by the Central Government to have charge inter alia of the Dry Docks.
- (7) "dark" means half an hour after sunset.
- (8) "day break" means half an hour before sunrise.
- (9) "Deputy Chairman, Calcutta" means the Deputy Chairman of the Board and having charge of the Calcutta Dock System under the control of the Chairman, Calcutta Port Trust and includes the person appointed to act in his place under section 14 of the Major Ports Act, 1963.
- (10) "Deputy Chairman, Haldia" means the Deputy Chairman of the Board and having charge of the Haldia Dock Complex under the control of the Chairman, Calcutta Port Trust and also includes a person appointed to act in his place under Section 14 of the Major Port Trusts Act, 1963.
- (11) "Director Marine Department" means the Head of the Marine Department appointed by the Central Government as such for the Port of Calcutta and Port approaches, and includes any other officer acting under his authority to exercise or perform the functions under the Indian Ports Act, 1908.
- (12) "Docks" means the Kidderpore Docks, Netaji Subhash Dock, Garden Reach Jetties, Haldia Oil Jetties, Haldia Docks and all lands, roads, quays, berths, sheds, warehouses, railway works and other things appertaining thereto.
- (13) "Dock Master" means the officer appointed by the Trustees to have charge, under the supervision of the Harbour Master (Ports), of the berthing and mooring of all vessels in and the moving of all vessels into, in or out of the docks except at Haldia Dock and Haldia Oil jetties.
- (14) "Dry Docks" means the two dry docks in Netaji Subhash Dock and three dry docks in Kidderpore Docks.
- (15) "ferry steamer" means every description of inland vessel which regularly plies on a fixed route within or partly within the port.
- (16) "flat" means a decked-in boat which can ply only in tow of an inland vessel.
- (17) "form" means form annexed to these Rules.
- (18) "General Manager (Operations)" means the officer of Haldia Dock Complex under the control of the Deputy Chairman, Haldia having overall charge of operation inter alia of the Marine Operation Division at Haldia.
- (19) "Harbour" in respect of vessels bound for Calcutta means the area above Panchpara pillar and inclusive of Netaji Subhash Dock, Kidderpore Docks and all moorings in the river and anchorage.
- In respect of vessels bound for/hauling out of Baj Baj moorings, the Baj Baj reach and moorings at Baj Baj shall also fall under the Harbour area.
- In respect of vessels bound for Haldia, "Harbour" means part of the stretch of river between confluence of River Haldia and River Hooghly to Balari Tower including the Haldia Banks and Nayachara bank as also Haldia Dock.
- (20) "Harbour Master (Port)" means the officer in charge of the berthing, mooring and movement of all vessels/crafts above Panchpara pillar and inclusive of Netaji Subhash Dock, Kidderpore Docks and all moorings within the Port of Calcutta except at Haldia berths and jetties.
- (21) "Harbour Master (River)" means the officer in charge of all pilotage movements between Lower College Sand Buoy and Sandheads.
- (22) "Hover craft|Hydrofoil|Sea-plane" means a power-driven craft of special construction which raises herself off the water surface or skids forward when underway.
- (23) "Inland vessel" means any vessel which is subject to the provision of the Inland Steam Vessels Act, 1917.
- (24) "Manager (Marine Operations)" means the officer under the control of the General Manager (Operations) posted at Haldia in charge of movement of ships within Haldia Dock, ingress and egress of ships in/out of Haldia Dock and other marine activities there.
- (25) "Manjhi" means any person in charge of a boat|flat.
- (26) "Master" when used in relation to any vessel, means any person other than a pilot being in charge or control of the vessel.
- (27) "navigable channel" means that portion of the river Hooghly used from time to time by sea-going vessels|sea planes, hydrofoils and defined by navigational marks and buoys.
- (28) "passenger boat" means any boat which ordinarily carries other persons in addition to the manjhi or boatman in charge and the crew.
- (29) "pilot" means a person for the time being authorised to pilot vessels.

- (30) "Port" means the Port of Calcutta and the navigable river and channels leading to it in which the Indian Ports Act, 1908 is for the time being in force.
- (31) "sea-going vessel" means every description of vessel used in sea-navigation or notified as sea-going by the competent authority.
- (32) "small craft" means every description of vessel not being a sea-going vessel or an inland vessel, which is used for the conveyance by water of human beings or of property.
- (33) "Superintendent, Boat Registration" means the officer appointed to have charge, under the supervision of the Director, marine Department, of registration licensing, survey flats, not being inland vessels plying within or partly within the Port.
- (34) "Superintendent, Dry Docks" means the officer appointed to have charge of the Dry Docks.
- (35) "Tonne" means a tonne as determined or determinable by the rules for the time being in force for regulating the measurement of the tonnage of Indian ships except in the Rules for licensing and regulating flats or boats where tonne means a tonne as determined by the provisions of Rule 71.
- (36) "Traffic Manager" means the officer appointed by the Central Government to have charge of the Traffic Department.
- (37) "Trustees" means the members of the Board of Trustees for the port of Calcutta.
- (38) "Vessel" includes every description of water craft, other than a seaplane/hydrofoil/hovercraft on water, used or capable of being used as a means of transport on water.
- (39) "vessel under way" means a vessel not at anchor or made fast to the shore or a ground.

3. Application.—These rules, unless it is otherwise stated, be applicable within the Port of Calcutta.

The provisions of these rules relating to sea-going vessels shall also apply to sea-planes/hydrofoils, but where as a result of their special construction it is not possible for sea-planes/hydrofoils to comply fully with the provisions specifying the carrying of lights and shapes they shall be complied with as far as circumstances permit. Nothing contained in these Rules shall affect the provisions of :

- (i) any Rules under the Petroleum Act, 1934 (XXX of 1934) ;
- (ii) any Rules made under the Obstruction in Fairways Act, 1881 (XVI of 1881) ;
- (iii) any Rules made under Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) ;

- (iv) any Bye-laws/Regulations/Rules made under the Howrah Bridge Act, 1926 (Bengal Act IV of 1926) ;
- (v) any Bye-laws/Regulations made under the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) ;
- (vi) any Rules/Regulations/Bye-laws made under the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986).

CHAPTER II

RULES FOR SEA-GOING VESSELS

4. Restriction on movement—Prevention of collisions at sea.—(1) Every vessel shall as and when ordered by the Director, Marine Department or Traffic Manager or Harbour Master (Port) or General Manager (Operations) or Manager (Marine Operations) moved to or from any berth, mooring or anchorage in the Port :

Provided that below Garden House Point all sea-going vessels shall proceed up or down the river on the orders of the Director, Marine Department or Traffic Manager or Harbour Master (River).

(2) Every vessel navigating the River Hooghly shall be governed by International Rules for preventing Collision at Sea, as modified or supplemented by local rules prescribed by the Trustees for navigation in the River Hooghly.

(3) Any shipowner may apply to the Harbour Master (Port) or the Harbour Master (River) for a copy of the rules mentioned in sub-rule (2).

5. Regulations of Berths and Moorings, Restriction on movement with Pilot or other authorised Officer.—(1) All sea-going vessels shall take up the berths or moorings or occupy the places appointed for them by the Traffic Manager, Director, Marine Department, Harbour Master (Port) or Manager (Marine Operations) and move from any berth, mooring or places to any other berth, mooring or places at the direction and under the charge of any duly authorised Officer of the Port.

(2) No sea-going vessels shall move into or out of, or within the Docks, or to or from a jetty/berth/mooring/anchorage, without having a Pilot, or Berthing Master or a duly authorised officer or board, unless a dispensation for the same is given under the provision of Section 31 of the Indian Ports Act, 1908.

(3) The master or the owner shall obey every lawful direction or, and act in full cooperation with all duly authorised officers of the Port for the purpose of mooring or unmoorings, moving or removing a sea-going vessel or of regulating her position or of adjusting her equipment and gear, for the loading or discharging of her cargo, for her safety or similar other purposes.

6. Application for assistance—furnishing of vessels particulars.—(1) All applications for sea-going vessels to be hauled out from Docks, moorings

or for any other assistance shall be made either personally or in prescribed form to the Harbour Master (Port) or Manager (Marine Operations). For river passage, separate applications/booking shall be made with Harbour Master (River).

(2) Before a sea-going vessel is brought into the Docks or placed alongside the jetties, the master or owner or agents shall furnish to the Traffic Manager or Harbour Master (Port) or Manager (Marine Operations) or other duly authorised officer of the Port full particulars of the vessels' dimensions, draft, tonnage and special features of equipment or construction in the prescribed form.

7. Use of tugs, Use of anchors.—(1) Every sea-going vessel wishing to move within the port or in the navigable channels of the river shall employ such tugs for the purpose as are in the opinion of the Harbour Master (Port), Harbour Master (River) or Manager (Marine Operations) or the Pilot in charge, necessary for her safety.

(2) Before taking over charge of a vessel at Garden Reach Point, a Pilot shall satisfy himself that two serviceable bower anchors are ready for use and a third anchor is in such a position on deck that it can be brought into use in case of necessity. A pilot shall also satisfy himself that sufficient cable is attached to each of the bower anchors.

8. Power of vessels.—The Master of every sea-going vessel entering or leaving any mooring or any dock or Jetty berth under her own power shall be responsible for the maintenance of sufficient power to work her engines at full speed, ahead as may be required.

9. Use of moorings.—No sea-going vessel shall make fast to, or use any mooring, fixed or swinging, without the permission of the Director, Marine Department or Harbour Master (Port) or Manager (Marine Operations).

10. Vessels at swinging moorings.—Every sea-going vessel lying at a swinging mooring shall, from the 15th June to 31st October have, in addition to her bower chain, the end of a good hawser made fast to the ring of the mooring.

11. Anchors at bow.—Every sea-going vessel under way, or lying in the stream or at a mooring shall at all times have at least one anchor at the bow with a cable bent ready for letting go at short notice.

12. Mooring of vessels.—No person shall moor any sea-going vessel in any manner other than that prescribed by the Director, Marine Department or Harbour Master (Port) or Manager (Marine Operations) or alter without the permission of such officers, the mooring of any sea-going vessel save for the purpose of causing undue strain or of taking up undue slack on her moorings.

13. Prohibition of anchoring.—Unless a Pilot or Harbour Pilot is on board, no sea-going vessel shall lie at anchor in the port without the authority of

the Director, Marine Department or Harbour Master (Port) or Harbour Master (River) or Manager (Marine Operations).

14. Precaution against bore tides.—When bore tides are expected every sea-going vessel lying at moorings in the stream—

- (a) shall have her best hawsers made fast to the flood moorings or to her own chains close to the moorings and have taut with sufficient strain to relieve the jerk on the chains and bits when the bore makes;
- (b) shall take up bore anchor moorings whenever required to do so by the Director, Marine Department or Harbour Master (Port);
- (c) shall have power ready on her main engines, steering gear, windlass and winches for immediate use in an emergency and;
- (d) no person shall come or be upon any pontoon while a bore tide is expected or in progress.

15. Vessels not to remain alongside pontoon.—No vessel shall remain alongside any pontoon except for the purpose of landing or shipping goods or of disembarking or embarking passengers.

16. Trial of engines.—No sea-going vessel occupying moorings in the docks or in the stream or lying at a dock berth should tune her propellers without giving sufficient warning to all boats in the vicinity and unless a pilot or Berthing Master is on board during engine trials, propellers may only be turned at dead slow speed for short periods, in each direction. No trial over the power of dead-slow for a very short period shall be made, except under the direction of a Pilot or Berthing Master.

17. Dismantling of engine.—No sea-going vessel shall, without the permission of the Director, Marine Department or Harbour Master (Port) or Traffic Manager or Manager (Marine Operations) dismantle her engines or otherwise render herself incapable of movement.

18. Storm Signals.—When storm signal No. VIII, IX or X is hoisted on the flagstaff at Trustees' Office, at 15, Strand Road, the flagstaff on the clock tower at the entrance to Kidderpore Docks and the flagstaff on the house of the Harbour Pilot or Pilot at Baj Baj or other authorised position in the port, the Master of all sea-going vessels shall immediately take every precaution in their power to make their vessels snug and secure and in particular shall keep a second anchor ready for letting go.

19. Crews for vessels.—Subject to the provisions of rules 21, 22, 23, 24 and 25, all sea-going vessels in the Port shall have on board a sufficient number of crew to perform any duty which may become necessary for their safety or normal movement and in any emergency.

20. Double banking.—All sea-going vessels berthed in the docks either alongside the quay berth or at the buoys must be prepared to receive other

vessels alongside them at short notice. The vessel stationary in the berth shall provide all the facilities to the vessel approaching to be berthed alongside in the interest of safety of both the vessels.

21. License of minimum crew.—Whenever any sea-going vessel is laid up in any berth or mooring specially allotted to her for that purpose, it shall be lawful for the Trustees by the hand of their Chairman to grant for a stated period a license, in Form A of the Schedule authorising the vessel to remain at her berth or mooring with the minimum crew specified in that licence.

22. Revocation of licence.—It shall also be lawful for Chairman, in Form B of the Schedule to revoke the aforesaid licence in Form A, and on and after the publication of such revocation, which shall be effected by posting a copy thereof upon some conspicuous part of such vessel, the provisions of rule 19 shall apply to the vessel as if no such licence had ever been granted.

23. Licence to lie without crew.—Whenever it will appear to the Chairman that any creek, river or dock is so situated that sea-going vessels without any crew therein may remain afloat in such creek, river or dock without danger to any vessel in any part of the port, it shall be lawful for the Chairman in Form C of the Schedule to issue a licence exempting any such vessel from the provisions of rule 19 and if he thinks fit to revoke, or from time to time amend the aforesaid licence.

24. Smoking.—No person shall smoke or use naked lights of any description in a hold or between docks of a sea-going vessel or in any enclosed space in such vessel containing stores, cargo, or inflammable materials.

25. Lights.—No sea-going vessel shall without the permission of the Director, Marine Department or General Manager (Operations) use any lights other than electric lights, provided that this rule shall not apply to emergency navigation or riding lights.

26. Fires.—Lighting of fires on sea-going vessel shall be permitted only in galleys or properly constructed fire-places.

27. Fire works.—The discharge of fire-works is prohibited on all sea-going vessels.

28. Measures during fires.—When a fire has broken out in any vessel, the masters of all sea-going vessels in neighbouring berths or moorings shall furl their awnings, get their force pumps and hoses ready for use and prepare to slip their cables or hawsers.

29. Projection from vessels.—All sea-going vessels proceeding to or from the docks or jetties shall turn in all boats and remove all projections likely to collide with any wall, pier or jetty or quay equipment.

30. Projecting equipment.—No sea-going vessel lying above Garden House Point shall have projecting from her side any anchor, spar or other equipment likely to cause damage to other vessels.

31. Discharge of noxious wastes|filth|rubbish.—No person shall (a) wilfully discharge into the river

or any dock, any petroleum or other inflammable liquid.

(b) wilfully throw any liquid of a noxious character or any filth or rubbish into the waters of the river or of any dock.

32. Protection of environment.—(1) No person shall,—(a) lay or place any ballast|rubbish|cargo|goods|articles|substance on any quay|pier|jetty|vessel in such a position that the same or any part of the same will be likely to fall into the water, if such ballast|rubbish|cargo|goods|articles|substance is likely to be detrimental to environment or cause damage to shipping after falling into the river.

(b) cast/throw or permit or suffer any ballast rubbish|cargo|goods|articles as referred to in sub-rule (1) of this rule to fall into the docks or the river from any pier, quay, jetty or vessel.

(2) The Master or any vessel from which any such cargo|goods|articles|substance|thing as aforesaid have been cast or thrown or have fallen into the docks or the river shall forthwith report full particulars of the occurrence to the Dock Master or the Harbour Master (Port) or Manager (Marine Operations) as the case may be.

33. Sounding of whistles.—No sea-going vessel shall sound her whistle or siren except in accordance with the International Rules for Preventing Collisions at Sea as modified for the River Hooghly :

Provided that no sea-going vessel shall continuously sound a whistle or siren.

34. Blue Peter.—Every sea-going vessel about to leave the Port shall hoist the Blue Peter at the fore at 6 A.M. on the day prior to that on which she breaks moorings, and shall keep it hoisted until the pilot assumes charge to take her to sea ; Provided that this rule shall not apply in time of War.

35. International Code Flag 'A'.—Every sea-going vessel entering moorings or proceeding to a jetty shall hoist International Code Flag A on the trialie stay and shall keep it so hoisted until the Harbour Pilot or Pilot in charge, when he considers it safe for inland vessels and small craft to come alongside orders it to be lowered.

36. Prohibition of private signals.—No signals excepting those authorised by the International Code of Signals shall be hoisted by a sea-going vessel without the authority of the Director, Marine Department or Harbour Pilot or the General Manager (Operations) or Pilot in charge.

37. Signal lights.—Every sea-going vessel shall between dark and day break exhibit the lights required by the International Rules for Preventing Collisions at Sea. No other signal lights shall be exhibited except by direction of the Pilot in charge.

38. Use of search lights.—The use of search-lights by any sea-going vessel whilst within the port is prohibited except by the direction of the Director, Marine Department Harbour Master (Ports) or Harbour Pilot or the Pilot, in charge or Manager (Marine Department).

39. Display of lights while towing|pushing.—Every sea-going vessel when being towed|pushed shall display lights|shapes as prescribed for such vessels by the International Rules for Preventing Collisions at Sea as may be in force|amended from time to time.

40. Lights of the sea-going vessel not to interfere with the lights of tugs.—Every sea-going vessel in the port in tow of tugs lashed alongside shall extinguish all lights which interfere with the visibility of the lights exhibited by the tugs.

41. Towing lights.—A sea-going vessel towing another sea-going vessel in the port shall :—

- (a) When towing ahead exhibited lights prescribed by International Rules for Preventing collisions at Sea ;
- (b) When towing alongside exhibit side lights only on the side away from the tow.

42. Towing lights for tugs.—The additional white light mentioned in clause (b) of rule 41 shall not be carried by a sea-going vessel going in tow in the port with tug|tugs alongside.

43. Lights for vessel aground and vessels at anchor.—(1) Every sea-going vessel aground in the Port or the navigable channel of the river shall exhibit lights|shapes in accordance with the International Rules for Preventing collision at sea as may be in force|amended from time to time.

(2) The black ball required to be exhibited by vessels at anchor as prescribed in the International Rules for preventing collision at sea shall not be carried by any vessel between Saugar Roads and Rabindra Setu.

(3) A black ball at the foremast or at the Signal Yardman on the foremast shall be shown by every vessel under weigh when going full speed. The ball is to be lowered down half-way when the engine of the vessel are running at reduced speed or when the vessel is manouvering. The use of the ball is compulsory for the vessels under weigh between Saugar Roads and Rabindra Setu and optional below Saugar Roads.

44. Precaution against accidents.—The master of every sea-going vessel shall take all necessary precautions by placing guards or otherwise to prevent injury to persons or damage to property through the discharge of steam, oil or water from any part of his vessel.

45. Securing beams and hatchway.—When cargo is being loaded into or unloaded from a sea-going vessel through any of her hatchways, whether on deck or below, the longitudinal (fore and after) and athwartship beams and hatchway covers of such hatchways shall be secured in such a manner as will effectually prevent them from falling into the hold or overboard.

46. Safty of workmen.—The Master of any sea-going vessel requiring work to be done in bilges, boilers or double bottoms shall take all precautions to ensure that working conditions in such places are made safe before any person is sent into them.

CHAPTER III

RULES FOR INLAND VESSELS

47. Comprehensive Rules.—The provisions of rules 9, 10, 11, 24, 25, 26, 27, 28, 31, 32, 33, 41 and 43 shall apply in relation to inland vessels as they apply relation to sea-going vessels.

48. Navigable Channel.—Every inland vessel shall be so naviga'ed as to keep free the navigable channel required by sea-going vessels.

49. Regulation of Berths and Moorings.—Every inland vessel shall take up, or move to or from, any berth, mooring or place when directed to do so by a duly authorised officer of the Port.

50. Anchoring.—No inland vessel shall anchor in such a position or in such a manner as to offer obstruction to any sea-going vessel in the navigable channel.

51. Restriction on movement.—No inland vessel shall proceed alongside any sea-going vessel for any purpose while International Code Flag "A" is flying on the triatic stay of the latter.

52. Regulation of Rules.—Every inland vessel passing under the Vivekananda Bridge at Bally shall, when proceeding from North to South, pass between piers Nos. 2 and 3 and when proceeding from South to North between piers Nos. 2, 3 and 4.

53. Prohibited Anchorage.—No inland vessel shall anchor :—

- (a) in Garden Reach between the Lower College Sand buoy and the Upper Panchpara Flat buoy ; or
- (b) in Baj Baj Reach between the Fort Gloster buoy and the southern boundary pillars of the Port of Calcutta ;
- (c) in Haldia Reach between Haldia River and Balari Tower.
- (d) in the area Cossipore to Bally between a line drawn north of Pran Nath Roy Chowdhuri's Ghat to a point 250 feet North of Chuni Mull Khettri's Ghat on the right bank and a line drawn from the north end of the Cossipore Gun and Shell Factory on the left bank to a point 700 feet south of Gardener's House on the right bank ;
- (e) in the area Khardah to Barrackpore—between a line drawn 950 feet north of Jagannath Ghat to a point 125 feet north of a ghat at Titagarh Jute Mill on the left bank and a line drawn 700 feet south of Jagannath Ghat on the right bank to a point 300 feet north of the northern jetty of the Khardah Jute Mill on the left bank ;
- (f) in the area Ichapur to Sharnagar between a line drawn 350 feet south of Durgamoni Ghat on the right bank to a point 1,200 feet north of Shastitola Ghat on the left

bank a line drawn 350 feet north of Cherbindi Ghat on the right bank to point 850 feet north of Harish Basu's Ghat Shamnagar, on the left bank.

54. Free Passage.—Every inland vessels at anchor or under way, shall at all times afford free passages of sufficient width to piers, jetties, landing places, wharves, quays, docks and moorings.

55. Navigation Rules.—Inland vessels navigating the River Hooghly shall navigate at all times as follows :—

- (a) between Kidderpore Docks and Netaji Subhash Dock, on the edge of College Sand ;

Provided that no inland vessel with a flat or flats in tow when coming up on the flood tide between sunset and sunrise shall proceed above Netaji Subhas Dock until the ebb tide has made ;

- (b) between Netaji Subhas Dock and Rajabagan Ferry Station, either close to the right bank or to the outer line of moorings close to the left bank of the River ; Provided that every inland vessel other than a stern wheeler, launch, tug or ferry steamer which has no other craft in tow shall when sea-going vessels are under way and about to turn either on the flood or ebb tide heave to on the College Sand if she is above the sea-going vessels and off the Union South Jute Mill if she is below them until such time as the sea-going vessels have completed the manoeuvre of turning round ;
- (c) between Rajabagan Ferry Station and Akra Semaphore on the edge of Sankral Sand ;
- (d) between Akra Semaphore and Pir Serang Shrine, on the edge of Munikhali Sand ;
- (e) between Pir Serang and the north end of Budge Budge, on the edge of Kofri Sand ;
- (f) between the north end of Baj Baj and the Premchand Jute Mill, near the right bank of the River and on the edge of Budge Budge Sand ; Provided that between Fort Gloster Flat Buoy and the Lo'hian Jute Mill no inland vessel other than a stern wheeler, launch, tug or ferry steamer which has no other craft in tow shall navigate the channel when sea-going vessels are turning or about the turn on either the flood or ebb tide ;
- (g) between the Premchand Jute Mill and the upper end of Moyapur Bar, on the edge of Achipur Sand ;
- (h) On Moyapur Bar, the shallow tracks ;
- (i) in Royapur Reach, on the edge of Royapur Sand ;
- (j) on Royapur Bar, the shallow tracks ;
- (k) in Brul Reach, on the edge of Brul Sand ;

- (l) in Fisherman's and Fulta Reaches on the edge of Fulta Sand ;

- (m) in Ninan Reach, on the edge of Shippunge Sand ;

- (n) in Nurpur Reach, and in the vicinity of the James and Mary, the Western Gut ; Provided that between the 15th August and 1st December they may navigate the Eastern Gut during the ebb tide ;

- (o) From Hooghly Point to Hospital Point, the left bank of the River over Hooghly sand ;

- (p) from Hospital Point to the Silver Tree Point, the left bank of the river.

56. Guidelines for movement of inland vessels.—From Rabindra Setu down to and including Duff Point inland vessels crossing or intending to cross from one side of the navigable channel to the other, shall not obstruct the passage of, or cause risk of collision with, any sea-going vessel which is using the crossing at the time, but shall slacken speed, stop or reverse and if necessary turn round.

57. Restriction on speed.—(1) Outward bound vessel shall when approaching Baj Baj and abreast of Madhu Chak Mark in Kofri Reach reduce their speed to six knots through the water and the speed shall not be increased until the vessel has passed the Lower Fising Marks at Baj Baj.

Inward bound vessels shall reduce their speed to six knots through the water when abreast of the Upper Baj Baj Sand Buoy in Baj Baj Reach and shall not increase their speed until they have passed the Fort Gloster Column.

Provided, however, that if at six knots the vessels makes a wash which might cause other vessels in the Baj Baj mooring to range on their mooring cables, the speed shall be further reduced.

(2) No vessel shall over take any other vessel off the Baj Baj Oil Moorings.

(3) No vessel shall pass Haldia Oil Jetty at a speed in excess of six knots or at a speed which may cause the vessel alongside Haldia Oil Jetty to range.

58. Unmooring during freshets.—Inland vessels lying above Rabindra Setu shall not haul out of moorings from 15th June to 31st October during the last quarter of the ebb.

59. Storm signals.—When a storm signal is hoisted on the flag staff at the Trustees' office, 15, Strand Road the flag staff on the clock tower at the entrance to Kidderpore Docks and the flag staff on the Harbour Pilot's house at Baj Baj or other authorised position in the port the masters of all inland vessels shall immediately take every precaution in their power to make their vessels snug and secure.

60. Inland vessels and bores.—No inland vessel shall lie alongside a floating pontoon while a bore is making. Any inland vessel lying alongside a floating pontoon when a bore is due, shall cast off and lie in the stream till the bore has passed, when it may, if so required, proceed alongside again.

61. Crews for vessels.—Every inland vessel shall have on board a sufficient number of crew to perform any duties which may become necessary for her safety or movement in any emergency.

62. Prescribed lights.—Every inland vessel shall exhibit the lights prescribed in the Rules made under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1. of 1917).

63. Search lights.—Inland vessels are permitted to use search-lights for navigational purposes; provided that no search-light shall in any circumstances be directed so as to interfere with the navigation of any vessel under way.

64. Fire appliances.—Every inland vessel shall carry the fire appliances prescribed in the Rules made under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917).

CHAPTER—IV

'RULES FOR FLATS AND BOATS'

55. Comprehensive Rules.—The provisions of Rules 9, 10, 11, 27, 31, 32 and 43 shall apply in relation to flats and boats as they apply in relation to seagoing vessels; and the provisions of Rules 48, 49, 50, 51, Sub-rules (c), (d) and (e) of rule 53, rules 54, 59 and 60 shall apply in relation to flats and boats as they apply in relation to inland vessels.

66. Boat Registration and licensing.—No flat or boat shall ply whether regularly or occasionally, within or partly within the Port, unless it has been registered and licensed on payment of prescribed fees. The Boat Surveyor shall at the time of registration brand on the flat or boat her registered number and tonnage: Provided that no flat or boat required to be registered under the Registration of Barges Rules, 1952, shall be registered and licensed by the Trustees, unless such flat or boat has been registered by the Registering Authority, Government of West Bengal and has had her registered number branded according to the provisions of the said Registration of Barges Rules, 1952, and no number shall be branded on such flat or boat by the Trustees' Boat Surveyor.

67. Application for Registration.—Every application for the registration of a flat/boat shall be made in writing to the Trustees' Boat Surveyor in Form 'D' of the Schedule with an affidavit and photo certificate furnishing the following particulars :

- (a) Owner's name and address, or name and address of his duly authorised agent in Calcutta,
- (b) description of the boat or flat, and
- (c) nature of licence, cargo or passenger, held or required.

68. Method of Registration.—Every flat or boat requiring registration, shall, if a flat, be placed at a convenient mooring or, if a boat be sent to the special licensing buoys at Outram Ghat for measurement under rule 70 by the Trustees' boat Surveyor who shall enter in a register, to be maintained by him, the particulars mentioned in rule 67, together with all relevant measurements taken under rule 70. ●

Every flat/boat requiring registration shall be placed at the licensing buoy or at a convenient place for stage inspection to be carried out by the Trustees Surveyor on payment of the prescribed fees, Provided that any flat/boat may, on payment of prescribed fees, be surveyed at the owner's workshop.

69. Cancellation of Registration.—The registered number of a flat/boat shall remain in force as an identification number throughout the whole working life of the flat/boat unless—

- (a) the flat/boat remains unlicensed for a period of 3 years ;
- (b) the flat/boat is condemned by the Trustees' Boat Surveyor as unfit for further service;
- (c) the number branded on the flat/boat becomes obliterated and cannot otherwise be traced, and
- (d) the dimensions of the flat/boat are altered.

70. Method of measurement.—Every flat/boat shall for the purpose of these rules be measured—

(i) for Cubic Capacity by the formula $L \times B \times D \times K = \text{Cubic Capacity}$ where :

- L is the length in metres measured from the inside of the stem post to the inside of the stern post;
- B is the greatest breadth in metres measured from side to side inside the ceiling planks or inside the frames whichever measurement is less;
- D is the greatest depth in metres from a line extended from side to side across the upper most continuous strakes to the upper side of the floor ceiling plank or to the upper side of the floor whichever measurement is less;
- K is a constant dependent on the type of flat/boat and taken from the following table :—

Class I :—

- (a) Flush decked, square built and open boats and flats....K=0.9
- (b) Bazar boats where the brake forwarded and aft does not exceed 23 cms....K=0.8
- (c) Bazar boats where the brake forward and aft exceeds 23 cms....K=0.7

Class II-Open country boats known as—

- (a) Jolly boats or powoos.....K=0.9
- (b) HollahaxK=0.83
- (c) Bhurs and ponsways.....K=0.8
- (d) Dinghees, Bowleahs and Green boats-K=0.64
- (e) ChetesK=0.63

Provided that (i) for straw boats Cubic capacity shall be measured by the same formula in which L and K are taken as above, and

B is the breadth in metres measured inside the ceiling planks or inside the frames, whichever measurement is less, under the deck beam amidships,

D is the depth in metres measured from the under-side of the deck beam amidships to the upper side of the floor ceiling planks or to the upper side of Keelson whichever measurement is the less ;

(ii) for Freeboard—

(a) by taking if it is a decked or open flat or boat of iron and steel, the figure in the column headed "F1" or "F2" as the case may be corresponding to the depth of the vessel (D) in accordance with the following table, the correction (C) being applied where the length (L) does not correspond with the depth.

D	L	F ₁	F ₂	C
m	m	cm	cm	cm
1.68	16.76	22	30	1.905
1.83	18.29	24	32	1.905
1.98	19.81	27	36	1.905
2.13	21.34	29	39	1.905
2.29	22.86	32	43	1.905
2.44	23.38	35	46	1.905
2.59	25.91	37	49	2.223
2.74	27.43	40	53	
2.90	28.96	42	56	2.223
3.05	30.48	45	59	2.223
3.20	32.00	47	63	2.223
3.35	33.53	50	66	2.223
3.51	35.05	53	71	2.540
3.66	36.58	57	76	2.540
3.81	38.10	60	80	2.540
3.96	39.62	64	84	2.540
4.11	41.15	68	90	2.540
4.27	42.67	70	93	2.540

D =Depth.

L =Length

F₁=Freeboard for decked flats or boats of iron or 1 steel.

F₂=Freeboard for open flats or boats of iron or steel.

C =Correction to be applied to the freeboard for every 3.05 metres difference in length.

(b) by taking, if it is a wooden boat either square built or country built, or a composite built boat, 8 cms. for every 30 cms. depth of hold, as measured under clause (i) above.

(iii) for passengers by dividing the superficial area in square metre of the deck space available for passengers by 0.5574 and counting, if carried, two children below the age of 12 years or 74.64 Kgs. weight of luggage as the equivalent of one passenger.

Provided that for boats belonging to private firm or companies and used exclusively for the conveyance of

their employees, the divisor shall be 0.3710 instead of 0.5574.

(iv) for passengers and cargo under clause (i) and (ii) above.

71. Application for licence.—Every application for a licence for a flat/boat shall be made in writing to the Trustees' Boat Surveyor in Form "E" of the Schedule and shall contain the following particulars :

- Owner's name and address, or
- name and address of his duly authorised agent in Calcutta,
- a description of the flat or boat,
- the registered number branded on the flat/boat by the Trustees' Boat Surveyor or the registered number marked according to the provisions of the Registration of Barges Rules, 1952, and
- the name of the Manjhi in charge of the flat/boat.

72. Method of Licensing.—Every flat or boat requiring a licence shall, if a flat, be placed at a convenient mooring or, if a boat be sent to the special Licensing Buoy at Outram Ghat for survey by the Trustees' Boat Surveyor who, on payment of prescribed fees, shall :

- issue a licence, if the flat/boat is found to be in good order and suitable for the purpose for which it is intended, or
- indicate, if the flat/boat is not in good order, the repairs or alternations necessary before a licence can be granted;

Provided that any flat/boat may, on payment of the prescribed fees, be surveyed at the owner's workshops.

Every flat/boat so licensed other than a flat/boat required to be registered under the Registration of Barges Rules, 1952, shall have her registered number in figures not less than 15 cms., high painted/welded/engraved on both bows by the Trustees' Boat Surveyor.

73. Manjhi's Licence.—No flat/boat shall be allowed to ply within the port unless it is in charge of a Manjhi licensed by the Trustees. Manjhi Licence Book which is not transferable shall contain all the licences granted to the Manjhi and such licences will ordinarily be issued at the same time as the flat/boat licence. A Manjhi newly appointed having no earlier Manjhi Licence in his name will have to appear before the Board Surveyor for test after three months of working for which licence was issued. A Manjhi newly placed licence to the Trustees' Boat Surveyor and shall himself apply for a licence to the Trustees' Boat Surveyor and shall procure the licence of the flat/boat in which his name shall be entered by the said Surveyor.

A Manjhi licence may be revoked in case of breach of any of the conditions of the licence or these rules by the concerned Manjhi.

Failure to appear before the Trustees' Boat Surveyor for test on the expiry of the licence granted to him shall render the Manjhi liable to be charged duplicate Manjhi licence fees on every such occasion for immediate subsequent licensing.

74. Manjhi Licence Book.—Manjhi's Licence Book is obtainable from the Boat Registration office on payment of prescribed fees.

75. Cargo boat crew.—(1) Every flat or cargo boat plying in the port shall carry —

- (a) an approved life-buoy or a suitable approved substitute with a suitable life line attached to it of size not less than 1 inch in circumference are 10 fathoms in length ;
- (b) when under way, when in tow or when waiting outside the entrance to the Kidderpore or Netaji Subhas Docks, the crew laid down in sub-rule (2);
- (c) 50 per cent of the crew laid down in sub-rule (2) subject to a minimum of two, when laid-up. The rounding of fractional figures, for this purpose will, as a special case, be the nearest lower whole number. However, when a flat or a cargo boat is laid-up at sites above the Vivekananda Bridge, a minimum of one crew/watchman only will be necessary.

(2) The crew for a flat or cargo boat shall be as under :

Category of flat or boat	Manning Scale
(i) Upto 60 registered metric tonnes.	1 Manjhi
(ii) exceeding 60 registered metric tonnes but not exceeding 90 registered metric tonnes.	1 Manjhi 3 Dandees
(iii) exceeding 90 registered metric tonnes but not exceeding 15 registered metric tonnes.	1 Manjhi 4 Dandees
(iv) exceeding 115 registered metric tonnes but not exceeding 160 registered metric tonnes.	1 Manjhi 5 Dandees
(v) exceeding 160 registered metric tonnes	1 Manjhi 6 Dandees.

76. Passenger boat crew.—Every passenger boat plying in the port shall carry :—

- (a) Not less than two approved life-buoy or suitable approved substitutes with suitable life lines attached to them not less than 1 inch in circumference and 10 fathoms in length, and if she is licensed to carry more than 40 passengers, one additional approved life-buoy or a suitable approved substitute with a suitable life line attached to it for every additional twenty passengers or part thereof,

(b) When under way or playing door hire, if she is licensed for —

not more than 10 passengers, a crew of	2 Dandees 1 Manjhi
not more than 15 passengers, a crew of	3 Dandees 1 Manjhi
not more than 20 passengers, a crew of	4 Dandees 1 Manjhi
not more than 25 passengers, a crew of	5 Dandees 1 Manjhi
not more than 30 passengers, a crew of	6 Dandees 1 Manjhi
not more than 35 passengers, a crew of	7 Dandees 1 Manjhi

(c) When laid up for the night or when lying at anchor if she is licensed for —

not more than 15 passengers, a crew of	1 man
not more than 20 passengers, a crew of	2 men
not more than 30 passengers, a crew of	3 men
more than 30 passengers, a crew of	4 men

77. Load line.—Every flat/boat exceeding the registered measurement of 28 cu. mts. shall have her load line, which shall at no time be submerged, indicated by a conspicuous mark cut into the hull and painted white on dark ground. This mark shall be made by the Trustees' Boat Surveyor at the time of registration.

78. Exhibition of passenger plate.—Every boat licensed to carry passengers all exhibit a passenger plate on which shall be shown in English and Bengali the registered number of the boat, licence number, the number of passengers she is authorised to carry, the number of her crew and the expiry date of her licence.

79. Inspection of licence.—Every Manjhi in charge of a flat or boat plying in the port shall carry his own licence and the licence of his flat/boat, each of which shall be produced whenever it is required by the Port Police or by an officer/staff duly authorised by the Trustees.

The licence of a passenger boat shall also be produced for inspection at the request of any passenger.

80. Seizure of licence.—In case of breach of these rules or any of the conditions of the Licence by the owner or agent or Manjhi of the flat or boat, the flat/boat may be seized by the Port Police or by an Officer/Staff authorised by the Trustees and kept in police custody till finalisation of the dispute.

The boats/flat plying without licences or with expired licence or without licensed Manjhi or with a Manjhi with expired Manjhi licence may be seized by the River Traffic Police and placed at the licensing Buoy for registering and licensing as the case may be by the Superintendent, Boat Registration. The licences of such sized boats/flats shall be referred to the Superintendent, Boat Registration for recovery of prescribed charges.

81. Duration of licence.—Every licence granted under these rules shall usually continue to be in force for one year from the date on which it is granted, unless revoked. The licence may also be granted to a boat/flat for restricted period of less than a year, if considered necessary. Duplicate licence may also be issued in lieu of lost or deferred licence.

Every expired or revoked licence shall be surrendered to the Trustees' Boat Surveyor without delay.

82. Extension of licence.—An extension of licence may be granted for a period not exceeding 3 months at the rate prescribed in the Calcutta Port Trust Scale of Rates :

Provided that no such extension shall be granted until the flat/boat has been surveyed and found to be in good order and suitable for the purpose for which it is intended.

Notwithstanding anything contained in this rule an extension of licence for a period not exceeding three months may be granted without a survey in case of a boat held up outside the Port of Calcutta and its navigable river and channels.

83. Renewal or extension of licence under certain circumstances.—(1) The owners of boats and flats plying within the port shall be responsible for renewal or extension of licences, granted for such vessels, immediately on the expiry of such licences unless the vessels are completely laid up for repairs and cease to ply in the Port at that time. When the boats or flats are not actually plying at the time of renewal or extension of licence, the owners shall inform the Trustees' Superintendent, Boat Registration in the prescribed form within a week therefrom.

(2) Failure to comply with the provision shall without prejudice to the other rights of the Trustees, render the owner liable to be charged licence fees at double the rate (for the expired period) from the date of expiry of the licence or at such enhanced rate as may be laid down by the Trustees from time to time.

84. Continuity of licence.—(1) The continuity of the licence shall be maintained if application for renewal/extension of the expired licence of the boat/flat is made and such boat/flat presented within seven days of the expiry of the licence.

(2) The break in continuity of licences granted shall be allowed in regard to boat laid up for repairs only. The owners must state the location, type of work involved and the duration of such repairs and apply for laying up the boat/flat. Discontinuity of licence shall only be allowed if the laid-up period is over six weeks and prior intimation in writing is given to the Trustees' Superintendent, Boat Registration by the Boat owner before the expiry of the licence.

(3) In case the validity of licence of a boat/flat expires while the boat/flat is in inside the Docks loaded with cargo and awaiting discharge, the owner should inform the Superintendent, Boat Registration at least a week prior to the expiry of such licence and obtain extension certificate or temporary licence after survey on account of the reason stated above and deposit

the prescribed fees as the case may. The Superintendent, Boat Registration on being satisfied will stamp their licences stating that such boats/flats are not be loaded again and are to be placed for survey outside the docks on completion of discharge of cargo. In the event of failure to comply with the above provision the normal penalty charges shall be levied.

85. Refusal of licence.—The Trustees reserve the right to refuse any application for the issuance or extension of a licence, for reasons to be recorded in writing and communicated to the applicant for licence.

86. Re-measurement.—The owner or agent of a flat or boat which has been altered in dimension during the currency of its licence shall at once send it to the Trustees' Boat Surveyor for re-measurement.

87. Re-Survey.—The Trustees may at any time direct a licensed flat or boat to be re-surveyed, without any fee.

88. Transfer of ownership.—The transfer of ownership of flats/boats may be effected by submitting the prescribed form duly filled-up and stamped, a money receipt and by delivery of possession of the flats/boats. The transferor must for the sake of record procure a letter from the transferee being the lawful owners of the flat/boat addressed to the Board of Trustees that a transfer of the flat/boat has been made indicating the mode of transfer and stating that the transferor has no further interest in it.

An advertisement will be issued in one of the leading newspapers, at the purchaser's expense notifying sale of a flat/boat as well as furnishing details, of the flat/boat viz. brand, registered tonnage, date of sale, name of the seller and the purchaser, etc. Such advertisement would be issued by the Superintendent, Boat Registration, Calcutta Port Trust giving a time limit of 15 days to the general public to notify their objections in writing together with documentary proof, if any, to the authorities concerned and if no objection is forthcoming within the stipulated time limit, then the transaction would be taken as finalised and the flat/boat, would be transferred in the name of the purchaser.

89. Loss of boat.—If a flat/boat is broken up or lost, the owner or agent shall without delay return the certificate of Registry and the licence to the Boat Surveyor for cancellation.

90. Unlicensed boat with cargo.—(1) Every flat or boat arriving in the Port without a licence or with a licence which has expired and wishing to discharge cargo shall at once apply for an unloading permit at the nearest Inland Wharves Toll Office and deposit with the Cashier a charge at double the rate of the maximum licence fee payable for the boat/flat for one year.

(2) Any flat/boat discharging cargo under this rule shall within 15 days of the date of entering the Port, or if a straw boat, without 30 days, proceed for survey and licence to the licensing buoy at Outram Ghat. Any balance of deposit remaining after payment of the prescribed fees for licensing shall be refunded to the party concerned.

(3) No amount deposited under this rule is refundable if the boat/flat sent for repair or relicensed for restricted period is not surveyed within the time or the formulates under the port Rules are not observed.

91. Carriage of passenger.—No person in charge of a licensed passenger boat plying for hire in the port shall, without good reason, refuse to carry in such boat a passenger tendering the proper hire.

92. Boats to be under control.—All boats under way within the port shall themselves have sufficient control or shall be in tow of a vessel of sufficient power so that they are able to keep free the navigable channel required by sea-going vessels.

93. Clearance area for sea-going vessels.—The navigable channel between the Lower College Sand Buoy and the Upper Panchpara Flat Buoy and between the Port Gloster Flat Buoy and the southern boundary pillars of the Port of Calcutta shall, at all times, be kept clear for the manoeuvring of sea-going vessels.

Boats may lie ashore on the right bank in Garden Reach but they shall not place or have any anchors or mooring tackle in the stream.

94. Navigation Rules.—(a) (1) Flats or boats within the port shall, at all times, navigate as follows :

- (a) between Kidderpore Docks and Netaji Subhas Dock, between the right bank of the river and the line of buoys marking the edge of College sand ;
- (b) between Netaji Subhas Dock and Rajabagan Ferry Station, close either to the right bank or to the outer line of mooring buoys on the left bank of the river ;
- (c) between Rajabagan Ferry Station and Akra Semaphore, on the edge of Sankral Sand ;
- (d) between Akra Semaphore and Pir Serang Shrine on the edge of Manikhali Sand ;
- (e) between Pir Serang Shrine and north end of Baj Baj, on the edge of Koffri Sand ;
- (f) between the north end of Baj Baj and the southern boundary of the port, on the right back of the river.

(2) From Rabindra Setu down to and including Luff Point every flat or boat navigating near a crossing shall proceed with caution and, if necessary anchor outside the navigable channel so that sea-going vessels may pass clear.

94. Restriction on movement.—(b) No boat shall proceed alongside any sea-going vessel entering moorings or proceeding to a jetty berth, when during the day, International Code Flag 'A' is flying at the triatic stay of the vessel, or when at night, two lights are exhibited vertically, that is a red light over a white light six feet apart visible all round the horizon.

95. Cargo boats alongside sea-going vessels in moorings.—The maximum number of cargo boats

permitted to lie abreast of each other on the outside of vessels in the outer berth of the undernoted moorings shall be :—

In No. 1 Calcutta Moorings, 1 flat or 2 boats.

In No. 4 Esplanade Moorings, 1 flat or 4 boats.

In No. 3 Esplanade Moorings, 1 flat or 4 boats.

In No. 2, Esplanade Moorings, 1 flat or 5 boats.

In No. 1 Esplanade Moorings, 1 flat or 5 boats.

In No. 1 Princeps Moorings, 1 flat or 4 boats.

In No. 3 Hastings Moorings, 1 flat or 5 boats.

In No. 2 Hastings Moorings, 1 flat or 5 boats.

96. Inland vessels.—No flat/boat shall lie at or alongside the Inland Vessels Wharves for the receiving, landing or shipment of goods out of, or into, any vessel, not being a sea-going vessel, except when such flat/boat is so landing or shipping goods.

97. Fishing boats.—Fishing boats are exempted from registration and licensing. However, these boats, shall observe all other rules applicable to boats : Provided that between day-break and dark no fishing boats may be moored in the navigable channel between the South-end of Uluberia Reach and Fulla Point.

98. Wooden Dinghees.—Any wooden dinghee used for ferrying passengers and materials between vessels and shore in the docks must obtain plying permit from Dock Master on payment of prescribed fees, the validity of such plying permit must conform to the passenger licence/certificate issued by Superintendent, Boat Registration.

99. Exhibition of lights.—Every boat whether at anchor or under way shall between dark and day-break exhibit at a height of at least 1.83 metres above the deck a white light in a weather proof lantern so constructed as to give a uniform and unbroken light of sufficient power to be visible all round the horizon at a distance of at least 1.61 Kms.

100. Dumb-barge.—Every dumb-barge, lighter or flat in tow of a sea-going vessel in the port—

- (a) shall, if, in 'tow' alongside in the night exhibit in a properly constructed lantern on the outer edge of the vessel and at a height of not less than 91 cms. above any obstruction on deck, a white light, clear, uniform and unbroken, which shall be visible all round the horizon at a distance of at least 3.23 Kms.

- (b) shall, if in tow astern, exhibit a similar white light of the art and at a height of not less than 1.83 Kms. above the deck.

101. Fire places.—No fire shall be lighted in a flat/boat except in a properly constructed iron caboose or fire-place which shall be kept on deck or in such other part of the flat/boat as the Trustees' Boat Surveyor may direct.

102. Lost property.—When property belonging to any passenger is left in a boat it shall at once be sent

by the person in charge of the boat to the officer-in-charge of the nearest Police Station

103. Reporting of accidents.—Whenever any accident occurs to a flat/boat, the owner, agent or person in charge of such flat/boat shall at once proceed to the nearest Port Police Station and report to the Officer-in-charge, the circumstances connected with the accident.

104. Issue of certificate after accident.—(1) The owner, agent or person in-charge of the flat or boat shall, after complying with the provisions of rule 103 submit a report in writing to the Trustees, Superintendent. Boat Registration along with the licence of the flat/boat stating the nature of the accident and the details of the repairs required to be carried out.

(2) On receipt of the report, the Superintendent, shall cause the flat/boat to be examined and specify in writing the repairs to be carried out.

(3) After the repairs so specified under sub-rule (2) have been duly carried out, the flat/boat shall be placed again before the Superintendent.

(4) On being satisfied about the repairs, the Superintendent shall issue a certificate in writing to that effect enclosing the licence of the flat/boat referred to in sub-rule (1) on the basis of which alone the flat/boat may be allowed to ply in the river.

105. Owner or Manjhis responsibilities.—Without affecting his other responsibilities under these rules, the owner or the person in charge of any boat shall, in particular, be responsible :—

- (a) that the boat is provided with the number of crew and life-saving appliances required these rules;
- (b) that the boat is kept thoroughly clean;
- (c) that the registered number is kept clearly painted on both sides in the manner prescribed by these rules;
- (d) that valid licences are carried both for the boat and Manjhi;
- (e) that the gear, tackle and life-saving appliances specified in the licence are provided and maintained in good working order;
- (f) that the load line is clearly marked and at no time submerged;
- (g) that the boat, if carrying passengers does not contain any person in excess of the number for which it is licensed;
- (h) that the boat is at all times moved so as to keep a free navigable channel for sea-going vessels;
- (i) that the boat or flat should under no circumstances interfere with ship's movement or create obstruction to ship's work in the river or docks;
- (j) that the boat or flat should not be kept unmanned in the docks or river;

(k) that the boat or flat should in no way be involved in activities like theft, smuggling, pilferage etc.

106. Revocation of licence.—A licence granted to any flat/boat may be revoked—

- (a) If the dues or charges payable to the Trustees on any account whatsoever in respect of or in any way connected with the flat/boat remains unpaid for a period of three weeks from the date of demand thereof;
- (b) whenever the flat/boat is in the opinion of the Trustees unfit for the purpose for which it is licensed;
- (c) whenever any breach of the conditions of the licence or of these rules has been committed by the owner or his agent or by the Manjhi in charge of the flat/boat;

Provided further that in case of a dispute arising out of revocation of any licence under clauses (a), (b) and (c) Chairman/Deputy Chairman shall be the final authority.

CHAPTER V

RULES FOR REGULATION OF DRY DOCKS

107. Application for dry-docking.—Application for placing a vessel in a dry dock may be made to the Chief Mechanical Engineer, at any time. However, no definite date of regulation shall be allotted to the vessel until the application has been made in the prescribed Form 'F' of the Schedule annexed hereto which may be obtained from the office of the Chief Mechanical Engineer.

108. Regulation of dry-docks.—On receipt of an application mentioning therein preference for Kidderpore or Ne'aji Subhas Dry Docks in the prescribed form, the vessel shall be placed on Entry List and an advice giving particulars of her regulation shall be sent to the applicant in the prescribed Form 'G' of the Schedule annexed hereto.

No vessel shall be permitted to enter a dry dock without previous regulation and no application shall be deemed to have been accepted until the advice of regulation in prescribed Form 'G' has been sent.

109. Order of docking.—Vessels accepted in dry dock other than these provided for under rule 110 shall be docked in the order in which they appear in the Entry List.

Provided that—

- (a) if any vessel which is not ready on her booked date or on the date the dry dock is vacant, whichever is later, shall forfeit one place in the list.
- (b) any vessel the dimension or construction of which is found differ from the descriptive particulars given in the prescribed Form 'F' to an extent which may in the opinion of the Superintendent, Dry Docks interfere with the safe docking of the vessel shall be refused entry into the dock.

(c) Dry dock booking should be confirmed in writing 48 hours before scheduled docking date as per Form 'F'.

(d) In case of cancellation of booking is not done, cancellation charges as per scheduled rates shall be levied irrespective of whether or not the concerned dry dock is vacant.

110. Preference in dry-docking.—In regulating admission to a dry dock preference shall be given to :

- (a) a vessel with a gross tonnage of not less than 3,000 tonnes over all smaller vessels;
- (b) a vessel with a gross tonnage of not less than 3,000 tonnes requiring the dock for a period not exceeding 24 hours over all similar vessels regulated for a longer period and all smaller vessels;
- (c) a vessel with a gross tonnage of not less than 3,000 tonnes requiring the dock for a period not exceeding 72 hours over all similar vessels regulated for a longer period and all smaller vessels;

111. Preference to damaged vessel.—The Chairman, may at his discretion allow any vessel to enter a dry dock with over riding preference over all other vessels standing on the Entry List, if such immediate entry to a dry dock is considered necessary by him.

112. Arrangement prior to dry-docking.—The Master of a vessel shall, prior to the time of her admission into a dry dock, arrange :—

- (a) that the vessel is upright and her trim or stern does not exceed one foot for every 100 feet of her length between perpendiculars, provided that the Chief Mechanical Engineer may at his discretion permit a vessel, which cannot be trimmed within this limit, to be dry docked subject to such conditions as he may think fit.
- (b) that ballast tanks are either pressed full or pumped perfectly dry with the doors on and properly secured.
- (c) that suitable hawesers and heaving lines are in readiness on each side, fore and aft and masthead pendants move as per directions of Superintendent, Dry Docks.
- (d) that all bilges are kept perfectly dry.
- (e) that reading of the ballast tank sounding are taken whilst the vessel is afloat in dry dock and immediately after the vessel is on the blocks, fore and aft.
- (f) that copies of the readings taken under clause (e) above are at once delivered to the Superintendent, Dry Docks.

113. Docking with cargo on board :—The Owner wishing to dry dock a vessel with cargo or additional bunkers on board may submit a special application to Chief Mechanical Engineer explaining the circumstances and furnishing full particulars of the nature and stowage of cargo in addition to

furnishing the information required as per Form 'F' provided that dry docking of such vessel may be refused without assigning any reason therefor.

114. Refusal of admission :—Any vessel for which her Master has not made arrangements required under rule 109 may at the discretion of the Chief Mechanical Engineer be refused permission to enter the dry dock.

115. Assistance and Extra hands :—The Master of a vessel shall arrange that the crew render every assistance when docking or undocking the vessel and shall also supply extra hands which are in the opinion of Superintendent. Dry Docks required on board during these operations.

116. Co-operation during shoring :—From the time at which the dock ropes are made fast to the vessel to the time at which she is secured on the blocks, the Master shall use every effort to ensure that fullest cooperation between his crew and the dry dock staff in shoring the vessel, and shall ensure all other duties on board to cease so that his crew may be available for any work required by the Superintendent, Dry Docks.

117. Alteration of ballast tanks :—While a vessel is in a dry dock no alteration shall be made in the condition of her ballast tanks without the permission of the Superintendent, Dry Docks, who shall not flood the dry dock until he is satisfied that the original condition prevailing before alteration has been restored by the Master. The Master of any vessel who cannot restore original condition of the ballast tanks without undue delay should immediately forward an application with all necessary details to Superintendent, Dry Docks.

118. Shifting of weights :—While a vessel is in a dry dock no bunkers, cargo, or heavy weight shall be shifted or taken on board or landed without the written permission of the Superintendent, Dry Docks.

119. No out-board work :—No out-board work shall be carried on while a vessel is being docks or undocked.

120. Extension of stay :—No vessel shall remain in a dry dock longer than the time for which it has been regulated provided that the Chief Mechanical Engineer may at his discretion allow further regulation on receipt of application before expiry of the time of regulation and subject to his satisfaction that circumstances not known when the vessel was regulated or which are beyond the control of the parties engaged for the work will prevent the completion within the original period of regulation of work which can be done only in a dry dock.

121. Removal of vessel :—The Master or Owner shall, unless the period of regulation is extended, make all necessary arrangements for taking the vessel out of dry dock at the expiration of the period for which she was regulated, provided that the Chief Mechanical Engineer may if the Master or Owner fails to make such arrangements, take all necessary steps to remove the vessel.

122. Precautions before undocking :—The Master shall satisfy himself that all sea-cocks, bilge holes and other apertures in the vessel's bottom have been securely closed before any water is let into the dry dock at the time of undocking.

123. Equipment provided :—The Port shall provide all blocks, horizontal and bilge shores necessary for the safe docking of the vessel, sufficient floating stages and travelling trestles for washing down, scraping and painting the vessel and sufficient trestles and staging for ordinary propeller work and minor repairs.

All stagings and supports for extensive repairs must be provided by the Master or the Owner or the Contractor carrying out the repairs.

124. Appointment of contractor :—The Trustees shall from year to year authorise certain approved firms or individuals to undertake work in connection with vessels in dry docks. No person/firm shall be allowed to undertake any such work unless he has been so authorised by the Chairman.

125. Protection of port property :—No block, shore stage, pole rope or other article belonging to the Port shall be removed from the Dry Dock premises without the written permission of the Superintendent, Dry Dock.

126. Damage to dry-docks :—No article belonging to the Dry Docks shall be destroyed, cut or otherwise damaged or allowed to go adrift nor should timber or other heavy materials be thrown upon the steps and stone work or passed into or out of the Dry Docks otherwise than by the means provided and prepared for the purpose.

127. Use of cranes :—For booking of cranes in the dry docks, an application has to be made to the Superintendent, Dry Docks who would arrange for the same subject to availability, need and priority as deemed fit by him.

128. Filtered Water and Electricity :—Separate requisition should be placed for filtered water and electricity prior to dry-docking.

129. Special disposition of blocks :—For laying special disposition of blocks the Agent|Master|Owner should submit the docking plan at least 3 days in advance.

130. Mis-declaration in tank sounding form :—While docking, if a vessel behaves contrary to the declaration made about the tank sounding by the Master, the docking may be cancelled by the Superintendent, Dry Docks or in case, to accommodate such condition the vessel is required to be taken out for laying the blocks again all such charges on daily dry dock hire basis may be levied while undocking if a vessel disturbs the block arrangement contrary to the Master's declaration in the Tank Sounding Form, Total cost of relaying the blocks should be borne by the Shipowner/Agent.

131. Discharge of waste :—If a vessel discharges oil or any unwanted material, rubbish, etc. in the dry-dock, the owner|Master would be required to

clear those from dry docks, before undocking and for any damage to machineries of dry dock on account of the same the repair cost should be borne by the Owner/Agent.

132. Re-docking of vessel :—For redocking of any vessel for any reason whatsoever required by the Owner, additional charges other than Dry Dock hire charges may be levied as per Schedule of Rates.

133. Use of capstan :—For use of electro-hydraulic/hydraulic, capstan, individual booking for each capstan shiftwise should be made to Superintendent Dry Docks who would arrange the same subject to availability, need and priority as deemed fit.

134. Work relating to hulls or fittings :—In case of extensive work in the way of underwater hull or any fittings, the location of the blocks to be made clear for such work must be indicated prior to docking to organise laying of blocks accordingly.

CHAPTER VI

RULES FOR SHIP-BREAKING

135. Application for shipbreaking :—An Owner requiring to dismantle a vessel or break up a vessel for scrap, shall apply in writing to the Director, Marine Department, and shall produce for his inspection the clearance given by the Director General of Shipping, Indian Customs, and the Sales Tax Authorities, as applicable, and also such other documents as may be required by the Director, Marine Department. On being satisfied with the production of required documents, as applicable Director, Marine Department may allot a suitable berth for dismantling the vessel within the Calcutta Dock System.

136. Agreement relating to ship-breaking :—The Owner, when so required, shall enter into formal agreement on such terms and conditions as may be laid down by the Director, Marine Department, regard being had to the circumstances of the case and the degree or risk involved in dismantling, breaking up or destroying of the vessel concerned.

137. Payment of charges :—The Owner shall pay immediately on demand all charges prescribed by the Trustees as and when demanded by the Director, Marine Department, in the shape of wharfage, mooring, berth hire, Dry Dock, beaching charges, ground rent charges, crane hire charges and any other charges as applicable, before such services are rendered.

138. Bank guarantee from a scheduled bank for ship-breaking :—The Owner shall also furnish, if asked to do so, a bank guarantee from a scheduled bank having its Head Office or Branch Office in Calcutta, as approved by the Trustees' Financial Adviser and Chief Accounts Officer in the form prescribed by the Director, Marine Department, undertaking to pay to the Trustees, in the event of the vessel fully or partly sinking or becoming a wreck, the cost of salvage operations to be carried out by the Director, Marine Department to secure

the safety of the Port, the safety of other vessels and/or for keeping clear the navigational channels. In deciding the amount and other terms of such bank guarantee, the decision of the Director, Marine Department shall be final.

139. Ship-breaking without due diligence :—In case the Owner fails to carry out the breaking up or dismantling work with due diligence as required by the Director, Marine Department, the Trustees may, without prejudice to any of their rights, themselves or through other agencies break up or dismantle and/or sell and/or remove the portions so dismantled or broken up of the vessel at the cost and expense of the owner.

140. The expression 'Owner' includes his agents, representatives or assigns of vessels.

141. Interpretation of Rules.—In case of any dispute as to the interpretation or working off these Rules on ship breaking, the decision of the Chairman shall be final and binding.

141-A. Repeal of some clauses of the Bye-laws of the Port of Calcutta : "With the coming into force of the Calcutta Port Rules 1994, the clause number 82(A) (a) to (g) of By-laws Port of Calcutta 1949, shall cease to have any effect, force and validity and shall be deemed to have been repealed".

CHAPTER VII

RULES FOR DAMAGE TO PORT PROPERTY

142. Masters and Owners of vessels shall be held liable for any damage whatsoever that shall have been caused by their vessels or servants to any of the works or property of the Trustees and the Trustees reserve the right to detain their vessels in dock until security has been given for the amount of the damage caused.

Provided that without prejudice to any rights of the Board, the Chairman or Deputy Chairman may allow the vessel or vessels to leave the Port on sufficient security being furnished by the Owner/Master to cover the estimated cost of damage/loss.

CHAPTER VIII

RULES FOR VESSELS CARRYING PETROLEUM

143. Definitions.—In this chapter unless the context otherwise requires;

- (1) "bulk oil vessel" means a petroleum vessel with petroleum in bulk.
- (2) "case oil vessel" means a petroleum vessel with petroleum in cases, casks, drums or other receptacles.
- (3) "discharged vessel" means a petroleum vessel which has completed the discharge of her petroleum;
- (4) "excluded petroleum" means petroleum having its flashpoint not below 93 C (or 200 F), to which these rules do not apply;

- (5) "flash-point" in relation to any petroleum, means the lowest temperature at which it yields a vapour which will give momentary flash when ignited, and determined in accordance with the provisions of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934) and the rules made thereunder;
- (6) "gas-free certificate" means a certificate granted by an officer appointed by the Central Government in this behalf to the effect that a vessel has been thoroughly cleaned and freed from petroleum and inflammable vapour;
- (7) "Petroleum" means any liquid hydrocarbon or mixture of hydrocarbons and any inflammable mixture (liquid, viscous or solid) containing any liquid hydrocarbon.
- (8) "Petroleum Class A" means petroleum having its flash point below 23 C (or 73 F);
- (9) "Petroleum Class B" means petroleum having its flash point below 65.5 C (or 150 F); but not below 23 C (or 73 F);
- (10) "Petroleum Class C" means petroleum which has its flash point not below 65.5 C (or 150 F).
- (11) "Petroleum in bulk" means petroleum contained in a receptacle exceeding 1000 litres in capacity;
- (12) "Petroleum vessel" means any vessel carrying more than 5,000 litres or 5 metric tonnes of Petroleum Class "A" or 50,000 litres or 50 metric tonnes of Petroleum Class "B" or any other substance having the same flash point as that of Petroleum Class "A" or Petroleum Class "B";

"to transport" means to move petroleum from one place to another within the port.

144. Regulation of petroleum vessels.—No petroleum vessel shall proceed above Sandheads until she has been allotted a berth in the Port of Calcutta.

145. Restriction on movement.—No petroleum vessel shall proceed above Baj Baj with—

- (a) Petroleum Class "A";
- (b) Petroleum Class "B" which is not intended for discharge at the petroleum berth in Netaji Subhas Dock:—

Provided that this rule shall not apply to—

- (i) a recognised wagon ferry;
- (ii) a vessel licensed under rule 160 following a route approved by the Director, Marine Department;
- (iii) a vessel proceeding into Dry Dock in accordance with rule 165.

146. Declaration by Master of ships carrying petroleum or by the ship's Agent and discharge or shipment of petroleum or inflammable substances including substance like paints and varnishes.—(1) The Master of

every ship carrying petroleum or any other substance having flash point below 65.5 C (or 150 F) shall deliver to the Pilot before entering the Port of Calcutta a written declaration in Form "H" specified in the Schedule to these Rules under his signature.

Provided that if in anticipation of ship's arrival the Agent for such a ship delivers to the Director, Marine Department of the Port; a written declaration as aforesaid under his signature, no such declaration need be made by the Master of the Ship.

(2) The Agents shall furnish a list of all hazardous cargo with full particulars to the Director, Marine Department and the Traffic Manager of the Port.

(3) The Master of the ship shall be responsible for compliance with all relevant rules, regulations and instructions issued from time to time.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3), the Director, Marine Department, when the circumstances so warrant may grant relaxation in regard to the quantities of petroleum or any other substance having flash point below 65.50 C (or 150 F) that may be brought for discharge or shipment at the docks and jetties at the Port of Calcutta subject to the compliance of conditions that —

- (i) the vessel cannot be taken in Baj Baj mooring for the duration of Bore Tides ;
- (ii) Cargo is to be delivered direct from the vessel to the consignee or to be removed to the Trustees' Hazardous Godown immediately on arrival of the vessel or in case of shipment, the cargo should be loaded only one day or two days prior to the sailing of the vessel;
- (iii) the above operation will be carried out in day light hours only;
- (iv) "No smoking" should be strictly observed and strict precautions against out break of fire during the time of loading/unloading should be taken;
- (v) in case of inflammable liquid having flash point below 23 C (73 F), not more than 5 tonnes of such cargo to be handled at a time in quayline and the same should be removed immediately from the port premises ;
- (vi) Port Fire Service personnel should be present at the time of unloading of the cargo and the ship's fire fighting appliances should also be kept in readiness near storage area of the cargo;
- (vii) the unloading and loading operation are to be carried out under direct supervision of nominated responsible persons from the steamer agents and the consignee and they shall be answerable for any mishap;

Provided that no such relaxation shall be granted for such quantities exceeding —

- (a) 20 tonnes in regard to petroleum Class 'A' or other substance having flash point below 23 C (or 73 F).

- (b) 20 tonnes in the case of manufactured products such as paints and varinishes having a flash point below 23 C (or 73 F);
- (c) 100 tonnes in regard to "Petroleum Class B" having a flash point below 65.5 C (or 150 F).
- (d) 150 tonnes in the case of manufactured products such as paint and varnishes having a flash point above 23 C (or 73 F), but below 65.5 C (or 150 F).

147. Attendance of tug.—No petroleum vessel with Petroleum Class "A" or "B" and no discharged vessel without a gas-free certificate for all tanks shall be transported between Garden Reach and Netaji Subhas Dock unless she has a tug in attendance.

148. Discharge of petroleum in bulk and loading of petroleum or inflammable liquids in bulk petroleum vessels shall discharge/load :—

- (a) Petroleum Class "A" in bulk or inflammable liquids having flash point below 23 C (73 F) may be discharged/shipped directly into from storage tanks of Importers/Exporters at Haldia|Baj Baj.
- (b) Petroleum Class "B", class "C" on inflammable liquids having flash point of 23 C and above may be discharged/shipped direct into/from storage tanks of Importers|Exporters at Haldia|Baj Baj|Netaji Subhas Docks.

149. Discharge or loading of case oil vessels.—Every case oil vessel shall discharge or load her petroleum or inflammable liquids, at the Petroleum Depot, Baj Baj but no such vessel shall begin her discharge or loading until the Director, Marine Department, is satisfied that—

- (a) the Collector of Customs has permitted her petroleum or, as the case may be, inflammable liquids to be landed or loaded ;
- (b) proper arrangements have been made for the disposal of leaky casks, drums or other receptacles;
- (c) the receptacles satisfy the requirements of the Petroleum Rules, 1976.

15. Discharge into lighters.—(1) No case oil vessel shall discharge under the foregoing rules any petroleum into a lighter unless such lighter is capable of being cleared and unloaded into a storage shed at Baj Baj between sunrise and sunset;

Provided that every such lighter shall be duly licensed for the purpose by the Trustees Boat Surveyor;

Provided further that no lighter loaded with petroleum shall be detained overnight at Baj Baj unless specific permission in writing to that effect is first obtained from the Director, Marine Department.

(2) Provisions of this rule shall also apply in relation to all inflammable cargo with or without liquid hydro-carbon.

151. Fires.—No fire or naked light and no smoking shall be allowed on any boat carrying petroleum in cases, drums or other receptacles.

152. Inadequate facilities for discharge.—If the Collector of Customs at any time declares that the accommodation for the discharge of petroleum by any petroleum vessels is unsuitable, the Director, Marine Department may direct that the vessel be removed to Diamond Harbour or elsewhere within the Port.

153. Discharge or loading under own power.—No petroleum vessel shall without the permission in writing of the Director, Marine Department, discharge or load Petroleum Class "A" or Petroleum Class "B" in bulk with its own generated power.

154. Petroleum or inflammable liquids in small quantity.—A vessel, carrying otherwise than in bulk a quantity of petroleum Class "A" or inflammable liquids not exceeding 5 tonnes (5,000 litres) or Petroleum Class "B" or inflammable liquids not exceeding 50 tonnes (50,000 litres), may land it at the docks or jetties under the following conditions :—

- (i) that Petroleum Class 'A' is covered by an import licence granted under the Petroleum Rules, 1976;
- (ii) that each consignee who imports Petroleum Class 'A' in quantity exceeding 300 litres produces a certificate of storage accommodation in Form II of the Petroleum Rules, 1976, signed by him or his agent.

Provided that quantities not exceeding 5 tonnes (5,000 litres) Petroleum Class 'A' or quantities not exceeding 50 tonnes (50,000 litres) or Petroleum Class 'B' may be discharged into lighters or boats with the previous approval of the Director, Marine Department, subject to the compliance of the conditions specified in clause (i) and clause (ii) and that the petroleum is not unloaded from boats or lighters at the following ghats, namely :—

- (a) on the Howrah side-Bichali Ghat north of Cowie's Ghat Spur, or
- (b) on the Calcutta side-Jagannath Ghat, Sahib Bazar Ghat, Rutherford Ghat or Baghbazar Ghat;

Provided further that Petroleum Class 'C' otherwise than in bulk may be landed in any quantity at the docks or jetties or discharged overside into boats, or lighters

155. Cleaning.—Every discharge vessel shall, unless she is proceeding direct to sea without delay to appointed moorings at which she shall, subject to any direction of the Harbour Master (Port) remain until she is cleaned and freed from petroleum and inflammable vapour : Provided that the Harbour Master (Port) may, if he is satisfied that due precautions have been taken to prevent the discharge of oil, oily water or refuse on to a wharf or into a dock or stream, permit her to perform her cleaning operations alongside the berth at which she has discharged.

156. Precaution within docks.—(1) Every vessel discharging Petroleum Class 'B' shall carry at each

end 10 cm. wire pendant fitted at either end with an eye and the in board end of the wire shall be placed on the nearest available bitts and the outboard end shall hang within reach of water.

(2) The length of each such pendant shall be 15 fathoms and the same shall be lightly stapped to the rails.

157. Bunkering petroleum.—No vessel shall bunker with petroleum from any boat or barge between sunset and sunrise. Between sunrise and sunset bunkering of vessels with petroleum from any boat or barge will be permitted:—

- (a) at moorings in the stream,
- (b) at the Jetties, and
- (c) in the Docks, if the Dock Master is satisfied that the flash-point of the petroleum is not below 65.5°C or 150°F.

158. Precautions during bunkering.—Every vessel loading petroleum for bunkers shall observe the following conditions :—

- (a) The Master or 1st Mate of the vessel shall be on board and shall be responsible for ensuring that bunkering rules are observed and that all reasonable precautions for safety are taken.
- (b) An officer of the vessel shall be on watch and an attendant shall be stationed at the flexible connecting pipe.
- (c) No smoking, cooking, naked lights or forges shall be allowed within 30, 48 metres of the flexible and inlet pipes.
- (d) A suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting pipe to prevent any petroleum dripping into the river or dock.
- (e) An attendant shall always be on duty at the pump of the vessel supplying the fuel.

159. Craft not allowed alongside.—No inland vessel or small craft shall approach within 30, 48 metres or—

- (i) a petroleum vessel bunkering or discharging in bulk;
- (ii) a discharged vessel until all her openings are closed.

160. Certification of boats or barges.—No boat or barge shall transport petroleum in bulk within the port unless she has been licensed by the Trustees' Boat Surveyor and also licensed by the appropriate authority in accordance with the Petroleum Rules, 1976; provided that this rule shall not apply to a recognised wagon ferry.

161. Restriction on night work.—No vessel shall load, discharge or transport Petroleum Class 'A' within the Port of Calcutta between sunset and sunrise;

Provided that this rule shall not apply to bulk oil vessels discharging at the petroleum Depot, Baj Baj

and Oil Jetties at Haldia in accordance with the provisions of the Petroleum Rules, 1976.

162. Transshipment of heavy petroleum.—Any vessel may, with the consent in writing of the Harbour Master (Port), transship to any other vessel Petroleum Class 'C' in bulk.

163. Cleaning of boats or barges.—No boat or barge used for the carriage of petroleum shall pump out bilges—

(a) in the docks.

(b) alongside any tug or bulk oil vessel.

164. Restriction on straw boats.—No fires or smoking or naked lights shall be permitted on any vessel carrying straw within 155 metres of the high water line of the Baj Baj Petroleum Depot.

165. Gas free certificate for bulk oil vessel.—(1) No bulk oil vessel shall be taken amongst the other ships unless the vessel is proceeding to an oil berth (or in the case of vessel carrying fuel oil only, into dock) or a certificate is produced from the controller of Explosives, East Circle, Calcutta, to the effect that he has examined the tanks, coffer-dams, pump rooms and such other parts as deemed necessary with the aid of vapour testing instrument and certified by him in writing that such tanks, coffer-dams, pump rooms and other parts of the vessel are free from petroleum and vapour of petroleum and the vessel is in a fit state to enter the dock.

(2) The Master of all bulk oil vessels proceeding to dry dock shall produce the certificate referred to in sub-Rule (1).

(3) No repair work to any part or fitting of a petroleum tanker shall be carried out in the dry dock, or in the wet dock unless such part or fitting has been examined by the Controller of Explosives, East Circle, Calcutta, and certified by him in writing to be free from petroleum vapour or petroleum.

(4) The Controller of Explosives, East Circle, Calcutta, while granting a certificate referred to in this rule shall specify thereon the period for which and the conditions under which such certificate shall remain valid.

Provided that a bulk oil vessel which has not carried petroleum of flash point below 150°F since her last gas free certificate was granted and which is entering a dry dock for the purpose of hull painting and examination only, will be admitted into dry dock on a certificate issued by the Master of the vessel stating that the tanks have been properly cleaned out. If after entry into dry dock it transpires that the vessel requires more extensive repairs, a gas free certificate shall be produced before such repairs can be undertaken.

166. Separate certificate for repairs to any compartment.—Every bulk oil vessel entering the port with a gas free certificate shall, before carrying out repairs involving the use of naked lights in any compartment, obtain a further certificate for that compartment.

167. Gas free certificate necessary in certain cases. Every vessel in the port which uses oil as fuel shall, before carrying out any repairs in the bunkers obtain a gas-free certificate from the Inspector of Explosives or Assistant Inspector of Explosives, East Circle, Calcutta.

168. Officers on board.—During the time that any petroleum vessel is in port, a responsible Dock Officer and Engineer Officer shall be on board to carry out and give effect to the provisions of these Rules.

During the time that a petroleum vessel is loading or discharging, or preparing to load or discharge petroleum, the Master or First Mate and Chief or second Engineer shall be on board and shall see that every precaution is taken to ensure the safety of the vessel and her cargo and in particular that the boilers and machinery are maintained in working order so that the vessel may be moved without delay if so required by the Harbour Master (Port).

169. Repeal and Saving.—The Calcutta Port Rules, 1944 are hereby repealed notwithstanding such repeal, any thing done or any action taken under the Calcutta Port Rules, 1944 shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these rules.

[F. No. PR-16012/4/93-PG]

O. S. KHAIRWAL, Jt. Secy.

SCHEDULE

Form A

(See Rule 21)

CALCUTTA PORT TRUST

I.....Chairman, Calcutta Port Trust, do hereby license under Rule 21 of the CALCUTTA PORT RULES, 1993 the S. S. M[V..... of which is Master, to remain at her present moorings in the said Port having on board the crew specified below: Provided always that on its revocation under Rule 22 of the said Rules, or on breach of any of the conditions written hereunder this licence shall absolutely cease and determine.

Conditions of Licence

The vessel must remain at or such other moorings within the said Port as are allotted by an Officer duly authorised by the Trustees in that behalf for the period from to The reduced crew must consist of

Signature of

Licensing Authority

Designation Chairman

Place Calcutta

Date.....

Form B

(See Rule 22)

CALCUTTA PORT TRUST

I.....Chairman, Calcutta Port Trust, do hereby revoke the licence in Form A granted to the S. S./M.V.....to remain in the said Port with reduced crew specified in the said licence.

Signature of

Licensing Authority.....

Designation Chairman

Place Calcutta

Date:

Form C

(See Rule 23)

CALCUTTA PORT TRUST

I.....Chairman, Calcutta Port Trust, do hereby grant under Rule 23 of the CALCUTTA PORT (MARINE OPERATIONS) RULES a licence that S. S./M.V.....of which.....s Master, moored in the following creek, river or dock shall for the period from to..... be exempted from the provisions of Rule 19 of the said Rules: Provided that during this period she remains in the said creek, river or dock.

Signature of

Licensing Authority.....

Designation Chairman

Place Calcutta

Date :

FORM D

(See Rule 67)

Owner's name and address.....

Agent's name and address.....

Description of flat|boat.....

Nature of licence, cargo or passenger, held or required.....

The undersigned, Owner|Agent of the flat|boat described above requests that it may be registered in accordance with rule 68 of the Calcutta Port Rules,

Signature of Owner|Agent

Residence.....

Date.....

FORM E

(See Rule 71)

APPLICATION FOR LICENCE
OF EACH FLAT/BOAT

Branded No.	Description of boat and Class	Tonnage
	Number of	Manjhi
Oars	Crew	Name
		Age
		Height

Number of Passengers

The undersigned Owner|Agent of the flat|boat described above requests that it may be licensed in accordance with the CALCUTTA PORT RULES, 1994 to pay as a flat|boat.

Signature of Owner|Agent

Residence.....

Draft aft.....

FORM F

(See Rule 107)

APPLICATION FOR REGULATION OF DRY
DOCKS

The Chief Mechanical Engineer,
8, Garden Reach Road,
Calcutta-700043.

Sir,

We have requested that you will kindly arrange to take into Dry-dock the M.V. of which we certify the following descriptive particulars.

Length.....

Beam.....

Depth moulded.....

Gross tonnage.....

Draft forward.....

Draft aft.....

Displacement weight of vessel

at draft stated.....

Style of construction of vessel's bottom.....

Her Keel is :

(a) a keep-plate

(b) a bar-keel

(c) a slab-keel

(d) a duct-keel

She has :

(e) an overhang

(f) a camber in her keel

(g) other special features viz.

Attached Plan showing any special style of construction are numbered and dated..... Date and hour when the vessel will be ready to dock..... Contractor's name and address..... number of days for which the use of the dock will be required.....

Yours faithfully,

Signature.....

Through the Harbour Master (Port), C.P.T.

c.c. The Harbour Master (Port) C.P.T.

c.c. The Superintendent., Dry Docks, NSD

Dated.....

Owner/Master of M.V.

FORM G

(Sec Rule 108)

CALCUTTA PORT TRUST ADVICE OF REGULATION

To,

The Owner/Master,

S.S./M.V.....

Sir,

Arrangements have been made pursuant to your application for regulation, dated.....for the admission of the S.S./M.V.....into the Kidderpore/Netaji Subhas Dry Docks at.....m. on theday of19

The period of regulation expires at.....m. on theday of19

You are, however, required to give notice to the Harbour Master (Port) of the exact time at which your vessel will be ready to undock in order that he may make his arrangements.

Yours faithfully,

Chief Mechanical Engineer

Calcutta.....

